राजस्थान पत्रिका

पत्रिका समूह के संस्थापक कर्पूर चन्द्र कुलिश का जन्म शताब्दी वर्ष

'स्नेह मुझ में, ज्योति मुझ में; और मुझ में धूम काला। तम निगल काजल उगलता, स्नेह पी करता उजाला। दीप-सा जलता रहा मैं।' पत्रिका समूह के संस्थापक श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश ने 75 वर्ष पहले एक कवि के रूप में ये पंक्तियां लिखी थीं। ये पंक्तियां आज उनके जीवन की कहानी कहती हैं। पत्रकारिता की लौ से पूरे समाज में उजियारा भरने की कहानी। आज से उनका जन्मशताब्दी वर्ष आरम्भ हो रहा है। इस मौके पर आइए, उनके व्यक्तित्व के विविध स्वरूपों का पुण्य स्मरण करें...

दीप-सा जलता रहा मैं...

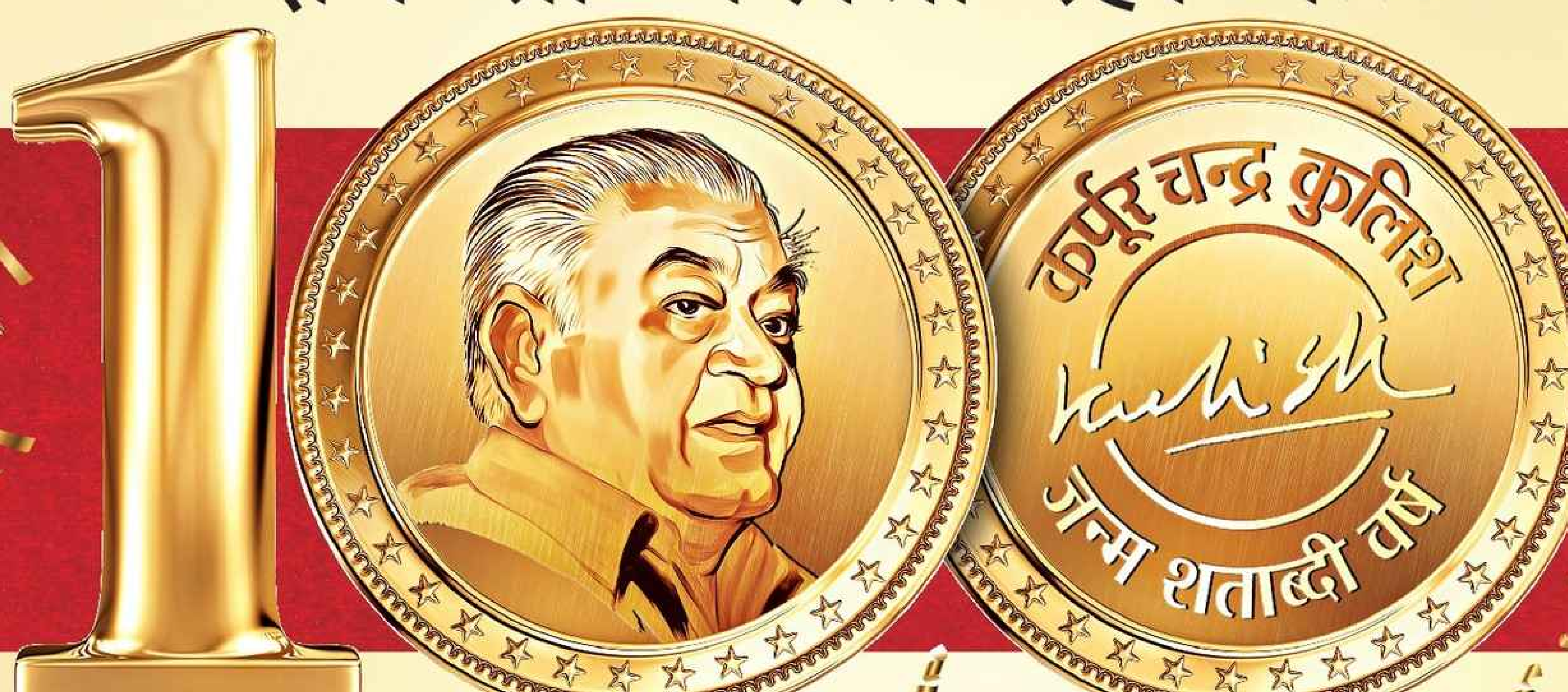

श्रद्धेय बाबूसा

गुलाब कोठारी

व्यवसाय करना साधारण जीवन यापन की क्रियामात्र है, किन्तु व्यवसाय को जीना तपस्या है। व्यवसाय करना शरीर का पालन-पोषण है, व्यवसाय को जी जाना आत्मा का धरातल है। शरीर नश्वरता का क्षेत्र है, आत्मिक कर्म शाश्वत की साधना है। साधना केवल संन्यासी का कर्म नहीं है। पिछले कर्मों का फल भोगते हुए भी साधना पथ पर डटे रहना ही कर्म-कौशल है।

'व्यवसायात्मिका बुद्धिरेकेह कुरुनन्दन।
बहुशाखा ह्यनन्ताश्च बुद्धयोऽव्यवसायिनाम् ॥' (गीता 2/41)

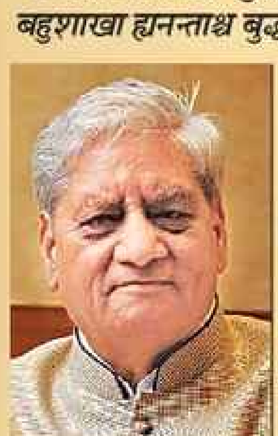

खबरों की स्वतंत्रता में आज तक सम्पादकों-रिपोर्टरों को कोई दिशा- निर्देश अथवा निषेधात्मक आदेश नहीं दिया जाता। साथ ही उनकी अवहेलना, चूक या अपराध को क्षमा भी नहीं किया जाता।

कर्मयोग में निश्चयात्मिका बुद्धि एक ही होती है और अस्थिर विचार वाले विवेकहीन लोगों की बुद्धि अनेक प्रकार की होती है। चारों ओर अस्थिर मीडिया के वातावरण को पहचानकर और मीडिया की आत्मा को मूर्छित देखकर ही श्रद्धेय बाबूसा ने निश्चयात्मिका बुद्धि से ही निर्णय लिया था कि वे पत्रकारिता की आत्मा को जगाए रखने के लिए स्वतंत्र समाचार-पत्र निकालेंगे। वही आज तक पत्रकारिता का मूल बिम्ब बने हुए हैं। उनके लेखन और व्यक्तित्व को प्राप्त उपलब्धियां भी उसी निर्णय के स्थायित्व का प्रमाण हैं।

श्रद्धेय बाबूसा के सम्पूर्ण जीवन ने और यहां तक कि उनके वैदिक अवदान ने उनके संकल्प को परिभाषित किया। व्यक्ति के जीवन के उतार-चढ़ाव, राजनीतिक शतरंज की चालबाजियां, सामाजिक परिवर्तन का प्रवाह और व्यापारिक द्वन्द्वों के बीच निर्णय को बनाए रखना एक प्रकार की अग्नि-परीक्षा ही थी, जो उनके सम्पूर्ण कार्यकाल में बनी रही। अभाव की स्थिति में तो विपरीत प्रभाव से संघर्ष करना व्यवसाय की सुरक्षा के लिए एक कठोर भी और संवेदना का भी विचलित कर देने वाला क्षण होता है। मैंने उस जीवन में द्वन्द्व के उन क्षणों को भी जीया है।

उनकी सबसे बड़ी पूंजी पाठकों का विश्वास रहा और कर्मचारियों का पारिवारिक स्वरूप रहा। पाठकों में विश्वास भी बना रहे और बदलते समय के साथ भारतीय मूल्यों को भी संजोकर रखा जा सके, ये उनकी प्राथमिकताएं थीं। खबरों की स्वतंत्रता में आज तक सम्पादकों-रिपोर्टरों को कोई दिशा- निर्देश अथवा निषेधात्मक आदेश नहीं दिया जाता। साथ ही उनकी अवहेलना, चूक या अपराध को क्षमा भी नहीं किया जाता। 'संभावना' दिखाने वाले समाचारों पर पूर्ण प्रतिबन्ध। इसी प्रकार के एक समाचार के छपने के बाद दिल्ली के वरिष्ठ प्रतिनिधि को बिना किसी चेतावनी के हटा दिया था। समाचारों में लिप्तता पाए जाने पर कोटा के स्थानीय सम्पादक को पद मुक्त करके उसका समाचार भी प्रकाशित किया था। कैलाश-मानसरोवर यात्रा विवरण की शिकायतों पर भी एक संपादकीय सहयोगी को विदा किया था। वहीं अच्छे समाचारों के लिए संवाददाताओं को पदोन्नत तक किया गया। आज तो हर संस्करण में गुणवत्ता-पुरस्कार वार्षिक परम्परा बन गई है।

राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में पत्रिका ने जन आकांक्षा के अनुरूप विशेष प्रयास किए। पत्रिका-संवाददाता हर बड़े अभियान में नेताओं के साथ देशभर में आकलन करते रहते थे। अटल बिहारी वाजपेयी, वीपी सिंह, जयप्रकाश नारायण, नरेन्द्र मोदी के अभियानों पर साथ रहकर आंखों देखा हाल पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया। विवादित ढांचे को ध्वस्त करने का आंखों देखा हाल भेजने वाले पत्रिका संवाददाता गोपाल शर्मा आज विधायक हैं। हाल ही वर्षों में काला-कानून के विरुद्ध अभियान भी बाबूसा के निर्णय की शृंखला में एक कड़ी ही थी।

संस्कृति संरक्षण का लक्ष्य@पेज 10

gulabkothari@epatrika.com

समय के ताप में तपे तो बने 'कुलिश'

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

सत्ता नहीं, जनता के प्रति पहला कर्त्तव्य

भारतीय भाषायी पत्रकारिता के अग्रगामी पुरोधा श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश देश के उन गिने-चुने अखबार संपादकों में थे जिन्होंने कभी खुद पर व्यवसायीकरण को हावी नहीं होने दिया। वे मानते थे कि एक अखबार का पहला और प्रमुख कर्त्तव्य जनता के प्रति होता है न कि किसी सत्ता के प्रति। अपनी इसी सोच को लेकर उन्होंने पत्रकारिता की जो मशाल 7 मार्च 1956 को राजस्थान पत्रिका के रूप में जलाई, वह आज देश-दुनिया में रोशनी फैला रही है।

अभावों में पले, पर हिम्मत से आगे बढ़े

कुलिश जी का जन्म 20 मार्च 1926 को राजस्थान के **सोडा गांव** (टोंक) में ओसवाल जैन कुल में हुआ। यह उनके जन्म**शताब्दी वर्ष** की शुरुआत है। अभावों में पले-बढ़े कुलिश जी ने मालपु**रा में** प्रारंभिक शिक्षा ली और आगे के अध्ययन की ललक जय**पुर ले आई।**

पत्रकारिता में प्रखर से मुखर बनने की शुरुआत

शुरुआती दौर में कुलिश जी राजधानी के कवि सम्मेल**नों में सक्रिय रहे। वर्ष** 1951 में उन्होंने 'राष्ट्रदूत' में प्रूफरीडर के रूप में पत्रका**रिता शुरू की। जल्द ही** उनकी पहचान प्रखर पत्रकार के रूप में बनी। तब कु**छ घटनाओं से महसूस** हुआ कि उन पर अंकुश लगाया जा रहा है। उन्होंने अनु**भव किया कि ऐसा** समाचार पत्र होना चाहिए जो सीधे जनता से जुड़ा हुआ **हो।**

शुरू हुआ विचार विमर्श का दौर

पहला विचार ही बना संकल्प : न दबाव में न प्रभाव में

कुलिश जी के ही शब्दों में 'उस समय राजस्थान में **अखबार किसी न किसी** राजनीतिक व्यक्तित्व के प्रश्रय या प्रभाव में थे। इससे **जनता का दृष्टिकोण** खबरों को उसी नजरिए से देखने का बन जाया करता **है। मेरे मन में गहरी** धारणा बन गई कि अखबार ऐसा हो जो इन प्रभावों औ**र दबावों से मुक्त हो।'**

यों हुआ नामकरण 'राजस्थान पत्रिका'

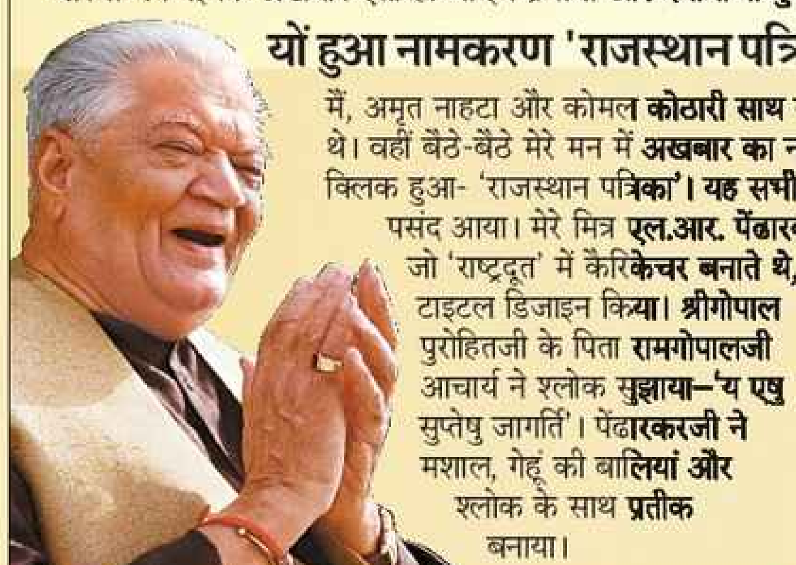

मैं, अमृत नाहटा और कोमल **कोठारी साथ रहते** थे। वहीं बैठे-बैठे मेरे मन में **अखबार का नाम** क्लिक हुआ- 'राजस्थान प**त्रिका'। यह सभी को** पसंद आया। मेरे मित्र **एल.आर. पेंढारकर,** जो 'राष्ट्रदूत' में कैरि**केचर बनाते थे, ने** टाइटल डिजाइन कि**या। श्रीगोपाल** पुरोहितजी के पिता **रामगोपालजी** आचार्य ने श्लोक **सुझाया–'य एषु** सुप्तेषु जागर्ति'। पें**ढारकरजी ने** मशाल, गेहूं की बा**लियां और** श्लोक के साथ **प्रतीक** बनाया।

पांच सौ रुपए का वह सहयोग

कुलिश जी ने सरकारी महकमे में डिप्टी सेक्रेटरी मित्र कन्हैयालाल जी को अखबार निकालने के संकल्प व आ**र्थिक** संकट के बारे में बताया तो उन्होंने तुरंत 500 रुपए का **चेक** हाथ में थमा दिया। 'राजस्थान पत्रिका' रूपी कागज की नाव पत्रकारिता के महासमुद्र में तैरने निकल पड़ी।

तीन बड़े जन आंदोलन बने संघर्ष से सफलता की कहानी

'पत्रिका' ने प्रारंभिक काल में जयपुर में शिक्षा शुल्क वृद्धि **के** विरुद्ध छात्र आंदोलन और चुंगी वृद्धि विरोधी आंदोलन में समर्थन दिया, जिससे उसकी लोकप्रियता बढ़ी। लेकिन हा**ईकोर्ट** बैंच हटाने के खिलाफ आंदोलन में सरकार के निर्णय का **समर्थन करने** पर विरोध हुआ। एक दौर में किराए की प्रेस ने छपाई बंद **कर दी। कुलिश** जी ने नई व्यवस्था की, जिससे 'पत्रिका' का प्रकाशन जारी **रह सका ।**

चुनाव में ग्राउंड रिपोर्टिंग का प्रयोग

चुनावों में 'पत्रिका' ने संवाददाताओं को निर्वाचन क्षेत्रों में भेजकर आकलन प्रस्तुत किया। 1962 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में कुलिश जी के कांग्रेस और विपक्ष की स्थिति समान रहने के आकलन अनुरूप ही नतीजे आए।

अस्तित्व की बड़ी लड़ाई

संघर्ष करते-कर**ते 1963 में ऐसी स्थिति आ** गई कि सारे प्रय**त्नों और पाठकों के सहयोग के** बावजूद खर्चा पू**रा नहीं निकाल पा रहे थे। एक** उद्योगपति ने प्रेस**-कार्यालय के लिए स्थान देने की** पेशकश की। कु**लिश जी वहां शिफ्ट हो गए, लेकिन** दो दिन तक समा**नांतर 'पत्रिका' प्रकाशित हुई।** न्यायालय ने कु**लिश जी के पक्ष में निर्णय दिया।**

प्रात:कालीन अखबार बना पत्रिका

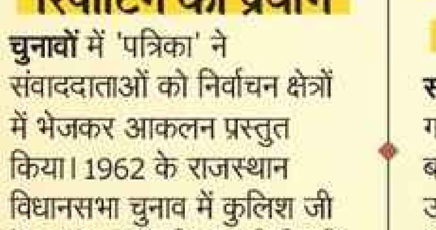

1960 में प**त्रिका का प्रकाशन सिलेंडर मशीन पर शुरू हो** गया था। सां**ध्यकालीन अखबार के रूप में पहचान बनाने** के बाद मई **1964 में राजस्थान पत्रिका को प्रात: कालीन** अखबार में **परिवर्तित कर दिया गया।**

पाठक से बढ़कर कोई शक्ति नहीं

***पाठक** हम पर विश्वास न करें... यह मैं किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकता।* ऊपर सत्ता में बैठे लोग नाराज हो जाएं तो हमें ग्राह्य है, उस स्थिति को तो हम बाद में अनुकूल बना लेंगे... पर पाठक का अविश्वास घातक है। अखबार के लिए पाठक से बढ़कर कोई शक्ति नहीं है।

अखबार के प्रति लोगों का रुझान

***अखबार** का असली उद्देश्य यही है कि जनसामान्य तक अपनी बात विश्वसनीयता के साथ पहुंचे, जनता के मन में उसके प्रति आस्था हो... उसकी बातों का आम पाठक पर असर हो.. तभी अखबार के प्रति लोगों का रुझान बढ़ेगा.. और मेरा प्रयास सदैव यही रहा है।*

कर्पूर चन्द्र कुलिश

स्वतंत्र विचारधारा की बानगी

शाही वेशभूषा की अनिवार्यता का विरोध

'पत्रिका' की स्वतंत्र विचारधारा कई मौकों पर दिखी। 1961 में **ब्रिटेन की महा**रानी एलिजाबेथ द्वितीय भारत यात्रा के दौरान जयपुर **आईं। महाराजा ने** स्वागत समारोह में मेजबानों के लिए शाही वेशभूषा **अनिवार्य की, जि**सका मुख्यमंत्री ने विरोध किया और राष्ट्रीय वेशभूषा **में पहुंचे। कुलिश** जी ने भी महाराजा के इस कदम की आलोचना की।

आपदा में राहत का काम

लोगों की इस सेवा के लिए कुलिश जी **ने 1982 में जनमंगल प**ब्लिक चेरिटेबल **ट्रस्ट की स्थापना की।** अकाल, दक्षिण **भारत में भीषण समु**द्री तूफान, बाढ़, **भूकंप आदि के समय** जन सहयोग से **लाखों रुपए जमा हु**ए, जिन्हें विभिन्न **पीड़ितों की सहायतार्थ** भिजवाया गया। **सहायता एवं सेवा का** यह क्रम कुलिश **जी के अनुसरण में अबा**ध रूप से आज भी चला रहा है।

आपातकाल का विरोध

वर्ष 1975 में चुनाव अवैध घोषित होने के बाद इंदिरा गांधी के इस्तीफा न **देने और आपातकाल** लगाने पर उन्होंने अग्रलेख में त्याग पत्र की मांग की **थी। सरकार ने 'पत्रि**का' का आपातकाल के विरोध में अतिरिक्तांक छापने **नहीं दिया, बिजली** काट दी। विरोध स्वरूप कुलिश जी ने अगले अंक में संपादकीय की जगह खाली छोड़ी।

कुलिश जी की पहली विदेश यात्रा

लेखों पर बैण्ड-बाजे से स्वागत

1968 में कुलिश जी अमरीकी सरकार के निमंत्रण पर पहली विदेश **यात्रा पर गए।** वहां से उन्होंने लेख भेजे, जो 'राजस्थान पत्रिका' में **डेढ़ महीने त**क प्रकाशित हुए। लौटने पर, भारी बारिश के बावजूद **सैकड़ों लो**ग जयपुर स्टेशन पर उनका स्वागत करने पहुंचे और बग्घी में बैण्ड-बाजे के साथ घर तक लाए।

क्षमायाचना में संकोच नहीं

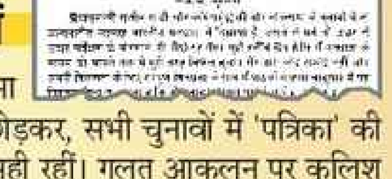

1984 लोकसभा चुनावों को छोड़कर, सभी चुनावों में 'पत्रिका' की भविष्यवाणियां सही रहीं। गलत आकलन पर कुलिश जी ने पहले पृष्ठ पर खेद व्यक्त किया और संपूर्ण विनम्रता के साथ पाठकों से क्षमा चाही।

षष्ठिपूर्ति पर 'नमस्कार'

कुलिश जी ने साठ **वर्ष की** उम्र होते ही 20 **मार्च 19**86 को पत्रिका के **संपाद**कीय व प्रबंधकीय **दायित्वों से विदा** ली। उन्होंने 'नमस्कार' शीर्षक से अपने दायित्व से मुक्त होने पर अग्रलेख लिखा।

गीत गोविन्द

राधा-कृष्ण की भाव अभिव्यक्ति

नया करने की चाह कुलिश जी के मन में सदा से रही। उन दिनों जब रामायण **और महाभारत जैसे सीरियल टी**वी पर लोकप्रिय हो रहे थे, कुलिश जी के मन में **भी यह भाव उठा कि क्यों** नहीं **भागवत के लीलामय काव्य** पर **धारावाहिक बनाया जाए। बस** गीत **गोविन्द धारावाहिक का विचार मन में** आ **गया। चार साल में जाकर यह काम** पूरा **हुआ। कुलिश जी ने अपने आत्म**कथ्य **धाराप्रवाह में लिखा है– गीत गोविन्द** जैसी **अनूठी कृति का निर्माण करते समय मैंने** यह **सोच लिया था कि यह अनूठा व दुसाध्य कार्य** है। **धारावाहिक कल्पनाओं के अनुरूप बन** गया।

श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश की जन्मशताब्दी पर देखें विशेष पेज@पत्रिकायन

नेताजी चन्दौ करै, साधु भेंट धराय।
दोन्यां को ढब एक छै, बिना कमायौ खाय॥
-कर्पूर चन्द कुलिश की सात सैंकड़ा पुस्तक से

राज्य की विकास योजनाओं पर चर्चा की

झारखंड के राज्यपाल गंगवार ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह से भेंट की

नई दिल्ली. रांची @ पत्रिका. झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भेंट की तथा राज्य की विकास योजनाओं और वर्तमान विधि-व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल ने इस अवसर पर राज भवन, रांची द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' की प्रति केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को भेंट की। यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 की अवधि में राज भवन, झारखंड की विभिन्न गतिविधियों, महत्वपूर्ण आयोजनों और पहलों का संकलन है। इसके प्रधान संपादक राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी हैं। राज्यपाल न केवल जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील हैं, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस पहल करने हेतु निरंतर सक्रिय रहते हैं। उन्होंने राज भवन को आम जनमानस से जोड़ने हेतु कई सार्थक पहल किए हैं। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, संवाद और सहभागिता की स्पष्ट झलक मिलती है।

खरगे ने कर्नाटक में परियोजनाओं को पूरा करने की मांग की

नई दिल्ली @ पत्रिका. कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कर्नाटक में लंबे समय से अधूरी पड़ी सड़क परियोजनाओं को पूरा करने की मांग की। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक सवाल पूछते हुए खरगे ने कहा कि कर्नाटक में गुलबर्गा से बेंगलुरु, सोलापुर से बेंगलुरु और बीदर से बेंगलुरु को जाने वाली चार लेन सड़क परियोजना का काम आगे नहीं बढ़ रहा है।

उन्होंने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और प्रधानमंत्री को लंबित कार्यों की याद दिलाते हुए कई पत्र लिखे हैं। लेकिन पत्रों और व्यक्तिगत मुलाकातों के बावजूद कोई प्रगति नहीं हुई है। खरगे ने उन खबरों का भी जिक्र किया, जिनके अनुसार हर चीज के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से मंजूरी लेनी पड़ती है, चाहे वह फंड हो या राष्ट्रीय राजमार्गों का नंबर। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मंत्री अक्सर कहते रहे हैं कि सड़क निर्माण के लिए पहले जमीन का इंतजाम करो, जबकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि आजकल जमीन आसानी से उपलब्ध नहीं होती है। उन्होंने कहा कि जहां पहले से जमीन उपलब्ध है, वहां तो कम से कम सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

व्यर्थ बहते बारिश के पानी का पांच फीसदी रोकने से एक करोड़ हेक्टेयर जमीन होंगी सिंचित

सिंचाई और पीने के लिए पानी नहीं, बस आंखों में पानी जरूर है: कस्वां

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. राजस्थान के चुरू से कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि 1,200 बिलियन क्यूबिक मीटर बारिश का पानी नदियों के जरिए समुद्र में चला जाता है। अगर इस पानी का 5 फीसदी हिस्सा रोक लिया जाए तो राजस्थान के 1 करोड़ हेक्टेयर जमीन सिंचित हो सकती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पानी न पीने के लिए है, न सिंचाई के लिए, लेकिन इतना जरूर है कि राजस्थान में पानी अब आंखों में आ गया है।

कस्वां ने यह बातें लोकसभा में जल शक्ति मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि आज देशभर में पानी का दोहन किया जा रहा है। राजस्थान का क्षेत्रफल 3 लाख 43 हजार वर्ग किलोमीटर है। देश की 10 फीसदी जमीन अकेले राजस्थान के पास है, लेकिन पानी सिर्फ 1 फीसदी है। राजस्थान में 180 लाख हेक्टेयर जमीन खेती लायक है, लेकिन 50 फीसदी जमीन पर सिंचाई की व्यवस्था नहीं है। हमारा क्षेत्र मरूस्थल वाला रहा है, हमेशा पानी की कमी रही, इस कारण हमारी निर्भरता वर्षा जल संचयन पर रही है।

उन्होंने कहा कि चुरू में खारे पानी की समस्या है। बीकानेर में टीडीएस लेवल ज्यादा है। वहीं नागौर में अकाल की स्थिति बनी रहती है। सीकर, झुंझुनू में भूजल का अति दोहन किया गया है, जबकि गंगानगर में वॉटर सीवेज की बड़ी समस्या है।

आरबीआई के पास नहीं है न्यूनतम राशि नहीं रखने पर जुर्माने वाले खातों की संख्या

10 साल में नेताओं पर ईडी के 193 मुकदमें, दोषसिद्धि सिर्फ 2 में

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले 10 सालों में वर्तमान सांसद, पूर्व सांसदों, विधायकों के साथ स्थानीय प्रशासकों के खिलाफ 193 मामले दर्ज किए हैं। जिसमें से केवल 2 मामलों में ही दोषसिद्धि हुई है। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने यह जानकारी राज्यसभा में केरल से राज्यसभा सांसद एए रहीम के सवाल के लिखित जवाब में दी। उन्होंने बताया कि 1 अप्रेल 2015 से 28 फरवरी 2025 तक वर्तमान सांसद, पूर्व सांसदों, विधायकों, एमएलसी और राजनीतिक नेताओं या किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े किसी भी व्यक्ति के खिलाफ 193 मामले दर्ज किए गए। सबसे अधिक 32 मामले अप्रेल 2022 से मार्च 2023 के बीच दर्ज हुए हैं। इन सभी मामलों में सिर्फ दो में ही दोषसिद्धि हुई है, जबकि अभी तक कोई भी बरी नहीं हुआ है।

ऐसा डेटा नहीं रखा जाता: सांसद रहीम ने हाल के वर्षों में विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी के मामलों में संभावित वृद्धि और इस प्रवृत्ति के औचित्य पर सवाल किया। इस पर मंत्री ने कहा कि ऐसा कोई डेटा नहीं रखा जाता है। ईडी विश्वसनीय साक्ष्य और सामग्री के आधार पर ही जांच के लिए मामले लेता है और राजनीतिक संबद्धता, धर्म या अन्य आधार पर मामलों में अंतर नहीं करता। इसके अलावा, ईडी की कार्रवाई हमेशा न्यायिक समीक्षा के लिए खुली रहती है।

बैंकों के न्यूनतम राशि पर जुर्माने का डेटा नहीं

कांग्रेस के सांसद दिग्विजय सिंह के बैंक खातों में न्यूनतम राशि नहीं होने पर जुर्माने के सवाल के जवाब में केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि रिजर्व बैंक ने खातों में न्यूनतम राशि नहीं होने पर दंडात्मक प्रभार लगाने का निर्देश दे रखा है। आरबीआई ने मंत्रालय को सूचित किया है कि वह उन खातों की संख्या के आंकड़े नहीं रखता है, जिस पर न्यूनतम राशि नहीं होने पर जुर्माना लगाया गया है।

राज्यसभा में बोले उपराष्ट्रपति

फ्री-बीज पर संसद को विचार करने की आवश्यकता: धनखड़

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि प्रलोभन तंत्रों पर, तुष्टिकरण पर, जिसे अक्सर फ्री-बीज के रूप में जाना जाता है। सदन को इस पर विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि देश केवल तभी प्रगति करता है जब पूंजीगत व्यय उपलब्ध हो। धनखड़ ने इस पर राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता पर जोर दिया।

धनखड़ ने यह बातें बुधवार को राज्यसभा में कहीं। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में फ्री-बीज चुनावी प्रलोभन बन गए हैं। चुनाव के बाद सत्ता में आई सरकारों को इन असहज स्थिति का सामना करना पड़ा कि वे अपनी सोच पर पुनर्विचार करना चाहती थीं। इसलिए एक राष्ट्रीय नीति की अत्यंत आवश्यकता है, ताकि सरकार के सभी निवेश किसी भी रूप में एक संरचित तरीके से बड़े हित में उपयोग किए जाएं।

सब्सिडी सीधे दी जाए

धनखड़ ने कहा कि यदि कृषि क्षेत्र जैसी आवश्यकताओं के लिए सब्सिडी की जरूरत है, तो इसे सीधे प्रदान किया जाना चाहिए, और यही विकसित देशों में प्रचलित है। अमेरिका में हमारे देश की तुलना में 20 फीसदी कृषि परिवार हैं, लेकिन वहां औसत कृषि परिवार की आय अमेरिका के सामान्य परिवार की आय से अधिक है। इसका कारण यह है कि वहां किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी सीधी, पारदर्शी और बिना किसी बिचौलिए के दी जाती है।

कई राज्यों में विधायकों के वेतन-भत्ते सांसदों से अधिक

धनखड़ ने कहा कि हमारे संविधान में विधायिका, सांसदों, विधायकों के लिए प्रावधान किया गया था, लेकिन एक समान तंत्र नहीं था। इसलिए कई राज्यों में विधानसभाएं सदस्यों को सांसदों की तुलना में अधिक भत्ते और वेतन देती हैं। यहां तक कि पूर्व विधायकों की पेंशन में भी 1 से 10 तक का अंतर है। यदि एक राज्य में किसी को एक रुपया मिलता है, तो दूसरे राज्य में पेंशन 10 गुना हो सकती है। इसलिए, ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें कानून के माध्यम से हल किया जा सकता है और इससे राजनेताओं, सरकार, कार्यपालिका को लाभ होगा और यह उच्च गुणवत्ता वाले निवेश को भी सुनिश्चित करेगा।

दिल्ली विधानसभा के सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित

दिल्लीवासियों को नई सरकार से बहुत अधिक अपेक्षाएं: बिरला

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि दिल्लीवासियों को नई सरकार से लोगों को बहुत अधिक अपेक्षाएं हैं। दिल्ली के जनप्रतिनिधि दिल्ली की जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं, लेकिन उनके कार्यों पर पूरे देश की नजर रहती है। लोगों की समस्याओं के नए समाधान खोजने और प्रतिस्पर्धी भावना से विचारों और अनुभवों को साझा करने की जरूरत है।

बिरला ने यह बातें दिल्ली विधान सभा परिसर में दिल्ली विधान सभा सदस्यों के लिए लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में कहीं। बिरला ने कहा कि विधायकों को विधान सभा में ऐसे नवाचार प्रस्तुत करने चाहिए, जिससे लोगों की समस्याओं का हल निकले और उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान हो। दिल्ली से निकलने वाले समाधान न केवल दिल्ली के काम आएंगे, बल्कि देश के अन्य राज्यों और विधायी निकायों के लिए भी एक उदाहरण बनेंगे। उन्होंने कहा कि यहां सभी राज्यों से विभिन्न भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के लोग आते हैं। उनकी अलग-अलग आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करना निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। बिरला ने कहा कि सदस्यों को लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करते समय लोकतांत्रिक भावना और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखते हुए सदन के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं का पालन करना चाहिए।

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता; दिल्ली विधान सभा में विपक्ष की नेता आतिशी, विधान सभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी उपस्थित थे।

नहीं होना चाहिए गतिरोध

बिरला ने कहा कि सदन में किसी भी प्रकार का गतिरोध नहीं होना चाहिए तथा असहमति को गरिमापूर्ण ढंग से तथा सार्थक संवाद के माध्यम से व्यक्त किया जाना चाहिए। सदस्यों का सार्वजनिक जीवन में आचरण नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधायकों का आचरण तथा विधान सभा में उनके कार्य तथा चर्चाएं देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाती हैं। जनप्रतिनिधियों को अच्छे श्रोता बनने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि सुनना भी उतना ही जरूरी है जितना अपनी बात कहना।

सदन में मनरेगा को लेकर कांग्रेसी नेता दे रहे भ्रामक बयान

कांग्रेस पार्टी का झूठ सड़क से सदन तक पहुंचा: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. सदन में कांग्रेस के नेताओं द्वारा महत्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के संबंध में भ्रामक बयान देने पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस का झूठ अब सड़क से सदन तक पहुंच गया है। कांग्रेस के लिए अब झूठ ही ऑक्सीजन बन चुका है। लोकतंत्र के इस पवित्र मंदिर में भी वे आधे-अधूरे तथ्यों के साथ भ्रामक बयान देने से नहीं हिचकिचाते। अभी सदन में कांग्रेस के नेताओं ने मनरेगा को लेकर गलत दावे किए, जबकि सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'गरीबी मुक्त गांव' हमारा संकल्प है और मनरेगा इसमें मील का पत्थर साबित हो रही है।

चौहान ने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा) का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है एवं बजट आवंटन में भी वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए बजट आवंटन जहां 11,300 करोड़ रुपए था, वहीं 2013-14 में बढ़कर 33,000 करोड़ हो गया और पिछले 10 वर्षों में इसमें लगातार वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष का 86,000 करोड़ रु. का आवंटन बजट अनुमान चरण में अब तक का सबसे अधिक बजटीय आवंटन है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा के तहत 266 कार्य अनुमत हैं, जिनमें से 150 कार्य कृषि से संबंधित हैं, 58 प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (एनआरएम) से संबंधित हैं और 58 कार्य ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर के हैं। योजना के तहत विभिन्न जल संबंधी कार्य जैसे चेक डैम, खेत तालाब, सामुदायिक तालाब, सिंचाई के खुले कुएं आदि शुरू किए गए हैं।

शिवराज सिंह ने कहा कि समाज के सबसे कमजोर वर्गों के लिए आजीविका के अवसरों में सुधार लाने पर सरकार का ध्यान व्यक्तिगत परिसंपत्तियों के निर्माण में वित्त वर्ष 2013-14 में 17.6% से वित्त वर्ष 2024-25 में 56.99% तक की पर्याप्त वृद्धि में देखा जा सकता है। चौहान ने बताया कि सरकार महात्मा गांधी नरेगा में पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। चालू दशक में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड प्रबंधन प्रणाली और आधार आधारित भुगतान प्रणाली को अपनाने से देश की सबसे बड़ी डीबीटी योजना बन गई है।

सोरेन सरकार के पास नहीं है 19,125 करोड़ का हिसाब: भाजपा

नई दिल्ली. भाजपा ने सीएजी रिपोर्ट को लेकर झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। भाजपा ने सोरेन सरकार से 19 हजार करोड़ से अधिक रुपए का हिसाब मांगा है। पार्टी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तुष्टीकरण को लेकर निशाना भी साधा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि सीएजी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि सोरेन सरकार के पास 19,125.88 करोड़ रुपए का कोई हिसाब नहीं हैं और सरकार ने 5,209 उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किए।

एक तरफ कुछ योजनाओं के लिए बिना उपयोगिता प्रमाण पत्र के राशि जारी कर दी गई और दूसरी तरफ, अन्य कुछ योजनाओं के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी करने के बाद भी राशि जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि कभी स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कान्हू की भूमि कहे जाने वाले झारखंड को सोरेन सरकार औरंगजेब का क्षेत्र बनाने की कोशिश कर रही है।

उम्मेदाराम ने राजकुमार हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग उठाई

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. लोकसभा में शून्यकाल के दौरान बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने गुजरात के गोंडल में हुई राजकुमार जाट की हत्या मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

सांसद बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान के भीलवाड़ा निवासी राजकुमार की 2 मार्च को मंदिर जाते समय कुछ लोगों ने उसकी हत्या कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात पुलिस राजनेताओं के दबाव में निष्पक्ष जांच नहीं कर रही है और पीड़ित परिवार को दबाव में लिया जा रहा है। 16 दिन बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं होने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से इस गंभीर मामले की सीबीआई जांच करवाने की अपील की, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

आरएलपी के अध्यक्ष और सांसद बेनीवाल ने उठाया मामला

रामगढ़ बांध में अतिक्रमण के साथ जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के मुद्दे की संसद में गूंज

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा में जयपुर के रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण और जल जीवन मिशन में हुए भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है, जिसके चलते के केंद्र को दखल देकर कार्रवाई करनी चाहिए। बेनीवाल ने जल शक्ति मंत्रालय की अनुदान मांगों पर बहस में भाग लेते हुए कहा कि जयपुर के रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र का गला घोंटा दिया गया, लेकिन राजस्थान सरकार और जिम्मेदार अफसर आंख मूंद कर बैठे हैं। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद भी रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र में फार्म हाउस, रिसोर्ट, होटल ,अस्पताल व मेडिकल कॉलेज नहीं हटाए जा रहे हैं।

भाजपा सरकार आते ही भूली भ्रष्टाचार का मामला: बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान में जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के मामले में पूर्ववती कांग्रेस सरकार के मंत्री पर ईडी ने छापेमारी की और कई लोगो पर मुदकमे हुए। फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर करोड़ों के टेंडर का मामला सामने आया। भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए यह मामले उठाए लेकिन अब भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

हर खेत को पानी से दूर होगी बेरोजगारी: बेनीवाल ने कहा कि यदि बेरोजगारी दूर करनी है तो प्रत्येक खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की योजना पर सरकार को काम करना चाहिए। आज राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में पेयजल की कमी है

नदियों व नहरों में बढ़ता प्रदूषण चिंताजनक : बेनीवाल ने कहा कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद नदियों में प्रदूषण नहीं रुक रहा है। पंजाब से राजस्थान आने वाली नहरों में अपशिष्ट और फैक्ट्रियों के दूषित जल से नागौर, बीकानेर, हनुमानगढ़ सहित सहित राजस्थान के दर्जन जिलों में हो रहे कैंसर फेल रहा है।

पश्चिमी राजस्थान नहरी परियोजना बने

उन्होंने कहा कि बारिश पर निर्भर नागौर, डीडवाना- कुचामन जिले सहित पश्चिमी राजस्थान के जिलों के लिए पश्चिमी नहरी परियोजना बननी चाहिए।

भीम-यूपीआई के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी

कम मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर नहीं देना होगा कोई शुल्क

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले- भारत के यूपीआई सिस्टम को दुनिया के छह देशों ने अपनाया

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. छोटे व्यापारियों के लिए 2,000 तक के यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। केंद्रीय कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए व्यक्ति से व्यापारी तक कम मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

केंद्रीय रेल, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि भारत के डिजिटल लेन-देन के प्रयोग को दुनिया के कई देश अपना रहे हैं। आज भूटान, श्रीलंका सहित छह देशों में यूपीआई सिस्टम चल रहा है। डिजिटल पेमेंट सिस्टम ने जीने के तरीके को बदल दिया है। आज 210 लाख करोड़ के पेमेंट यूपीआई से हो रहे हैं। इस प्रोसेस में कोई शुल्क न लगे, इसके लिए सरकार ने पहल की है। कम मूल्य वाले ऑनलाइन लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक 1,500 करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय पर लागू किया जाएगा।

लघु व्यापारियों की श्रेणी से संबंधित 2,000 रुपए तक के लेनदेन के लिए प्रति लेनदेन मूल्य पर 0.15 प्रतिशत की दर से प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। योजना की सभी तिमाहियों के लिए, अधिग्रहण करने वाले बैंकों द्वारा स्वीकृत दावा राशि का 80 प्रतिशत बिना किसी शर्त के वितरित किया जाएगा। बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के सहज भुगतान सुविधाओं से आम नागरिकों को लाभ होगा। इसका मकसद, छोटे व्यापारियों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के यूपीआई सेवाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाना है।

तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष सेठिया का स्वागत

नई दिल्ली. शिरोमणि तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष मनसुख लालजी सेठिया और महामंत्री विनोद बेद का दिल्ली पहुंचने पर जैन समाज के लोगों ने स्वागत किया। इस अवसर पर छोटी खाटू के दिल्ली प्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। इस अवसर पर सुपारसमल बेताला गोकुल धारीवाल, गोतम डुंगरवाल, संपत बोथरा, दिलीप धारीवाल, अजीत भदानी, चंदा डूंगरवाल, उर्मिला सेठिया, लक्ष्मीपत सुराणा समेत कई अन्य मौजूद रहे।

अंतरधार्मिक फोरम गठित करने पर चर्चा

2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए जुटे धर्मगुरु

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. देश से बाल विवाह की कुप्रथा के खात्मे के लिए 10 धर्मों व आस्थाओं के 30 प्रमुख धर्मगुरु एक साथ जुटे। इन्होंने 2030 तक देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं का एक रास्तरीय फोरम बनाने की संभावना पर चर्चा की।

इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन (आईसीपी) ने नागरिक समाज संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोग से विभिन्न धर्मगुरुओं की बैठक हुई।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋतु ने कहा कि सभी धर्मों के धर्मगुरुओं का साथ आना बाल विवाह के खात्मे की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम है। बाल विवाह को किसी भी धार्मिक सत्ता का समर्थन नहीं है। यह अपराध है और अनैतिक है।

राम कृष्ण मिशन के स्वामी कृपाकरनंद ने कहा कि बाल विवाह एक शैतानी प्रथा है जो सभ्यता के प्रारंभ से ही है और पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। यह एक ऐसी समस्या है जो हजारों साल से चली आ रही है।

विवाह एक जिम्मेदारी

डाइसिस ऑफ फरीदाबाद के आर्क बिशप मार कुरियाको ने कहा कि विवाह सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। एक बच्चा माता-पिता की जिम्मेदारी का बोझ नहीं उठा सकता। आल इंडिया इमाम आर्गनाइजेशन के सचिव फैजान मुनीर और मदरसे के प्रिंसिपल मुफ्ती असलम ने बाल विवाह के खिलाफ अभियान को हरसंभव सहयोग व समर्थन का वादा करते हुए कहा कि विवाह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और इस्लाम में बाल विवाह की इजाजत नहीं है। यह संदेश देश के हर समुदाय और हर माता-पिता तक पहुंचना चाहिए ताकि वे बाल विवाह को न मंजूरी दें, न कबूल करें और न इसे प्रोत्साहित करें। ओम शांति रिट्रीट की ब्रह्म कुमारी बहन हुसैन ने कहा कि समाज में गहरे तक जड़ें जमाए बैठी इस घृणित प्रथा के खात्मे की लड़ाई में धर्म और आस्था की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

कर्पूर चंद्र कुलिश
जन्म शताब्दी वर्ष

राजस्थान पत्रिका

मन्त्री पद ही परम पद,
सेवा-धर्म सिखाय।
अनुसासन-आचार तो,
वकीर लोगां तांय ॥
कर्पूर चंद्र कुलिश लिखित
पोलमपोल 30.04.98

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद मन के दरवाजे खोलता है।

न्यूज विंडो

लालू यादव से चार घंटे चली पूछताछ

ईडी ऑफिस से लौटते लालू यादव।

पटना@पत्रिका. लैंड फॉर जॉब केस में ईडी ने बुधवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से 4 घंटे पूछताछ की। अधिकारियों ने उनसे कई तीखे सवाल किए। लालू यादव सुबह 11 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे और तीन बजे पूछताछ के बाद लौटे।

मेधा पाटकर की याचिका खारिज

नई दिल्ली@ पत्रिका. दिल्ली की साकेत कोर्ट ने नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता व एक्टिविस्ट मेधा पाटकर की याचिका खारिज कर दी। इसमें उन्होंने दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना के खिलाफ दर्ज मानहानि का मामले साबित करने के लिए अतिरिक्त गवाह पेश करने की मांग की थी।

केंद्र से वार्ता विफल: 13 माह से जारी धरना समाप्त कराया

200 किसान हिरासत में, पुलिस ने उखाड़े तंबू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चंडीगढ़. केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता विफल होने के बाद पंजाब पुलिस ने बुधवार को पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर करीब 13 महीने से जारी किसानों के धरने को जबरन समाप्त कराते हुए उनके तंबू उखाड़ फेंके। किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित अनेक मांगों को लेकर बड़ी संख्या धरने पर बैठे थे। पुलिस ने किसान मजदूर मोर्चा का कार्यालय और किसानों के बनाए गए पक्के मोर्चों को भी तहस-नहस कर दिया और 200 से ज्यादा किसानों को हिरासत में ले लिया। बॉर्डर पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। किसी अप्रत्याशित घटना को रोकने के लिए पंजाब के कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं रोक दी गई हैं। किसानों के साथ बातचीत में केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चर्चा को 'सकारात्मक और रचनात्मक' बताया। हालांकि, बैठक बेनतीजा रही और अगले दौर की वार्ता चार मई को निर्धारित की गई है।

पंजाब पुलिस के डीआइजी हरमिंदर सिंह गिल ने कहा कि अब तक 40 से 50 किसानों ने समर्पण किया है। यदि कोई किसान गिरफ्तारी के लिए कहेगा तो उसे गिरफ्तार किया जाएगा, अगर कोई छोड़ने की मांग करेगा तो छोड़ दिया जाएगा। हमने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। इस दौरान हरियाणा पुलिस भी अपनी ओर से बैरियर हटाने की प्रक्रिया में लगी रही। जैसे ही हरियाणा पुलिस अपना बैरियर हटाएगी, शंभू बॉर्डर को पूरी तरह से साफ कर दिया जाएगा और रास्ता खुल जाएगा। इससे पहले, शंभू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल की तैनाती और दर्जनों एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और बुलडोजर की तैनाती को लेकर किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि हम कहना चाहते हैं कि हमें मारे बिना यहां से मोर्चा खाली नहीं हो सकता है। शेष@पेज10

पंजाब हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बुधवार रात को जेसीबी की मदद से शेड और धरना स्थल से किसानों को हटाते पुलिसकर्मी।

पंधेर और डल्लेवाल को मोहाली में पकड़ा

पंजाब पुलिस ने जिन किसान नेताओं को हिरासत में लिया है उनमें बेमियादी अनशन कर रहे जगजीत सिंह डल्लेवाल शामिल हैं। उन्हें केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक से लौटते समय मोहाली में हिरासत में लिया गया। किसान नेता गुरमनीत सिंह ने कहा कि अभिमन्यु कोहर, काका सिंह कोटरा और मनजीत सिंह को भी हिरासत में लिया गया। पंधेर को जीरकपुर से पटियाला के बहादुरगढ़ कमांडो पुलिस ट्रेनिंग सेंटर ले जाया गया। डल्लेवाल को एम्बुलेंस में जाते समय हिरासत में लिया गया।

विरोध स्थलों पर भारी सुरक्षा तैनाती

पुलिस उप महानिरीक्षक मनदीप सिंह सिद्धू के नेतृत्व में लगभग 3,000 पुलिस कर्मियों को खनौरी सीमा पर तैनात किया गया है, जबकि शंभू सीमा को खाली करने के लिए एक और बड़ी संख्या में सुरक्षा बल भेजे गए हैं। खनौरी में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने और साइट पर खड़ी बसों में ले जाने से पहले खाली करने के लिए दस मिनट का समय दिया गया था।

नस्लीय भेदभाव

गूगल 242 करोड़ रुपए का हर्जाना देने के लिए राजी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कैलिफोर्निया. कर्मचारियों में नस्लीय भेदभाव से जुड़ा एक मुकदमा खत्म करने के लिए गूगल ने 2.8 करोड़ डॉलर (242.43 करोड़ रुपए) का हर्जाना देना मंजूर कर लिया है। गूगल ने समझौते पर पहुंचने की पुष्टि की, लेकिन अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। यह मुकदमा 2021 में गूगल की पूर्व कर्मचारी अना कैंटू ने दायर किया था। इसमें आरोप लगाया गया कि हिस्पैनिक, लैटिनो, नेटिव अमेरिकन और अन्य पृष्ठभूमि के कर्मचारियों को श्वेत और एशियाई मूल के समकक्षों के मुकाबले कम तनख्वाह और निचले पद दिए जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह मुकदमा 15 फरवरी, 2018 से 31 दिसंबर, 2024 के बीच गूगल द्वारा भर्ती किए करीब 6,632 लोगों के लिए दायर किया गया था।

ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा : सुनीता की वापसी पर झूमी दुनिया

फ्लोरिडा. नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर की 286 दिन बाद धरती पर सुरक्षित वापसी के बाद दुनियाभर में खुशी मनाई गई। यात्रियों को 45 दिन के पुनर्वास कार्यक्रम के लिए ह्यूस्टन ले जाया गया। नासा ने कहा कि सभी का मेडिकल टेस्ट किया जा रहा है। यात्रियों की तबीयत ठीक है। इससे पहले धरती पर लौटे यात्रियों को उस समय अप्रत्याशित अनुभव हुआ जब फ्लोरिडा समुद्र पर कैप्सूल के चारों ओर डॉल्फिनों ने चक्कर लगाकर स्वागत किया।

इसरो उठाएगा लाभ

भारत अपने मिशनों में सुनीता की विशेषज्ञता व अनुभवों का लाभ उठाना चाहेगा। उनके समर्पण ने लोगों के लिए प्रेरित किया है।
-वी. नारायणन, इसरो अध्यक्ष

सुप्रीम कोर्ट : नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश, शिकायतों का करेगा समाधान

सरिस्का रिजर्व से एक किमी के दायरे में रुकेगा अवैध खनन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सरिस्का टाइगर रिजर्व के पास अवैध खनन की निगरानी के लिए राजस्थान सरकार को नोडल अधिकारी नियुक्त करने की इजाजत दे दी है। नोडल अधिकारी सरिस्का टाइगर रिजर्व की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर अवैध खनन से जुड़ी शिकायतों की निगरानी करेगा। उस पर अलवर के निवासियों या अन्य संबंधित पक्ष द्वारा दर्ज शिकायतों को निपटाने की जिम्मेदारी होगी। कोई शिकायत अनसुलझी रहती है या शिकायतकर्ता के खिलाफ फैसला किया जाता है तो संबंधित पक्ष राजस्थान हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर कर सकता है।

जस्टिस गवई और जस्टिस मसीह

जस्टिस बी.आर. गवई और ऑगस्टीन मसीह की पीठ ने सरिस्का टाइगर रिजर्व के एक किलोमीटर के दायरे में अवैध खनन से संबंधित याचिका पर बुधवार को सुनवाई की। शेष @पेज10

याचिका में आरोप

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि सरिस्का रिजर्व के एक किलोमीटर के भीतर क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) में अवैध खनन जारी है, जो कोर्ट के 15 मई, 2024 व 21 अगस्त, 2024 के आदेशों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि अदालत के प्रतिबंधों के बावजूद खनन स्थलों पर मशीनरी, उपकरण व श्रमिक शिविर मौजूद हैं। रात में हाई-फोकस लाइट और हैलोजन का इस्तेमाल कर खनन जारी है।

सरकार का पक्ष

राजस्थान सरकार ने जवाबी हलफनामे में आरोपों को खारिज कर दिया। सरकार ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित क्षेत्र में खनन गतिविधियां बंद हैं। खनन, वन व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम की ओर से नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। सरकार ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण अब तक किसी खनन पट्टे को रद्द नहीं किया गया है।

राजस्थान पत्रिका
बिटिया @work

बिटिया आज संभालेगी जिम्मेदारी वाली कुर्सी

पत्रिका संग साझा करें फोटो और अनुभव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राजस्थान पत्रिका समूह के संस्थापक श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश की जन्मशती के अवसर पर गुरुवार को 'बिटिया@वर्क' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बेटे-बेटियों के बीच का भेद खत्म करना है। आप आज अपनी लाडली को अपने साथ दफ्तर लेकर आएं। अपने कार्यालय, पेशे, व्यवसाय, कामकाज से जुड़े कामकाज से उसको रूबरू करवाएं। बिटिया को मौका दें अपनी कुर्सी पर बैठने का ताकि वे आपके काम से जुड़ी चुनौतियों को समझ सके और भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो सके। आपका यह प्रयास उसके सपनों की उड़ान को पंख लगाने में मददगार हो सकता है। सरकारी, गैर सरकारी और निजी क्षेत्रों से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के लिए यह खास अवसर है। इस सुखद अनुभूति को आप पत्रिका के साथ 23 मार्च तक शेयर भी करें। बेटी के साथ आपकी फोटो और अनुभव हमें वाट्सऐप नम्बर 9829231348 या ईमेल shadaab.ahmad@epatrika.com पर साझा करें। हम इन्हें पत्रिका के मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म पर स्थान देंगे।

नागपुर हिंसा : 19 लोगों को पुलिस हिरासत में भेजा

मास्टरमाइंड फहीम गिरफ्तार, चुनाव में हारा था गडकरी से

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नागपुर. महाराष्ट्र के नागपुर में सोमवार को भड़की हिंसा के मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर लोगों को हिंसा के लिए भड़काने का आरोप है। पुलिस ने फहीम सहित 51 लोगों के अलावा 500-600 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से 19 को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 21 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। शहर में हालात नियंत्रण में हैं। संवेदनशील इलाकों में कर्फ्यू जारी है। पुलिस ने बताया कि अब तक 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआइआर में दावा किया गया कि हिंसा भड़काने वाला फहीम माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी, नागपुर का अध्यक्ष है। उसने हिंसा से कुछ समय पहले भड़काऊ भाषण दिया था। इससे लोग सड़कों पर उतर गए। फहीम ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। उसे मात्र 1073 वोट मिले थे। वह 6.5 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हारा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में दो हजार से अधिक सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

नागपुर में प्रदर्शन के दौरान धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में वीएचपी और बजरंग दल के 8 कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

महिला पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ने के प्रयास

एफआइआर में खुलासा किया गया कि हिंसा के दौरान पुराने शहर में एक उपद्रवी ने ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ने की कोशिश की और कथित रूप से अनुचित तरीके से छुआ। उपद्रवियों ने महिला पुलिसकर्मियों सहित अन्य महिलाओं की ओर अश्लील इशारे किए। एफआइआर में कहा गया कि उपद्रवियों ने पेट्रोल बम भी फेंके।

रंगारंग गेर: इंदौर रंगों से सराबोर, टैंकरों से रंग की बौछार हुई तो तोपों से उड़ाया गुलाल

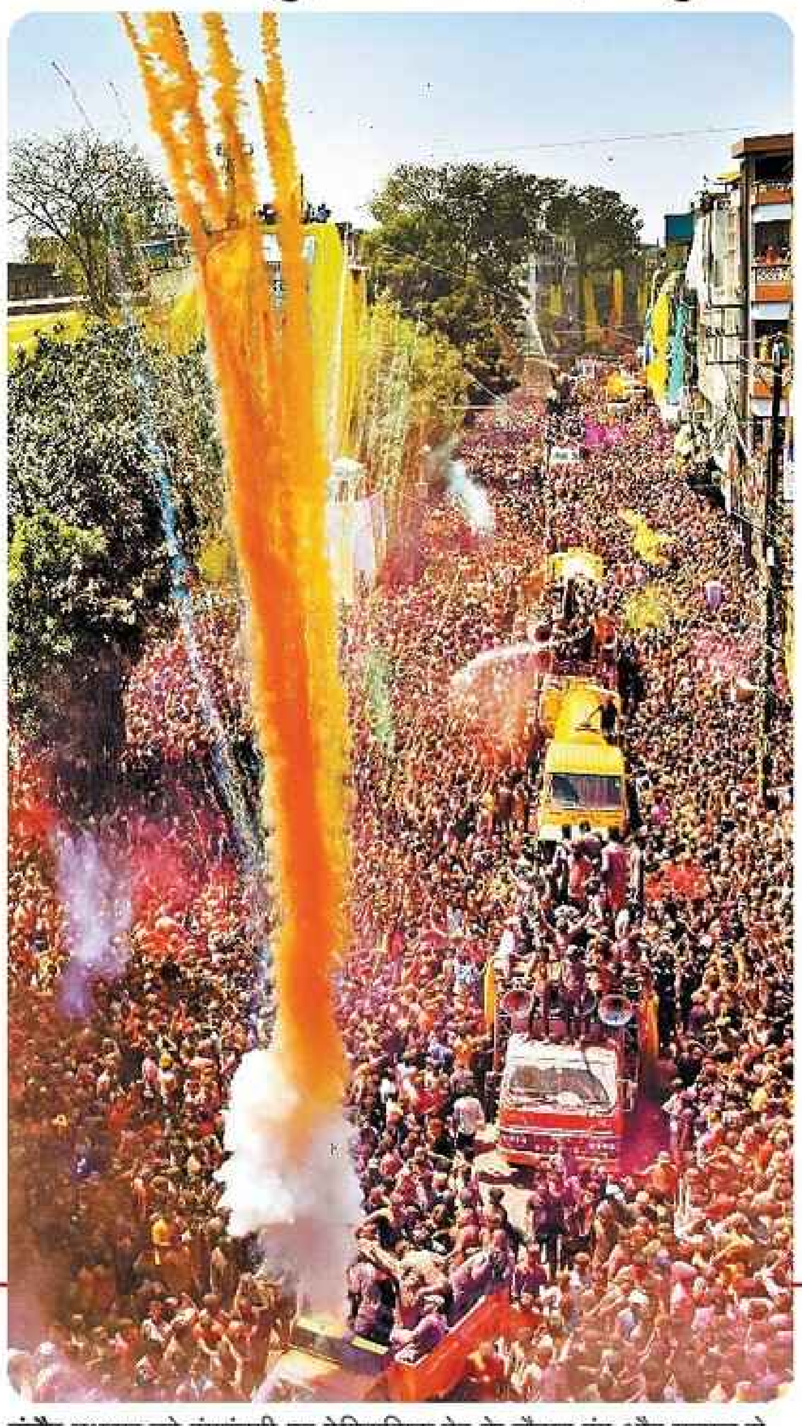

इंदौर बुधवार को रंगपंचमी पर ऐतिहासिक गेर के दौरान रंग और गुलाल से सराबोर हो गया। हजारों लोगों ने गेर में हिस्सा लिया। टैंकरों से रंगों की बौछार की तो तोपों से गुलाल उड़ाया। गेर के दौरान राजवाड़ा में उमड़े लोग।

बदलाव: नए पाठ्यक्रम

अब बिट्स पिलानी के छात्रों को मिल सकेगी दोहरी डिग्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पिलानी. बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को ध्यान में रखते हुए बिट्स पिलानी ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में बदलाव किया है। अब संस्थान सेमीकंडक्टर और नैनोसाइंस में एमएससी तथा पर्यावरण और संधारणीयता इंजीनियरिंग (एनवायरनमेंटल एंड सस्टेनेबिलिटी इंजीनियरिंग) में बी.ई. की पढ़ाई कराएगा। इसके साथ ही 2+2 अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक कार्यक्रम भी शुरु किया है। इससे विद्यार्थियों को दोहरी डिग्री मिलेगी।

इस कार्यक्रम के तहत बिट्स पिलानी ने दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की है। इनमें आरएमआइटी यूनिवर्सिटी (ऑस्ट्रेलिया), एसयूएनवाई बफेलो (यूएसए), आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसए) व रेंससेलर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट (यूएसए) जैसे विश्वविद्यालय शामिल हैं।

रहें अलर्ट... पराबैंगनी किरणें अधिक प्रभावी होंगी, त्वचा पर पड़ सकता है असर

आज दिन-रात बराबर, अब दिन होंगे बड़े, सूरज की तपिश बढ़ेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उज्जैन. आज दिन और रात बराबर होंगे। खगोलीय घटनाक्रम के कारण इस साल 20 मार्च को 12 घंटे के दिन और 12 घंटे की रात होगी। इसके बाद धीरे-धीरे दिन बड़े होंगे और रातें छोटी होने लगेंगी। सूर्य की किरणों के लंबवत पड़ने के कारण तापमान भी बढ़ेगा। तेज धूप के कारण पराबैंगनी किरणें अधिक प्रभावी हो सकती हैं। इससे त्वचा पर असर पड़ने की आशंका है।

जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त की मानें तो 20 मार्च को सूर्य विषुवत रेखा पर लंबवत होगा। इसे वसंत संपात कहते हैं। इस दिन दोपहर 3.30 बजे सूर्य मेष राशि में प्रवेश करेगा और उसकी स्थिति (क्रांति) शून्य अंश, 11 कला उत्तर रहेगी।

शंकु और नाड़ीवलय यंत्र से दिखेगी खगोलीय घटना... डॉ. गुप्त ने बताया कि इस खगोलीय घटना को वेधशाला के शंकु यंत्र और नाड़ीवलय यंत्र के जरिए देखा जा सकेगा। गुरुवार को शंकु यंत्र की छाया पूरे दिन सीधी विषुवत रेखा पर चलेगी। 20 मार्च से पहले नाड़ीवलय यंत्र के दक्षिणी गोल भाग 24 सितंबर से 19 मार्च पर धूप रहती थी। 20 मार्च को नाड़ीवलय यंत्र के उत्तरी और दक्षिणी दोनों गोल भागों पर धूप नहीं होगी। 21 मार्च से 22 सितंबर तक धूप उत्तरी गोल भाग पर दिखाई देगी। सूर्य के इस गोलार्ध परिवर्तन को नाड़ीवलय यंत्र के जरिए प्रत्यक्ष देखा जा सकता है।

बढ़ेगी गर्मी

वसंत संपात के बाद तापमान में लगातार वृद्धि होगी। सूर्य किरणें ज्यादा देर तक धरती पर पड़ने से गर्मी बढ़ती जाएगी। गर्मियों का सबसे बड़ा दिन 21 जून ऐसी स्थिति रहेगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च अंत तक दिन का तापमान 35 डिग्री तक पहुंच सकता है, अप्रेल-मई में यह 40 डिग्री के पार जा सकता है।

ट्रेंडिंग न्यूज

जम्मू-कश्मीर

घुसपैठ के मामले में 10 जगह छापे

श्रीनगर@पत्रिका. एनआइए ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के भटिंडी में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई पाकिस्तान से भारत में आतंकियों की घुसपैठ के मामले में की गई। ठिकाने आतंकियों व मददगारों के बताए जाते हैं।

फैमिली कोर्ट

चहल-धनश्री के तलाक पर फैसला आज

मुंबई@पत्रिका. बॉम्बे हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा की तलाक याचिका पर 20 मार्च तक फैसला करने का निर्देश दिया है। दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं। उन्होंने 5 फरवरी को फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी। विस्तृत@स्पोर्ट्स&गेमिंग

ग्रीक में आज मतदान | **विशिष्ट क्लब में नेता, राजघराने और ऑस्कर विजेता अभिनेत्री शामिल**

सबसे प्रभावशाली 109 हस्तियां चुनेंगी आइओसी प्रमुख

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

एथेंस. खेलों के सबसे शक्तिशाली संगठन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) का नया अध्यक्ष चुनने के लिए दुनिया के सबसे प्रभावशाली 100 से ज्यादा लोग गुरुवार को दक्षिण-पश्चिमी ग्रीक के एक लग्जरी रिसोर्ट में जुटेंगे। आइओसी के विशिष्ट क्लब के 109 मतदाताओं में कतर के अमीर समेत शाही परिवार के सदस्य, पूर्व सांसद, राजनयिक, अरबपति, व्यापारिक नेता, वर्तमान और पूर्व ओलंपिक एथलीट तथा ऑस्कर विजेता अभिनेत्री मिशेल योह शामिल हैं। इस क्लब में भारत की नुमाइंदगी रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी कर रही हैं।

अध्यक्ष पद के सात दावेदारों में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए (ब्रिटेन), आइओसी कार्यकारी बोर्ड की सदस्य क्रिस्टी कॉवेंट्री (जिम्बाब्वे) शामिल हैं। शेष@पेज10

सात दावेदारों में क्रिस्टी कॉवेंट्री मौजूदा अध्यक्ष बाख की पहली पसंद

क्रिस्टी कोवेंट्री, सेबेस्टियन कोए और समारांच जूनियर

क्रिस्टी को कोए-समारांच से कड़ी चुनौती

आइओसी का नया अध्यक्ष थॉमस बाख की जगह लेगा, जिनका कार्यकाल 23 जून को खत्म हो रहा है। क्रिस्टी कोवेंट्री को बाख की पहली पसंद माना जा रहा है, लेकिन कोए और समारांच जूनियर उन्हें कड़ी चुनौती दे सकते हैं। अध्यक्ष का चुनाव क्लब के 109 सदस्य गुप्त मतदान के जरिए करते हैं। अध्यक्ष का कार्यकाल आठ साल का होता है, जिसे एक बार चार साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है।

...तो पहली बार कमान संभालेगी महिला

क्रिस्टी कॉवेंट्री अध्यक्ष की दौड़ में एकमात्र महिला हैं। अगर वह जीतीं तो आइओसी के 131 साल के इतिहास में पहली महिला और पहली अफ्रीकी अध्यक्ष होंगी। क्रिस्टी से जब पूछा गया कि क्या बाख उनके लिए प्रचार कर रहे हैं तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता वह ऐसा कर रहे हैं। हालांकि 2013 से मेरे उनके साथ अच्छे संबंध हैं।

नंदन नीलेकणि बोले, भविष्य में हर घर ऊर्जा का उत्पादक, विक्रेता-क्रेता होगा

'देश में अब ऊर्जा होगी अगला यूपीआइ... भारतीय परिवार बिजली पैदा करेंगे और बेचेंगे'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. आइटी कंपनी इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने कहा, ऊर्जा भविष्य का यूपीआइ है। लाखों छोटे उत्पादक यूपीआइ ट्रांजैक्शन की तर्ज पर बिजली खरीदेंगे और बेचेंगे। भविष्य में भारतीय घरों में न केवल बिजली की खपत होगी, बल्कि उसका उत्पादन और व्यापार भी होगा। हर घर ऊर्जा उत्पादक होगा, क्योंकि उनके छत पर सौर ऊर्जा होगी, हर घर एनर्जी स्टोरर होगा क्योंकि उनके पास ईवी बैटरी होगी। यानी हर घर ऊर्जा का उत्पादक, विक्रेता और क्रेता होगा। उन्होंने कहा कि यह व्यापार ग्रिड के साथ नहीं हो सकता है, पर बिजली की खरीद-बिक्री पड़ोसी के साथ हो सकती है। शेष@पेज10

लाखों ऊर्जा उद्यमी तैयार होंगे

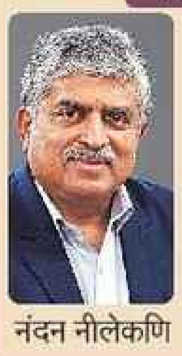

नंदन नीलेकणि

नीलेकणि का मानना है कि छतों पर सौर ऊर्जा और ईवी बैटरियों के प्रचलित होने से ऊर्जा लेनदेन डिजिटल भुगतान की तरह ही निर्बाध, पीअर-टू-पीअर बाजार में परिवर्तित हो जाएगा। उन्होंने कहा, रूफटॉप सोलर से लाखों ऊर्जा उद्यमी तैयार होंगे, जो छोटी मात्रा में ऊर्जा का उत्पादन करने और उसे एक-दूसरे को बेचने में निवेश करेंगे। यह ऊर्जा परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आकार दे सकता है।

महिला सुरक्षा

महिला सुरक्षा के उपयोगी टिप्स, कानूनी अधिकार और हेल्पलाइन की जानकारी पढ़ें...

डिजिटल गाइड

क्यूआर कोड स्कैन करें।

देशभर में पहचान बना रहे हैं इनके उत्पाद

बेकार समझे जाने वाले फूलों को बनाया आकर्षक

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

बेकार माने जाने वाले जंगली फूलों का उपयोग कर लाखों का कारोबार कर रही हैं इम्फाल के तेरा लुकराम लीराक गांव की खुंदकपम रानी। 27 वर्षीय खुंदकपम ने परिवार के विरोध के बावजूद जंगली फूलों का व्यवसाय शुरू किया और सफलता पाई। वह कहती हैं कि बचपन से ही वनस्पतियों में रुचि थी। वह अक्सर जंगली फूलों को देखती थी, जिनकी सुन्दरता उन्हें आकर्षित करती, लेकिन लोग उन्हें बेकार समझते थे। वनस्पतियों में रुचि के कारण मैंने बॉटनी की पढ़ाई की ताकि अधिक जानकारी एकत्रित कर सकूं। कोरोना काल में अधिकांश समय सोशल मीडिया पर खर्च करने के बाद एक दिन मुझे लगा कि क्यों न मैं इन जंगली फूलों का उपयोग करूं। लेकिन मेरी मां, जिसने मुझे फूलों से प्यार करना सिखाया, उन्होंने ही मेरा विरोध किया। सभी को संशय था कि इन फूलों का क्या उपयोग हो सकता है। लेकिन मैंने शुरुआत की और आज हर माह 2 लाख रुपए की कमाई कर रही हूं। हालांकि मैंने चार सालों में काफी उतार-चढ़ाव देखें।

कैसे बनाती हैं उपयोगी

खुंदकपम, पहाड़ियों से अनाफालिस, एंड्रोपोगोन, फ्लेमिंगो सेलोसिया, पम्पास आदि के फूलों को एकत्रित करती हैं। इसके बाद फूलों को दो सप्ताह तक प्राकृतिक रूप से सुखाती हैं। फिर फूलों को मनचाही लम्बाई में काटकर तनों को एक रबर बैंड से बांधती हैं। फिर उन्हें अंधेरे, सूखे और अच्छे हवादार कमरे में उल्टा लटका देती हैं। फूलों की संरचना और रंग को संरक्षित करने के लिए सूखाने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। इससे वे कई वर्षों तक सुंदर रहते हैं। इसके बाद ग्राहकों की पसंद के आधार पर इन पर कलर किया जाता है।

बाजार बना चुनौती

वह कहती हैं कि मेरे लिए बाजार एक बड़ी चुनौती था। इन फूलों को कोई स्वीकार करना नहीं चाहता था। मैंने सबसे पहले फ्लेमिंगो सेलोसिया नामक फूल का एक सुंदर गुलदस्ता बनाया और ऑनलाइन पेश किया। लोगों को यह काफी पसंद आया और उन्होंने इसमें दिलचस्पी दिखाई। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। अब उनके उत्पाद दिल्ली, नागालैंड, मेघालय और आंध्र प्रदेश सहित पूरे भारत में पहचान बना रहे हैं।

वर्ल्ड ओरल हैल्थ डे आज

ब्रशिंग भी दांतों को करती है प्रभावित

सामान्य रूप से देखा जाता है कि ओरल हैल्थ की बात को लोग दांतों की सफाई से जोड़ लेते हैं। ब्रश करने की ओर ही ध्यान देते हैं, लेकिन गलत तरीके से की गई ब्रशिंग से भी दांतों को नुकसान पहुंच सकता है और दांत कमजोर हो सकते हैं। इसके लिए हल्के हाथों से ब्रश को दांतों पर गोलाई में घुमाते हुए सफाई करें। साथ ही कोई भी ब्रश 3-4 महीने से ज्यादा उपयोग में नहीं लेना चाहिए। जानते हैं ब्रशिंग से जुड़ी अहम बातें...

डॉ. अर्चना सैनी
डेंटल सर्जन
patrika.com

- कई बार लोग दांतों को जोर-जोर से रगड़ कर ब्रश करते हैं, लेकिन इससे आप अपने दांतों की मजबूत परत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जोर से रगड़ने पर दांतों का इनेमल पतला हो जाता है, जिससे दांत कमजोर हो जाते हैं।
- हर बार खाने के बाद ब्रश करना संभव नहीं है। इसलिए बड़े हो या बच्चे सभी को कुछ भी खाने के बाद कुल्ला करना चाहिए। इससे दांतों में कैविटी नहीं लगती है।
- दांत दर्द से तुरंत छुटकारा पाने के लिए गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करने से आराम मिलता है।
- नियमित रूप से रात को ब्रश करने से दांतों की समस्या से 40 फीसदी छुटकारा पाया जा सकता है। अधिकांश लोग रात में ब्रश करके नहीं सोते। इसके कारण उनके दांतों में जमा खाना गल जाता है। इससे एसिड बनता है, जो कि दांतों की परत और मसूड़ों को नुकसान पहुंचाता है।
- जो माताएं अपने बच्चों को ब्रेस्ट फीडिंग करवाती हैं, उन्हें हर फीडिंग के बाद बच्चे का मुंह नरम कपड़े से साफ करना चाहिए। इससे उनके मुंह में कीटाणुओं का खतरा कम हो जाता है।

- 40 वर्ष की उम्र के बाद सभी को दांतों की प्रतिवर्ष स्केलिंग करवानी चाहिए। इससे दांतों पर जमा प्लॉक की परत हट जाती है और पायरिया का खतरा कम हो जाता है।

बिजनेस माइंड

सफलता से दिया लोगों के तानों का जवाब

बचपन में लोगों के तानों का सामना करने वाली पटना की हिमानी मिश्रा आज देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी अपनी पहचान रखती हैं। उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग के जरिए क्रांतिकारी प्रयोग किया। हिमानी का कहना है कि हम तीन बहनें हैं, लोग ताना देते थे कि लड़कियां है, क्या करेंगी पढ़-लिखकर। लेकिन उन्होंने लोगों को जवाब देने के बजाए काम पर ध्यान दिया। उन्होंने आइआइटी कलकत्ता से पढ़ाई करने के बाद अपना बिजनेस शुरू किया। वह डिजिटल मार्केटिंग को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना चाहती थीं। 12लोगों से शुरू हुई उनकी टीम में अब 36 लोग जुड़ चुके हैं। 2018 में उन्हें डिजिटल बिजनेस वुमन अवॉर्ड भी मिल चुका है।

किचन में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सोल्यूशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वॉट्सऐप नंबर **9057531584** पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज़

हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

पुलिस चौकी के सामने हो रहा बसों का ठहराव

बस स्टैंड निर्माण के बाद से नहीं आई रोडवेज बस, जर्जर हो रहा प्रतीक्षालय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भादाजून. कस्बे में जर्जर अवस्था में रोडवेज बस स्टैंड। पत्रिका

भादाजून. कस्बे में कई वर्षों पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने ग्राम पंचायत भादाजून की ओर से रोडवेज बसों के व्यवस्थित रूप से संचालन व ठहराव के लिए बस स्टैण्ड का निर्माण किया गया था। जिसमें सुविधा के लिए कमरे बनाए गए थे।

यात्रियों के लिए शौचालय का निर्माण भी करवाया गया था। ग्राम पंचायत ने बसों के आवागमन के लिए उपयुक्त भूमि का आवंटन कर भवन निर्माण किया था। लेकिन वर्तमान में यह बस स्टैण्ड बदहाली पर आंसू बहा रहा है। निर्माण के बाद रोडवेज द्वारा इस बस स्टैण्ड से एक बार भी बसों का संचालन नहीं किया गया। नतीजन भवन अब खण्डहर हो चुका है। परिसर में बबूल की झाड़ियां उग चुकी हैं।

प्रतिदिन दर्जनों बसों का संचालन : कस्बे से प्रतिदिन दर्जनों रोडवेज व निजी बसों का जालोर, जोधपुर, सांचौर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, सीकर, मुम्बई, पुणे, अहमदाबाद सहित स्थानों के लिए संचालन होता है। यहां ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व में ही रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण करवाया गया था, लेकिन रोडवेज की बसों का संचालन इस बस स्टैंड से आज तक शुरू नहीं किया गया। भादाजून गांव में रोडवेज बसों के बंद होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धूप में करते हैं बसों का इंतजार

भादाजून ढाणी स्थित पुलिस चौकी के सामने जालोर-जोधपुर मार्ग पर राजस्थान रोडवेज और निजी बसों का अस्थाई ठहराव कई वर्षों से हो रहा है। इस राजमार्ग पर हमेशा अन्य वाहनों की लाइनें लगी रहती हैं। ठहराव स्थल पर यात्रियों के गर्मी में बैठने, पेयजल व महिला शौचालय की भी कोई व्यवस्था नहीं है। यात्री तेज धूप में खड़े रहकर बसों की प्रतीक्षा करने को मजबूर है। जालोर से रवाना होने वाली रोडवेज व निजी बसें 50 किलोमीटर सफर तय करने के बाद भादाजून ढाणी में दस- पन्द्रह मिनिट तक रुकती हैं। जहां असुविधा के कारण बस में सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ती है। बसों के मुख्य मार्ग पर रुकने के कारण आमजन को आने-जाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सभी बसों के भादाजून पुलिस चौकी के सामने मुख्य मार्ग पर रुकने के कारण यहां पर अत्यधिक भीड़-भाड़ रहती है, जिससे दूसरे वाहनों तथा राहगीरों के साथ दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

बस स्टैण्ड की मरम्मत करवाएंगे

ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व में यात्रियों की सुविधा के लिए रोडवेज बस स्टैण्ड का निर्माण करवाया गया था। जिसमें सुविधा के लिए कमरे व शौचालय का भी निर्माण हुआ था। बसों का बस स्टैण्ड से संचालन एक बार भी नहीं हुआ। वहीं अगर रोडवेज द्वारा बसों का संचालन किया जाए तो इसके लिए वापस मरम्मत कार्य के लिए प्रस्ताव लेकर बस स्टैंड की मरम्मत करवाएंगे। आगामी गर्मी की ऋतु को देखते हुए आवश्यकता होने पर पुलिस चौकी के सामने छाया व पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। -**निर्मल बामणिया, ग्राम विकास अधिकारी**

हर दिन 230 एमएलडी सीवरेज पानी जोजरी नदी में होता प्रवाहित

पुराने बंद, नए अधूरे पड़े... 55 एमएलडी सीवरेज पानी शोधन की योजना तक नहीं

नांदड़ी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में बंद पड़ी मशीनें।

जोधपुर @ पत्रिका. केमिकल वाले पानी से जोजरी नदी के आस-पास के गांवों में हो रही परेशानी व उनकी पीड़ा जगजाहिर है, लेकिन इस पीड़ा को बढ़ाने का काम शहरी सीवरेज पानी भी कर रहा है। जो सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित है, वह ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। जो नए बनने हैं, उनके काम इस हद तक धीमे हैं कि उनको कई सालों का समय लग जाएगा। ऐसे में शहर से निकलने वाला 230 एमएलडी का पानी जोजरी नदी में प्रवाहित होकर सैंकड़ों किलोमीटर तक लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है।

जोजरी में बिना ट्रीट हुए ही सीधा जहर: पीएचईडी विभाग के आंकड़ों की मानें तो शहर में 300 एमएलडी पानी की सप्लाई होती है। इसमें से 230 एमएलडी पानी सीवरेज के पानी के रूप में निकलता है। 120 एमएलडी पानी को ट्रीट करने के लिए, तीन प्लांट बने हुए हैं। लेकिन वह भी सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। उनको भी अपग्रेड करने के लिए बजट मिला हुआ है।

जोजरी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कम्प्लाइंस रिपोर्ट हमें सब्मिट करनी है। नगर निगम व जेडीए को पत्र लिखा था तो उनकी ओर से जो प्रयास किए जा रहे हैं, उससे अवगत करवाया है। **- कामिनी सोनगरा,** क्षेत्रीय अधिकारी, आरपीसीबी

हरी सब्जी में छुपा कर रखे शराब के 71 कार्टन जब्त

पाली. शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने गश्त के दौरान कुशालपुरा से लिलाम्बा की ओर जा रही एक संदिग्ध पिकअप को रोकने का प्रयास किया। वाहन चालक ने गाड़ी को तेज गति से भगाना शुरू कर दिया। पुलिस ने वाहन का पीछा किया और घेराबंदी कर गाड़ी को रोका। वाहन में हरी सब्जियों के नीचे अंग्रेजी शराब के 71 कार्टन छुपा कर रखे पाए गए। पुलिस ने पिकअप जब्त कर अवैध शराब परिवहन करते दो आरोपी नरसीराम निवासी सुदवाड़, नागौर और विष्णु गुर्जर, निवासी ब्यावर को गिरफ्तार किया है।

रियायती दरों पर बुकिंग का अंतिम दिन कल

अरोड़ा, खत्री-पंजाबी एवं सिख समाज का वैवाहिक विशेषांक 23 को

जयपुर @ पत्रिका. विवाह योग्य युवक-युवतियों का बायोडेटा देश के लाखों परिवारों तक पहुंचाने तथा पाठकों को नवीन डेटाबेस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पत्रिका समूह की ओर से समाज आधारित वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 23 मार्च को पत्रिका के राजस्थान के सभी संस्करणों के साथ ही भोपाल, इंदौर व रायपुर संस्करण में अरोड़ा, खत्री-पंजाबी एवं सिख समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जाएगा। इस विशेषांक में विज्ञापन बुकिंग के लिए पूरा नाम, शहर का नाम और कॉन्टैक्ट नंबर, वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज दें। पत्रिका टीम अति शीघ्र आपसे फोन पर संपर्क करेगी। रियायती दरों पर विज्ञापन की बुकिंग 21 मार्च की शाम 5 बजे तक ही की जाएगी। इस विशेषांक के लिए जयपुर सिख समाज से केजीबीजी, पंजाबी समाज विकास संस्था जयपुर, पंजाबी समाज वैवाहिक रिश्ते जयपुर, पंजाबी समाज समिति-कोटा, बीकानेर पंजाबी महासभा, खत्री सेवा समिति श्रीगंगानगर व कान्हा पंजाबी वर-वधू मिलान, उज्जैन सहित सिख-पंजाबी समाज के कई संगठन जुड़ चुके हैं। आप देश के किसी भी हिस्से में अरोड़ा, खत्री, पंजाबी अथवा सिख समाज के संगठन से जुड़े हैं एवं इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में 26 मार्च, 16 अप्रेल, 25 जून, 9 जुलाई, 22 अक्टूबर, 5 नवम्बर और गत वर्ष 3 व 17 मार्च, 16 व 30 जून और 1 व 15 सितंबर, 24 नवंबर और 8 दिसंबर को उक्त संस्करणों में अरोड़ा, खत्री-पंजाबी एवं सिख समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा चुका है।

रामनवमी पर निकलेगी शोभायात्रा

डीडवाना @ पत्रिका. शहर में रामनवमी भव्य रूप में मनाई जाएगी। इस मौके पर शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर युवा शक्ति, मातृशक्ति तथा प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। रामनवमी महोत्सव समिति का गठन कर महोत्सव की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। संतों का मंगल सानिध्य भी शोभायात्रा में मिलेगा। संरक्षक की जिम्मेदारी रामावतार सराफ, गिरधारी बुगालिया, डॉ. सोहन चौधरी, मदनलाल को सौंपी गई। संयोजक की जिम्मेदारी अजीतसिंह राठौड़, सह संयोजक राजेश कुम्पावत, भुवनेश शर्मा, पंकज तुनवाल, मनरूप पलसानिया, गुमानाराम मेघवाल को सौंपी गई।

वीर तेजा गौशाला में भागवत कथा शुरू

बेसरोली. वीर तेजा गौशाला में मंगलवार को भागवत कथा शुरू हुई। धार्मिक आयोजन की शुरुआत सुबह कलश यात्रा से हुई। यात्रा पंचमुखी हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर गांव के प्रमुख मार्गो से होकर चारभुजा मंदिर होते हुए गौशाला पहुंची। दोपहर में भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। पंडित अशोक महाराज ने श्रद्धालुओं को पहले दिन भागवत कथा का महत्व बताया।

स्वीकृति का इंतजार, डंपिंग यार्ड के अभाव में स्लरी इधर-उधर फेंकने को मजबूर

स्लरी निस्तारण के लिए नहीं डंपिंग यार्ड

आबूरोड @ पत्रिका. सिरोही जिले में सबसे अधिक मार्बल व ग्रेनाइट इकाइयों वाले आबूरोड रीको औद्योगिक क्षेत्र के दोनों ग्रोथ सेंटर में मार्बल व ग्रेनाइट प्रोसेसिंग के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट (स्लरी) के निस्तारण के लिए अभी तक डंपिंग यार्ड की सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। ऐसे में सुरक्षित स्थान पर स्लरी निस्तारण में उद्यमियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय उद्योग संगठन डंपिंग यार्ड स्थापित करने की राज्य सरकार से लगातार मांग कर रहे हैं।

इधर-उधर स्लरी निस्तारण को विवश

औद्योगिक क्षेत्र में अधिकांश मार्बल व ग्रेनाइट की इकाइयां अंबाजी व मावल ग्रोथ सेंटर-प्रथम तथा द्वितीय में स्थित है। जिनमें पत्थरों की प्रोसेसिंग के काम के दौरान बड़ी मात्रा में स्लरी निकलती है। अंबाजी औद्योगिक क्षेत्र में छोटे डंपिंग यार्ड के बावजूद स्लरी निस्तारण में किसी तरह काम चलाया जा रहा है। ग्रोथ सेंटर-प्रथम व द्वितीय में तो विकसित होने के समय से ही डंपिंग यार्ड की सुविधा नहीं है। इकाई मालिकों को इधर-उधर स्लरी डालने को मजबूर होना पड़ रहा है। इसके कारण कई बार उन्हें प्रदूषण नियंत्रण विभाग की कार्रवाई का भी सामना करना पड़ता है।

आबूरोड. मार्बल ग्रोथ सेंटर स्थित ग्रेनाइट इकाई।

इनका कहना है

रीको ग्रोथ सेंटर प्रथम व द्वितीय में स्लरी निस्तारण के लिए डंपिंग यार्ड नहीं है। हम लगातार जमीन आवंटन की मांग कर रहे हैं। स्थानीय रीको प्रशासन ने दोनों ग्रोथ सेंटर में डंपिंग यार्ड के लिए जमीन आवंटन का प्रस्ताव जयपुर मुख्यालय भिजवाया है।
- भगवान अग्रवाल, अध्यक्ष, आबू मार्बल एसोसिएशन

उद्योग राज्यमंत्री केके विश्नोई से ग्रोथ सेंटर में डंपिंग यार्ड सुविधा के लिए आग्रह किया था। जिला स्तर पर आयोजित डीआरएम बैठक में भी इस मुद्दे को उठाया था।
प्रहलादराम चौधरी, सचिव, आबू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

शामिल होंगे अमरसागर-किशनघाट गांव

जैसलमेर नगरपरिषद का विस्तार

जैसलमेर @ पत्रिका. स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जैसलमेर नगरपरिषद क्षेत्र के विस्तार की बड़ी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने अमरसागर और किशनघाट गांवों को नगरपरिषद क्षेत्र में शामिल करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही इन गांवों के मतदाता आगामी नगरपरिषद चुनावों में मतदान कर सकेंगे। प्रशासन ने पहले बड़ा बाग और मूल सागर को भी शामिल करने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन सरकार ने इसे संशोधन के लिए लौटाया। अंतिम निर्णय में अमरसागर और किशनघाट को नगरपरिषद में जोड़ा गया जबकि अन्य गांवों को पंचायतीराज प्रणाली में ही रखा गया है।

परिसीमन में राजनीतिक समीकरण: हर परिसीमन में सत्ताधारी दल की रणनीति अहम भूमिका निभाती है। पूर्ववर्ती सरकार ने परिसीमन किया था, अब राज्य सरकार की ओर से भी हाल ही में एक परिसीमन समिति का गठन भी किया गया था।

वार्डों की संख्या यथावत रहेगी

विस्तार के बावजूद नगरपरिषद के कुल 45 वार्ड ही रहेंगे। यानी शहर के कुछ वार्डों का विलय किया जाएगा। माना जा रहा है कि उन वार्डों को समायोजित किया जाएगा, जहां मतदाता संख्या 500 के आसपास है।

आयुक्त ने की पुष्टि

नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढ़ा ने पुष्टि की कि अमरसागर और किशनघाट को शामिल करने की अधिसूचना जारी हो चुकी है।

आज का राशिफल गुरुवार, 20 मार्च, 2025

राशि	
मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* बने काम बिगड़ सकते हैं। जल्दबाजी नहीं करें। परिजनों से कहा-सुनी हो सकती है। आय के नए स्त्रोत स्थापित होंगे।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। लंबे समय से रुके कार्य पूरे होंगे।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह* भूमि-भवन से संबंधित बड़ा कार्य हो सकता है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार संबंधी समस्या का समाधान होगा।
कर्क	*हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिजनों के साथ मनोरंजन के कार्यों में समय गुजरेगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* कार्य की अधिकता से थकान रहेगी। परिजनों से कोई अप्रिय समाचार प्राप्त होगा। व्यापार में साझेदारी करने से बचें।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। नौकरी में मेहनत का फल मिलने से प्रसन्नता होगी। नए संपर्क बनेंगे।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* सफलता से परिजन प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। जमीन-जायदाद संबंधी मामलों में लाभ मिलेगा।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* लंबे समय से चली आ रही पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। धार्मिक आयोजनों में शामिल होंगे।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट और उपहार की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभप्रद रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिलेगा।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* कीमती वस्तु संभाल कर रखें। योजनाओं को सार्वजनिक करने से बचें। जीवन का अनुभव आगे बढ़ने में सहायक होगा।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* समय रहते जरूरी आवश्यक कार्य पूरे करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आज होने वाली यात्रा लाभदायक रहेगी।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* कानूनी सहयोग मिलने से कार्य होंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक आस्था बढ़ेगी। शेयर मार्केट से लाभ संभव।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद व वास्तुविद: पंडित मुकेश भारद्वाज

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	बसंत
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास :	रमजान-19	मास:	चैत्र
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	कृष्ण

आज का दिन

गुरुवार, 20 मार्च, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ का चौघड़िया सूर्योदय से 8.05 तक रहेगा। चर, लाभ, अमृत के चौघड़िए क्रमश: 11.04 से 3.32 तक रहेंगे। शुभ का चौघड़िया 5.02 से सूर्यास्त तक रहेगा। इन चौघड़ियों में शुभ कार्य प्रारंभ किए जा सकते हैं।

शुभ तिथि: नंदा संज्ञक षष्ठी तिथि रात्रि 2.45 तक, तदुपरान्त भद्रा संज्ञक सप्तमी तिथि रहेगी। षष्ठी तिथि में सभी मांगलिक कार्य, भवन निर्माण, नवीन व्यवसाय प्रारंभ, प्रसूति स्नान, विद्यारंभ, गर्भाधान संस्कार, पुंसवन और सीमान्त संस्कार आदि शुभ फलदायी होते हैं। दोनों पक्ष की षष्ठी तिथि मध्यम फलदायी होती है।

नक्षत्र: अनुराधा नक्षत्र रात्रि 11.31 तदुपरांत ज्येष्ठा नक्षत्र रहेगा। अनुराधा नक्षत्र मृदु या मैत्र व तिर्यकमुख संज्ञक नक्षत्र है। इसमें बच्चे का नामकरण, सूतिका स्नान, गर्भाधान संस्कार, जातकर्म और नामकरण का मुहूर्त, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारंभ आदि शुभ कार्य फलदायी होते हैं।

योग: वज्र योग रात्रि 6.19 तक, तदुपरान्त सिद्धि नामक योग रहेगा। वज्र योग में शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। सिद्धि नैसर्गिक शुभ योग है।

विशिष्ट योग: भद्रा प्रारंभ रात्रि 2.45, अशुभ दग्धयोग सूर्योदय से रात्रि 2.45 तक।

करण: गर करण दिन 1.44 तक, तदुपरान्त वणिज करण प्रारंभ होगा। गर करण चर संज्ञक व उर्ध्व स्थिति वाला करण है। यात्रा, नौकरी प्रारंभ करने, संधि प्रस्ताव वार्ता और मांगलिक कार्यों के लिए शुभ है।

व्रत/दिवस विशेष: उत्तर गोलारंभ, रांधा पुआ, विषुव दिन, श्री एकनाथ षष्ठी, श्री वनचन्द्र जयंती।

चंद्रमा: चन्द्रमा सम्पूर्ण दिन-रात्रि वृश्चिक राशि में रहेगा।

शुभ मुहूर्त: आज सूतिका स्नान मुहूर्त, जातकर्म व नामकरण मुहूर्त, चूड़ा पहनने का मुहूर्त, कर्णवेध मुहूर्त, हलप्रवहण मुहूर्त, बीजारोपण मुहूर्त अनुराधा नक्षत्र में, अभिजीत मुहूर्त दिन 12.10 से 12.58 तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त में शुभ वार, तिथि आदि का विचार कर अत्यावश्यक कार्यों का प्रारंभ किया जा सकता है।

दिशा शूल: आज दक्षिण दिशा में दिशा शूल रहेगा इसलिए दक्षिण दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए। यदि दक्षिण दिशा में यात्रा करना आज आवश्यक हो और टालना संभव नहीं हो तो यात्रा प्रारंभ करने से पहले दही सेवन करके, शुभ शगुन लेकर यात्रा प्रारंभ करें।

राहुकाल (मध्यमान से): दिन 1.30 से 3.00 तक रहेगा। राहु काल में शुभ कार्यों का प्रारंभ नहीं करना चाहिए। यदि कार्य को टाला जाना संभव नहीं हो तो केले का सेवन करके कार्य प्रारंभ करें। इससे राहुकाल का दुष्प्रभाव कम होगा।

आज जन्म लेने वाले बच्चे: आज जन्मे बच्चों की राशि वृश्चिक होगी। आज रात्रि 11.30 तक अनुराधा नक्षत्र रहेगा तदुपरान्त ज्येष्ठा नक्षत्र रहेगा, यह मूल नक्षत्रों में गिना जाता है। इसके शांति उपाय करने आवश्यक होते हैं। आज जन्मे बच्चों का ताम्र पाद होगा। ताम्र पाद श्रेष्ठ है। आज जन्म लेने वाले बच्चों के प्रथम नामाक्षर नी, नू, ने, नो, या पर रखे जा सकते हैं। वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल होता है। ऐसे जातक स्थिर प्रवृति के होते हैं। ये जिद्दी, उत्साही, स्पष्टवादी, परिश्रमी, ईमानदार, समझदार, ज्ञानी, साहसी, दृढ़संकल्प, शीघ्र उत्तेजित हो जाने वाले व अपनी मेहनत से कार्य करने वाले होते हैं। अपना निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। एक जगह टिक कर कार्य कर सकते हैं। इनकी प्रवृत्ति धार्मिक होती है। इनको दवा व्यवसाय, पुलिस, शोधकार्य, साधना, खनिज पदार्थों का व्यवसाय, खेती, पुरातत्व विज्ञान आदि कार्यों में सफलता मिलती है।

दीखै नाँही नाक सूँ, आगै की तसवीर।
डींगा हाँकै देस की, बणा रहया तकदीर ॥
-कर्पूर चन्द कुलिश की सात सैंकड़ा पुस्तक से

पाकिस्तान एजेंसी आइएसआइ के लिए आर्डिनेंस फैक्ट्री का जूनियर वर्क्स मैनेजर उपलब्ध करा रहा था जानकारी

पाक को खुफिया जानकारी देने वाला कार्मिक पकड़ा

कानपुर. उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को गुप्त जानकारी साझा करने के आरोप में कानपुर स्थित आर्डिनेंस फैक्ट्री के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि पिछली 13 मार्च को फिरोजाबाद में आर्डिनेंस फैक्ट्री कर्मी रवीन्द्र कुमार को पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा को खुफिया जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

इसी क्रम में एटीएस को सूचना मिली थी कि कानपुर स्थित आर्डिनेंस फैक्ट्री कानपुर में जूनियर वर्क्स मैनेजर पद पर कार्यरत कुमार विकास भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए नेहा शर्मा के संपर्क में है और आर्डिनेंस फैक्ट्री की गोपनीय जानकारी उसे भेज रहा है।

लूडो एप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट से करता था बात

इस सूचना के आधार पर एटीएस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुमार विकास को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी लूडो एप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट से बात करता था। उसने पैसों के लालच में उसने आर्डिनेंस फैक्ट्री के गोपनीय दस्तावेज, उपकरणों, निर्माण होने वाले गोला बारुद, कर्मचारियों की अटेंडेंस शीट, फैक्ट्री में निर्माण कार्य में लगी मशीनों और इमारत आदि की फोटो पाकिस्तानी एजेंट को भेजी थी।

पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी

उन्होंने बताया कि अभियुक्त कुमार विकास कानपुर देहात के शट्टी क्षेत्र के शाहजहांपुर गांव का मूल निवासी है और वर्तमान में कानपुर नगर में विठूर क्षेत्र के न्यू हाइवे सिटी में निवास कर रहा है। आरोपी को विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है और विभिन्न लोगों से फिरोजाबाद में आर्डिनेंस फैक्ट्री कर्मी रवीन्द्र कुमार के बारे में जानकारी जुटा रही है।

कृषि विभाग के कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहराइच. उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में कृषि विभाग में कनिष्ठ सहायक के पद पर तैनात एक कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने बताया कि बागपत जिले के रामनगर निवासी नीरज गिरी (35) कृषि विभाग के एसडीओ कृषि कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत थे और लखनऊ रोड स्थित तिकोनी बाग में विकास मिश्रा के मकान में किराए पर रहते थे।

जानकारी के मुताबिक, नीरज अपनी पत्नी का फोन नहीं उठा रहे थे। चिंतित पत्नी ने मकान मालिक विकास मिश्रा को इसकी सूचना दी और उनसे संपर्क करने का अनुरोध किया। विकास मिश्रा ने थाने में सूचना दी और बताया कि पत्नी के कहने पर जब उन्होंने नीरज के कमरे का दरवाजा देखा तो वह बंद था और नीरज का शव पंखे से लटक रहा था। कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपराध निरीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है।पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।?

पत्नी ने क्रूरता की सभी हदों को लांघा, शव के किए 15 टुकड़े

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मेरठ. उत्तर प्रदेश में मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और उन्हें सीमेंट के ड्रम में सील कर दिया। फिर प्रेमी के साथ मौज मस्ती के लिए शिमला भाग गई।

खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर किया बेहोश

पुलिस ने बताया कि इंदिरानगर मास्टर कॉलोनी निवासी सौरभ कुमार (29) 24 फरवरी को लंदन से लौटा था जबकि चार मार्च की रात उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी (26) ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला (28) के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी।

आरोपियों ने पहले सौरभ को खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश किया और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वारकर उसकी हत्या कर दी।

पिता के सामने अपराध कबूल किया

क्रूरता की सभी हदों को लांघते हुए महिला ने पति के शव को 15 टुकड़ों में बांट दिया और अवशेषों को प्लास्टिक के ड्रम में डालकर सीमेंट से सील कर दिया। हत्या के बाद मुस्कान अपनी पांच साल की बेटी को मायके में छोड़कर साहिल के साथ शिमला चली गई। वापस लौटने पर उसने अपने पिता प्रमोद कुमार के सामने अपना अपराध कबूल कर लिया, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। इस पर मुस्कान व साहिल को गिफ्तार कर लिया। उसके अवशेष बरामद किए।

बेटी का जन्मदिन मनाने भारत लौटा था

पूर्व मर्चेंट नेवी कर्मचारी सौरभ कुमार 2020 से लंदन के एक मॉल में काम कर रहा था। वह 25 फरवरी को अपनी पत्नी मुस्कान और 28 फरवरी को अपनी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाने के लिए भारत वापस लौटा था। वह पिछले तीन साल से अपने परिवार के साथ इंदिरानगर में किराए के मकान में रह रहे थे, जबकि उनके माता-पिता और भाई-बहन ब्रह्मपुरी में अलग-अलग रहते थे।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस जांच में पता चला कि सौरभ के घर से अक्सर गायब रहने के कारण मुस्कान और साहिल के बीच अवैध संबंध बन गए थे। चार्टर्ड अकाउंटेंट साहिल उसी मोहल्ले में रहता था। हत्या की रात उनकी पांच साल की बेटी पीहू बगल के कमरे में सो रही थी, उसे इस भयानक वारदात का पता नहीं चला। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

शराबी चालकों पर लगाम कसने के लिए ब्रेथ एनालाइजर

सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी पाठ्यक्रम में करेंगे शामिल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. सदन में सड़क सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठे। परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि रोड सेफ्टी के बारे में पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों को कम करने की कोशिश की जाएगी। जिला स्तर पर भी सुधार किया जाएगा। वो कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर रोक लगाने के लिए ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किए जा रहे हैं। इसके लिए सभी जिलों को 303 ब्रेथ एनालाइजर दिए गए हैं।

मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि साल 2021 में 3871, साल 2022 में 5174, साल 2023 में 5315 और 2024 में 5191 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसके लिए वाहनों की जांच की जा रही है और दुर्घटनाओं का विश्लेषण किया जा रहा है।

निगम राजस्व बढ़ाने पर जोर

कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप के एक प्रश्न के जवाब में परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि हर राज्य में परिवहन निगम घाटे में चल रहा है। उन्होंने कहा कि हम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य परिवहन प्राधिकार दूसरे राज्यों के बीच व राज्य के अंदर यातायात को आसान बनाने के लिए निजी वाहन स्वामियों को परमिट जारी करता है। इससे सरकार को राजस्व मिलता है।

ब्लैक स्पॉट पर खूब हुई चर्चा: भाजपा के नवीन जायसवाल ने कहा कि हर जिले में ब्लैक स्पॉट होते हैं। ब्लैक स्पॉट का मतलब है, ऐसी जगह जहां पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि डीसी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी हुई है। जायसवाल ने कहा कि रांची में ब्लैक स्पॉट हैं। सरकार हर जिले के डीसी को चिट्ठी लिखकर ब्लैक स्पॉट में सेफ्टी फीचर के निर्देश देवें।

नीतीश ने सुनीता को दी बधाई

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुनीता विलियम्स सहित क्रू-9 के सदस्यों की अंतरिक्ष से सकुशल वापसी पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कुमार ने बुधवार को अपने शुभकामना संदेश में कहा कि अंतरिक्ष में इतने लंबे समय तक रहने के बाद सुनीता विलियम्स सहित क्रू-9 के सदस्यों की धरती पर सकुशल वापसी एक सुखद समाचार है। उन्होंने कहा कि यह पूरी यात्रा उनके धैर्य और दृढ़ता की जीत को दर्शाता है।

कैमूर में खेत से शव बरामद, पुलिस ने महिला को पकड़ा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भभुआ. बिहार में कैमूर जिले के कुछिला थाना क्षेत्र से बुधवार को शव बरामद होने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि स्थानीय ग्रामीणों से सूचना मिली कि मुखरांव गांव के बाहर खेत में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मामले की सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की शिनाख्त रामाशीष बिंद के रूप में की गई जो उक्त गांव की ही रहने वाला था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (मोहनिया) के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकि अनुसंधान एवं आसूचना संकलन के आधार पर मुख्य अभियुक्त गुड़िया देवी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकारोक्ति बयान में घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।

यूपी बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों का मूल्यांकन सीसीटीवी की निगरानी में शुरू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्रयागराज. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडियेट परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का काम बुधवार को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में शुरू हो गया। बताया गया की करीब तीन करोड़ उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने का काम 261 केंद्रों में लगभग डेढ़ लाख परीक्षक कर रहे हैं। मूल्यांकन का काम अगले 15 दिनो में खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं। मूल्यांकन का काम वायस रिकार्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगा और मूल्यांकन केंद्रों पर बाहरी लोगों का प्रवेश निषेध है। परीक्षक केंद्र पर मोबाइल फोन भी नहीं ले जा सकते हैं।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि मूल्यांकन प्रदेश के 261 केंद्रों पर बुधवार से शुरू होकर दो अप्रैल तक चलेगा। हाईस्कूल में 16322248 लिखित उत्तर पुस्तिकाओं के सापेक्ष 84122 परीक्षक एवं 8473 उप प्रधान परीक्षक लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इंटरमीडिएट में 13371607 कापियों के मूल्यांकन के लिए 50601 परीक्षक एवं 5471 उप प्रधान परीक्षक लगाए गए हैं। मूल्यांकन केंद्रों का औचक निरीक्षण पर्यवेक्षक और मजिस्ट्रेट करते रहेंगे। संबंधित जिला, मण्डल के डीआईओएस, जेडी और अपर सचिव भी मूल्यांकन केंद्रों का निरीक्षण करते रहेंगे। यूपी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन प्रयागराज के 10 मूल्यांकन केंद्रों पर बुधवार सुबह 10 बजे से शुरू होने जा रहा है।

डीआईओएस पीएन सिंह ने सभी मूल्यांकन केंद्रों का औचक निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि 15 दिन में 12 लाख कापियों का मूल्यांकन केंद्रों पर होगा। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का रिजल्ट 20 अप्रैल के पूर्व घोषित किए जाने की संभावना है।

बहराइच में गाजी की दरगाह पर मेला बंद करने की मांग

हिंदू संगठनों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहराइच. विश्व हिन्दू परिषद ने बहराइच शहर में स्थित सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर हर साल जेठ माह (मई) में लगने वाले मेले को बंद करने की मांग की है।

इस सिलसिले में विहिप के जिला संयोजक विधि प्रकोष्ठ अजीत प्रताप सिंह और विभिन्न हिंदू संगठनों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठनों ने हाल ही में संभल में नेजा मेले पर लगी रोक का हवाला देते हुए बहराइच के मेले को भी बंद करने की मांग की है, जिससे मेले के आयोजन को लेकर नया विवाद उत्पन्न हो गया है। सदस्यों ने जिलाधिकारी से चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब नेजा मेले को अनुमति नहीं दी गई, तो बहराइच के मेले को भी बंद किया जाना चाहिए। संभल के एएसपी द्वारा जारी एक वीडियो में नेजा मेले की अनुमति न देने की जानकारी वायरल होने के बाद यह मुद्दा और गंभीर हो गया है।

सामुदायिक संतुलन बना चुनौती

स्थानीय प्रशासन बहराइच की दरगाह में होने वाले जेठ मेले के आयोजन को लेकर सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए गंभीरता से विचार कर रहा है। शांति और सामुदायिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सुरक्षा और सामुदायिक शांति को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लिया जाएगा।

भारतीय रेल के 'नन्हे फरिश्ते' ने 357 नाबालिग बच्चों को बचाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भागलपुर. रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत बिहार एवं झारखंड में पूर्व रेलवे के मालदा मंडल के तहत आने वाले विभिन्न रेलवे स्टेशन से पिछले एक वर्ष के दौरान 357 नाबालिग बच्चों को बचाने में सफलता हासिल की है।

मालदा मंडल के रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने बुधवार को बताया कि 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' भारतीय रेलवे की एक सराहनीय पहल है, जिसका उद्देश्य संकटग्रस्त बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके तहत रेलवे सुरक्षा बल द्वारा वर्ष 2024-25 की अवधि में मालदा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर असहाय एवं लावारिस बच्चों की पहचान कर कुल 357 नाबालिग बच्चों की जिंदगी बचाई गई है। उन्होंने बताया कि इन बच्चों को पुनर्वास और देखभाल के लिए स्थानीय बाल कल्याण समितियों को सौंप दिया गया है।

गुप्ता ने बताया कि सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से रेलवे सुरक्षा बल ने इन बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने या सुरक्षित आश्रय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह प्रयास संकटग्रस्त बच्चों की सुरक्षा और भलाई के प्रति बल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेल प्रबंधक ने कहा कि रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा बच्चों को बचाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का कार्य अत्यंत सराहनीय है। वहीं, यात्रियों का भी दायित्व बनता है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या संकटग्रस्त बच्चों की सूचना निकटतम रेलवे अधिकारी या हेल्पलाइन नंबर पर दें। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' की सफलता मालदा मंडल की यात्री सुरक्षा और बाल संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बस अड्डे से घर के लिए निकली युवती मलीहाबाद में मृत मिली

लखनऊ @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मलीहाबाद में बुधवार को एक युवती का शव मिला।

पुलिस ने बताया कि करीब 32 वर्षीय युवती आलमबाग बस अड्डे उतरी थी और ऑटो रिक्शा से चिनहट स्थित अपने घर जा रही थी। युवती मोबाइल से परिजनों के संपर्क में थी। ऑटो चालक द्वारा उसको गलत रास्ते पर ले जाने का संदेह होने पर अपना लोकेशन परिजनों को भेजी तब उसकी लोकेशन मोहम्मद नगर तालुकेदारी थाना मलिहाबाद दिखा रहा था। अंतिम लोकेशन पर थाना पुलिस ने तलाश की तो उक्त युवती मोहम्मद नगर तालुकेदारी के पास स्थित आम के बाग में अचेत मिली। अस्पताल में युवती को मृत घोषित कर दिया गया।

महोबा में एआरटीओ को मिली जान से मारने की धमकी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महोबा. उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में तैनात सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को कथित तौर पर अपराधी तत्वों से जान से मारने की धमकी मिली है।

पुलिस मामला दर्ज करके आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस उप अधीक्षक हर्षिता गंगवार ने बताया कि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन दया शंकर अपने स्टाफ के साथ सड़क पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे, तभी वहां निर्धारित प्रपत्रों के बगैर डग्गा मारी कर रही एक क्रूजर को सीज कर दिया गया। इस बीच मौके पर पहुंचे तीन युवकों ने परिवहन स्टाफ के साथ अमर्यादित आचरण करते हुए झगड़ा किया और एआरटीओ को जान से मारने की धमकी दी। एआरटीओ दया शंकर ने बताया कि क्षेत्र में डग्गामारी की बड़ी संख्या में मिल रही शिकायतों के चलते वाहनों की चेकिंग का कार्य किया जा रहा था, जिसमें छोटी बड़ी छह गाड़ियों को पकड़ कर सीज करते हुये पुलिस को सौंपा गया।

इस दौरान डग्गा मारी में संलिप्त एक क्रूजर पर कार्यवाही की। इससे आरोपी बौखला गए।

सभाध्यक्ष ने सरकार को समस्या के समाधान का दिया निर्देश

बिहार विस में छाया रोड जाम का मुद्दा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने राज्य को निर्देश दिया कि वह प्रदेश में सड़क जाम की समस्या के समाधान के लिए और अधिक प्रभावी एवं रचनात्मक कदम उठाए।

यादव ने विधानसभा में बुधवार को भोजनावकाश से पहले की बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्य अमरेंद्र प्रताप सिंह के अल्पसूचित प्रश्न पर पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन के उत्तर के दौरान हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सड़क जाम, डेड लोड और ऐसे अन्य मुद्दे आम चिंता के विषय हैं। उन्होंने कहा कि सदन के सदस्यों के साथ-साथ आम लोगों को भी सड़क जाम के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से पूछा कि वह बाधाओं को कैसे हल करेगी। उन्होंने मंत्री से सड़क जाम से राहत देने के लिए और अधिक रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने को कहा। पथ निर्माण मंत्री ने सिंह और अजीत कुमार सिंह, संजय कुमार तिवारी और महानंद सहित कुछ अन्य सदस्यों के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए घोषणा की कि राज्य में किसी भी पुल पर भारी वाहनों के रुकने और पार्क करने की अनुमति नहीं हैं, क्योंकि इससे पुलों की क्षमता प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को आदेशों का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है।

नवीन ने सड़क जाम से राहत दिलाने के लिए योजनाओं का विवरण देते हुए कहा कि तत्काल राहत के लिए वैकल्पिक मार्गों की भी तलाश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के प्रशासन को भी सड़क जाम के कारणों पर सख्ती से विचार करने को कहा गया है।

पर्यावरण | गौरैया दिवस पर विशेष

इटावा में शिक्षिका ने घर को बना डाला 'गौरैया हाउस'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इटावा. पर्यावरण असंतुलन की शिकार संकटग्रस्त गौरैया चिड़िया के अस्तित्व को बचाने की मुहिम में जुटी सरकारी शिक्षिका सुनीता यादव ने यहां अपने ही घर को 'गौरैया हाउस' में तब्दील कर दिया है। इटावा में मैनपुरी रोड स्थित गंगा बिहार कालोनी वासी प्राथमिक शिक्षिका सुनीता यादव की गौरैया प्रेम की चर्चा देश भर में है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव भी गौरैया प्रेमी सरकारी शिक्षिका सुनीता के मुरीद हैं और वह सुनीता यादव के बनाए एक वीडियो को अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्ट पर पोस्ट कर चुके है।

सैकड़ों की संख्या में छोटे-बड़े घोंसले लगाए गए : गौरैया प्रेमी शिक्षिका सुनीता यादव ने वैदिक प्रकाशन के लिए 'गौरैया फिर लौट आई' शीर्षक से 155 पेज की किताब लिखी, जिस पर उन्हें इस साल सर्वश्रेष्ठ लेखिका के रूप में सम्मानित किया गया है। इस पुस्तक में गौरैया से संबंधित अनुभवों को साझा किया गया है। सुनीता ने अपने तीन मंजिला मकान को गौरैया के आशियाने के रूप में स्थापित कर दिया है, पहली और दूसरी मंजिल पर सैकड़ों की संख्या में छोटे-बड़े घोंसले लगाए गए हैं जबकि तीसरी मंजिल पर गौरैया चिड़िया के लिए दो एरिया में पार्क जैसा बना दिया है, जिससे सुबह शाम सैकड़ों की संख्या में गौरैया चिड़िया प्रतिदिन आती दिख रही हैं।

चिड़िया के संरक्षण के लिए लोगों को किया जागरूक : संकटग्रस्त गौरैया चिड़िया के संरक्षण और लोगों को जागरूक करने में उच्च माध्यमिक प्राथमिक स्कूल की सहायक शिक्षिका सुनीता यादव घर-घर जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। मूल रूप से बुंदेलखंड के हमीरपुर जिले के ममोना गांव की रहने वाली सुनीता इटावा जिले के बसरेहर विकासखंड के खरदूली गांव में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में सहायक शिक्षिका के पद पर तैनात हैं। सुनीता के मन में गौरैया चिड़िया के संरक्षण के प्रति ललक इतनी है कि वो रात दिन गौरैया चिड़िया के ही संरक्षण के बारे में सोचती रहती हैं।

लोगों को बांटा जाता है गौरैया का घोंसला

सुनीता अब तक हजारों की संख्या में लोगों को गौरैया का घोंसला बांट चुकी हैं। करीब 300 की संख्या में गौरैया के बच्चे प्रजनन के बाद हवा में उड़ चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह प्रतिमाह घर पर संगोष्ठी में आने वाले प्रति व्यक्ति को गौरैया का घोंसले भी देती हैं।

2010 से मनाया दिवस

सुनीता ने बताया कि पहले उनको गौरैया चिड़िया काफी संख्या में देखने को नहीं मिलती थी, लेकिन अब गौरैया चिड़िया अच्छी संख्या में दिखने लगी है, गौरैया चिड़िया के बच्चों को देखकर मन खास प्रसन्न हो जाता है। संरक्षण की दिशा में साल 2010 से गौरैया दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

युवक का शव बरामद

मधेपुरा @ पत्रिका. बिहार में मधेपुरा जिले के आलमनगर थाना क्षेत्र से पुलिस ने बुधवार को एक युवक का शव बरामद किया। पुलिस ने यहां बताया कि स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर नवगाछिया वासा के समीप तालाब के किनारे एक युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर निवासी करण कुमार (23) के रूप में की गई है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़
नैक द्वारा ग्रेड A++ मान्यता प्राप्त
यूजीसी द्वारा श्रेणी-। विश्वविद्यालय का दर्जा
विज्ञापन: सीयूराज/आर/एफ.164/भर्ती/3894 दिनांक: 07.03.2025
वॉक-इन इंटरव्यू
सहायक अभियंता (01) व जूनियर अभियंता (01)
उपर्युक्त पदों के लिए अनुभवी सिविल इंजीनियरों से अनुबंध के आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। वेतन अनुभव के अनुरूप होगा। आवेदन की हार्डकॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 04.04.2025 है।
वॉक-इन इंटरव्यू दिनांक 07.04.2025 को।
अधिक जानकारी के लिए www.curaj.ac.in देखे।
कुलसचिव

अब आहार-बिहार की, बात करै ना कोई।
जित्तो खरच इलाज पर, उत्तो रुतबो होई ॥
-कर्पूर चन्द्र कुलिश की **सात सैंकड़ा पुस्तक** से

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

पत्रकारिता के उज्ज्वल नक्षत्र

राजस्थान पत्रिका के संस्थापक कर्पूर चन्द्र कुलिश भारतीय पत्रकारिता के उज्ज्वल नक्षत्र थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में न केवल निष्पक्ष पत्रकारिता को स्थापित किया, बल्कि लोकतंत्र की सुदृढ़ता के भी अथक प्रयास किए। उनके जन्म शताब्दी वर्ष की शुरुआत पर हम उनके योगदान को नमन करते हैं। कुलिश जी का सम्पूर्ण जीवन लोकतंत्र की मर्यादा और पवित्रता को बनाए रखने के लिए समर्पित था। वे सच्चे अर्थों में लोकतंत्र के प्रहरी थे, जो सदैव सत्ता की नीतियों पर पैनी निगाह रख जनता की आवाज को निर्भीकता से प्रस्तुत करते थे। उनके लिए निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की आत्मा थी। वे मानते थे कि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया ही लोकतंत्र को सशक्त बना सकता है।

राजनीतिक शुचिता को बनाए रखने में भी उनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण रही। उन्होंने हमेशा अपने आलेखों के जरिये यह संदेश दिया कि राजनीति केवल सत्ता पाने का साधन नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह जनता की सेवा का एक सशक्त माध्यम हो। उन्होंने अपने समाचारों और संपादकीय आलेखों के माध्यम से राजनीति में नैतिकता की पैरवी की। मतदान को लोकतंत्र की नींव मानते हुए उन्होंने मतदाता जागरूकता के कार्य भी किए। पत्रिका के माध्यम से उन्होंने मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए। उनके लेखों और अभियानों ने मतदाताओं को यह समझाने का कार्य किया कि प्रत्येक वोट लोकतंत्र की मजबूती में सहायक होता है। निष्पक्ष चुनाव और निष्कलंक लोकतंत्र उनके सिद्धांतों के केंद्र में थे। जन सरोकार से उनका गहरा नाता रहा। उन्होंने पत्रकारिता को सिर्फ खबरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे समाज सुधार और जागरूकता का एक सशक्त उपकरण बनाया। पत्रिका के माध्यम से उन्होंने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता दी और जनता की समस्याओं को उजागर कर उन्हें समाधान की दिशा में अग्रसर किया। उनके नेतृत्व में पत्रिका कई सामाजिक अभियान शुरू किए गए। ये अभियान आज भी समाज के लिए प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं।

कुलिश जी का जीवन संघर्ष और सिद्धांतों की मिसाल रहा है। उनकी लेखनी ने न केवल पत्रकारिता की दिशा बदली, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी मजबूती प्रदान की। उन्होंने समय-समय पर विविध सामयिक महत्त्व के विषयों पर अपने दृष्टिकोण को पत्रिका में अभिव्यक्त किया। उनकी जन्म शताब्दी वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को स्मरण कर यह संकल्प लें कि हम भी लोकतंत्र की सुदृढ़ता और निष्पक्षता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

कर्पूर चन्द्र कुलिश | जन्म शताब्दी वर्ष

राजनीति में शुचिता व ईमानदारी के प्रबल पक्षधर

श्रद्धेय कुलिश जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। लेखनी के तीखे तेवर उन्हें प्रखर पत्रकार और संपादक के रूप में, काव्य रचनाएं एक कोमल व भावुक हृदयशील कवि के रूप में तथा वेदों में छिपे गूढ़ रहस्यों का गहन अध्ययन-मनन उन्हें वेद मर्मज्ञ के रूप में प्रतिष्ठित करता है। राजनीति से लेकर समाज, धर्म से लेकर अध्यात्म...देश-दुनिया में उन्होंने जो कुछ देखा और महसूस किया, उसे पाठकों के समक्ष समय-समय पर अपने आलेखों के जरिये सामने रखा। उनके आलेख आज भी सामयिक हैं, जिनके भाव पढ़कर ही महसूस किए जा सकते हैं।

राजस्थान पत्रिका की स्थापना से ही यह परम्परा रही है कि उसमें किसी विवाद के हर पहलू और दृष्टिकोण को स्थान दिया जाता है। पत्रिका की असली ताकत उसके पाठक हैं। (धाराप्रवाह से)

कुलिश जी का रचना संसार विशद रहा है। पत्रिका में प्रकाशित आलेखों के साथ-साथ, यात्रा वृत्तांत, वेद विज्ञान लेखन और काव्य रचनाओं के चुनिंदा अंश प्रस्तुत हैं...

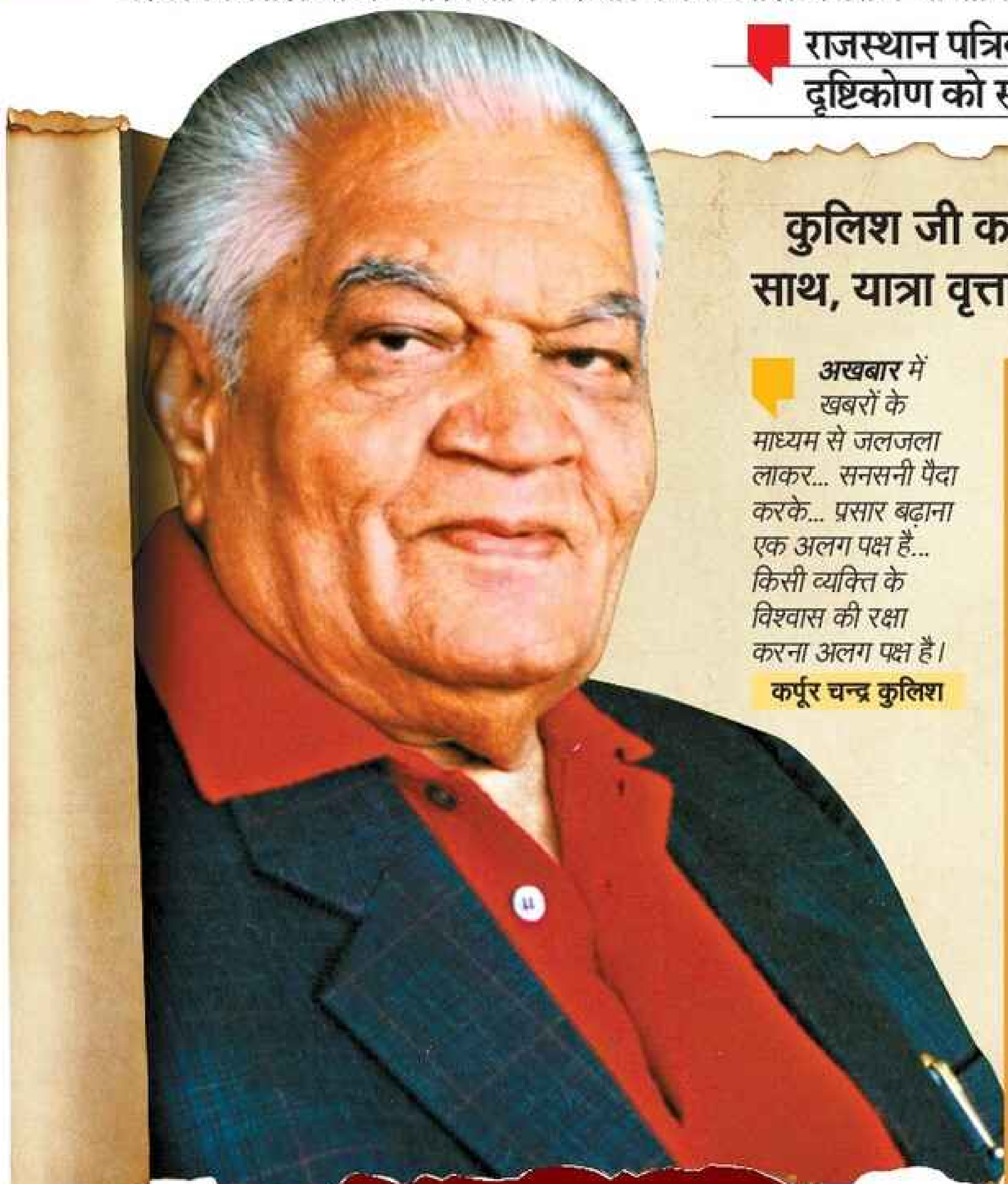

अखबार में खबरों के माध्यम से जलजला लाकर... सनसनी पैदा करके... प्रसार बढ़ाना एक अलग पक्ष है... किसी व्यक्ति के विश्वास की रक्षा करना अलग पक्ष है।
कर्पूर चन्द्र कुलिश

'मैं देखता चला गया'

बदलती तस्वीर की यात्रा

श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश जी की पुस्तक 'मैं देखता चला गया' केवल एक यात्रा वृत्तांत नहीं, बल्कि क्रान्तिकारी परिवर्तन लाने का एक आह्वान है। आपातकाल के दौर में उनकी यह यात्रा राजस्थान की बदलती तस्वीर की गवाह बनी। आपातकाल में भी काम करने की गुंजाइश कम नहीं हुई थी। उन्होंने 11 अक्टूबर 1975 को अपनी राजस्थान यात्रा शुरू की। सात माह बाद 10 मई 1976 को अपनी यात्रा को विराम दिया।

भरतपुर में बाढ़ भी वरदान

इस यात्रा के दौरान कुलिश जी जब भरतपुर गए तो उन्होंने अपनी पुस्तक में वहां के अनुभवों के बारे में लिखा है, 'अगर बाढ़ आना बंद हो जाए तो भरतपुर जिले के खेतों में उल्लू बोलने लगेंगे। भरतपुर में गम्भीर, बाणगंगा, और रूपारेल नदियों से बाढ़ आती है। राजस्थान में भरतपुर ही एक जिला है जहां जल्दी-जल्दी बाढ़ आती है। इस दौरे से यह अच्छी तरह जान सका कि बाढ़ एक वरदान है जिसने भरतपुर का चेहरा बदल दिया है।'

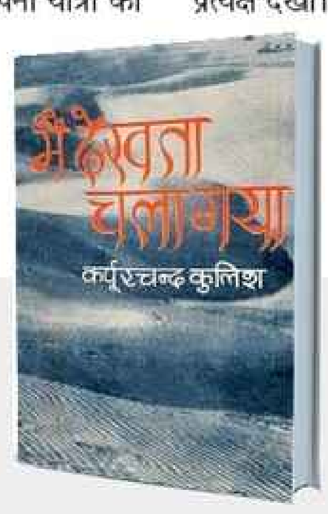

उन्होंने अपनी इस पुस्तक में स्पष्ट रूप से लिखा है 'राजस्थान अपने निर्माण के समय क्या था और अब क्या है, यह देखा।'

बीकानेर - दूध-ऊन का घर

'बीकानेर देश में ऊन की सबसे बड़ी मंडी है, जहां से दस करोड़ किलो अर्थात् एक लाख टन ऊन बाहर जाती है। पंजाब के लुधियाना और अमृतसर के ऊनी कारखानों और होजरियों के लिए सारा ऊन बीकानेर से जाता है। बीकानेर के व्यापारियों की उन शहरों में बड़ी-बड़ी गद्दियां हैं। यह देखकर रोना आता है कि ऊन के घर में ऊन के कारखानों के लिए कोई जगह नहीं। जहां कच्चा माल होता है, जहां बिजली है, पानी है, सड़कें हैं, भेड़ें हैं और भेड़ को सुधारने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयत्न हो रहे हैं, वहां ऊन के कारखाने लगाने की इजाजत नहीं।'

आदिवासी परियोजना से बाहर

'सचिवालय में बैठकर योजनाएं बनाने वालों और जिन लोगों के लिए योजनाएं बनाते हैं, उनके बीच कितनी दूरी है, इस दूरी को मैंने जयपुर से पांच सौ किलोमीटर दूर सिरोही के आदिवासियों में जाकर प्रत्यक्ष देखा। धरती से पांच हजार फीट ऊपर आबू पर्वत पर शरदोत्सव में हम शहरी लोग एक सुंदर आदिवासी कन्या को 'मिस अरावली' की पदवी देते हैं, नीचे धरती पर जंगलों के बीच बास करती मिस अरावली की जिंदगी को देखा... नाथाराम भी अपनी लड़की को मिस अरावली प्रतियोगिता में ले गया था। अब उसकी शादी हो गई है। उसने बड़े खिन्न भाव से बताया कि एक साल कुछ अफसरों ने आदिवासी कन्याओं के साथ बड़ा भद्दा व्यवहार किया जिससे इस इलाके में बड़ी नाराजी पैदा हुई। इस साल बड़ी मुश्किल से लोग लड़कियों को लेकर आबू गए थे।'

गंगानगर में खतरनाक खेती

'गंगानगर जिले में खेती का एक खतरनाक दौर भी देखने में आया है जिसकी तरफ योजनाकारों का ध्यान नहीं है। खेती में रासायनिक खाद और कीटमार दवाओं की भरमार इतनी ज्यादा हो गई है कि जमीन की किस्म तो क्या वह इंसान की नस्ल खराब कर सकती है। दवा का असर सब्जी के कीड़ों पर होने से पहले तो इंसान के पेट में पहुंच जाता है। ये सब्जियां खाते-खाते और मिट्टी निगलते-निगलते लोगों के स्वास्थ्य में बड़े पैमाने पर गिरावट आ सकती है।'

प्रखर पत्रकार

निष्पक्ष, ईमानदार और तथ्यपूर्ण दृष्टिकोण

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में आई विद्रूपताओं और राजनीतिक दलों के रवैयों को लेकर कुलिश जी के ये आलेख विचारणीय हैं...

श्रद्धेय कुलिश जी मानते थे कि बतौर पत्रकार उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यही है कि वह अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की सच्चाइयों और मुद्दों को उजागर कर जनता को गहरे विचार-विमर्श के लिए प्रेरित करें।

दो साल पहले दिल्ली में हुए जी-20 समिट में भारत आए राष्ट्राध्यक्षों को राष्ट्रपति की ओर से रात्रि भोज के दिए गए आमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा गया, तब देश का नाम भारत रखे जाने की चर्चाओं को बल मिला था। कुलिश जी इस सवाल को काफी पहले उठा चुके थे...

इंडिया नहीं, भारत

संविधान में इस एक देश के दो नाम रख दिए गए हैं। जिनमें एक नाम तो इंडिया है। इंडिया इस देश का मुख्य नाम है और वैकल्पिक रूप से इस देश के साथ भारत नाम भी जोड़ दिया गया है। 'इंडिया दैट इज भारत' इस देश का नाम है जो एक नाम न होकर जुड़वां नाम है। इसी नाम के साथ हमारी जातीयता या राष्ट्रीयता का संबंध जुड़ गया है। विदेश यात्रा में हमारे साथ व्यावहारिक रूप से प्रतिदिन यह प्रश्न उपस्थित होता है कि हम क्या हैं? एयरलाइन या होटल में प्रवेश करते समय जो फार्म भरते हैं उसमें क्या लिखें- इंडियन या भारतीय।

संविधान की दृष्टि से हम दोनों नाम लिख सकते हैं। परंतु यह तो साफ ही है कि हमारी राष्ट्रीयता के भी दो नाम हो गए हैं। मुझे सोचना पड़ेगा कि अपने आप को भारतीय न लिखकर इंडियन ही लिखूं। मुझे सदैव खटका रहेगा कि यदि मैं अपने आपको भारतीय लिख भी दूं तो कोई सिरफिरा अफसर या होटल प्रबंधक न माने तो एक बार तो मेरे सामने संकट खड़ा कर ही देगा।

इसी तरह से हमारी नागरिकता भी विवाद में पड़ सकती है। हम भारत के नागरिक हैं या इंडिया के, यह स्पष्ट होना चाहिए। आश्चर्य की बात है कि हमारी कोई एक सुनिश्चित पहचान नहीं है। हमारी एक राष्ट्रीयता हो, एक नागरिकता हो, हमारे देश का एक सुनिश्चित नाम हो? क्या यह भी विवाद का विषय है? परंतु संविधान प्रदत्त विकृति के कारण हमें इस दो नाम वाली राष्ट्रीयता और दो नाम वाली नागरिकता का अभिशाप ढोना पड़ता है।

संविधान में देश के दो नामों का उल्लेख करते समय यह भी निश्चय नहीं किया गया कि यह जुड़वां नाम कब तक चलेगा? इसका अर्थ यह हुआ कि हमारी राष्ट्रीयता और पहचान कभी भी साफ नहीं हो पाएगी। हम सदा बिना पहचान के ही बने रहेंगे और एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि हम किसी पहचान के अभाव में इतिहास के पन्नों से ही निकाल दिए जाएं। **(संविधान के पुनरावलोकन की आवश्यकता शीर्षक आलेख)**

युवा को डंडे से नहीं हांका जा सकता

युवाजन यदि निराश न हों तो क्यों न हों? यह मानना कि युवाजन केवल रोजगार ही चाहते हैं, भूल है। बेशक वे रोजगार चाहते हैं, परन्तु वे नेतृत्व में कुछ आदर्शों का प्रतिफलन भी देखना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि नेता उनकी भाषा समझें, शैली समझें, उनकी आकांक्षाओं को समझें और तदनुकूल आचरण करें। नेताओं को यह मानकर चलना होगा कि युवक ही भारत है। सिद्धान्त रूप में भी और यथार्थ में भी। आज भारत देश की जनसंख्या में लगभग 70 प्रतिशत वे लोग हैं जिनकी आयु 35 वर्ष के नीचे है। यही हमारे देश की वास्तविक शक्ति है, सम्पदा है। इस महती शक्ति की उपेक्षा करके समाज के ढांचे में कोई परिवर्तन नहीं लाया जा सकता और आर्थिक विकास का कोई कार्यक्रम फलीभूत नहीं हो सकता। यह वह शक्ति है, जो जनता सरकार की वास्तविक जननी है। यह युवा शक्ति पुरानी घिसी-पिटी सुधारवादी भाषा या नैतिकता के थोथे उपदेशों से प्रेरित नहीं हो सकती। यह वह शक्ति है जो समूचे नैतिक शास्त्र को बदल कर नया नीति शास्त्र बना सकती है और बना देगी। इसे डंडे से भी नहीं हांका जा सकता। **(24 अप्रेल 1978, नाना जी का प्रस्ताव: क्या कोई मानेगा)**

लेखन... संवाद... गतिमान... मुस्कान...

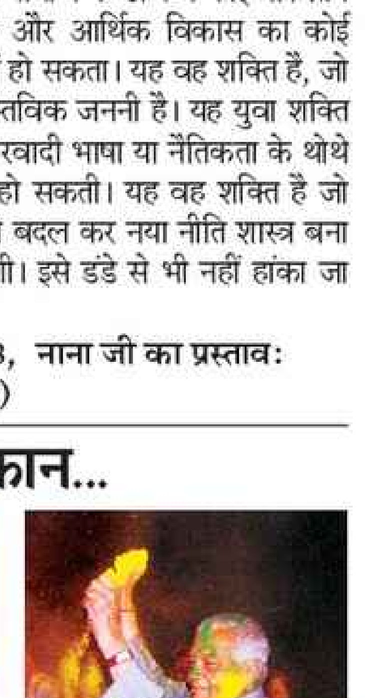

हर अवसर पर चली पैनी कलम

मिथ्याचार का नमूना

मिथ्याचार का सबसे बड़ा नमूना यह है कि हर कोई लोकसभा सदस्य और विधायक अपने चुनाव में लाखों रुपए खर्च करके चुनाव आयोग को खर्च का झूठा हिसाब पेश करते हैं। ये मिथ्याचारी विधायक लोकसभा और विधानसभाओं में बैठकर कानून बनाते हैं और शासन चलाते हैं। **(2 अक्टूबर 1978 'गांधीजी के नाम पर')**

लोकतांत्रिक प्रणाली की रक्षा

श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या की असहनीय दुखांतिका के बाद यह सहज प्रश्न उठता है कि क्या हम देश में लोकतांत्रिक प्रणाली की रक्षा कर पाएंगे? यह सच है कि करोड़ों देशवासी श्रीमती गांधी की राजनीतिक कार्यशैली से प्रसन्न नहीं थे परंतु इस अप्रसन्नता की परिणिति हिंसा में हों यह भी जघन्य कृत्य ही कहा जाएगा। जनजीवन से इस दुर्वृत्ति को समूल नष्ट करना होगा। **(1 नवंबर 1984, 'अनभ्र वज्रपात')**

न्यायपालिका का सिर ऊंचा

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री न्यायालयों के कठघरे में खड़े होते हैं। प्रधानमंत्री के अस्तित्व को झकझोरने वाला फैसला हो सकता है, और निरापद होने वाला हो। इससे न केवल न्यायपालिका का सिर ऊंचा होगा बल्कि लोकतंत्र प्रणाली में भी लोगों की आस्था बढ़ेगी। **(13 जून 1975, 'नाजुक दौर')**

अमरीका एक विहंगम दृष्टि

जैसा कुलिश जी ने देखा वह आज भी प्रासंगिक

अमरीकी राजदूत चेस्टर बोल्स के निमंत्रण पर वर्ष 1968 में श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश जी अमरीका गए। उस विशाल देश में वह 45 दिन रहे और वे दिन भी निरंतर अमरीका की यात्रा करते बीते। आंखों के जरिए मन पर जो छाप पड़ी, उसे पत्रकार ने अपने तक ही सीमित नहीं रखा। उनका यात्रा वृत्तांत 'अमरीका एक विहंगम दृष्टि' पुस्तक के रूप में संकलित है। कुलिश जी ने अमरीका और भारत में समानताएं देखीं, जिन समस्याओं का उन्होंने अनुभव किया, वे आज भी प्रासंगिक हैं। इन चुनिंदा अंशों को पढ़कर आप जान पाएंगे कि कुलिश जी कितने बड़े भविष्यदृष्टा थे...

सोवियत संघ

'अमरीकी लोगों में सोवियत साम्यवाद का अब वह हौवा नहीं होता। अमरीकी अर्थ व्यवस्था सोवियत रूस को अपना शत्रु नहीं मानती है, लेकिन राजनीतिक क्षेत्र में उसके साथ समझौता करने को अमरीकी नेतृत्व तैयार है। अभी इसी महीने प्रेसीडेंट जॉन्सन ने सोवियत रूस का आह्वान किया है शांति पूर्ण सहयोग का। मेरे कहने का मतलब है कि अमरीकी लोगों में जहां आर्थिक हितों का सवाल सामने आता है, वे हर तरह की स्थिति के लिए तैयार हो रहते हैं और अपने आप को हर परिस्थिति में ढाल लेते हैं। अमरीकी अर्थ-तंत्र स्वतंत्र होने के साथ-साथ लचीला भी है।'

जयपुर की चिंता

'साफ-सुथरे विलियम्सबर्ग को देखने के बाद जयपुर शहर की दुर्दशा हजारों गुनी होकर खलती है। इस शहर को नगर-रचना के एक उत्कृष्ट प्राचीन प्रतीक की तरह बनाए रखने की कितनी जरूरत है, यह समझने की बात है।'

चुनाव

'केवल मात्र व्यक्तिगत गुणों या व्यक्तित्व के कारण कोई उम्मीदवार सफल नहीं हो पाता। वैसे भी यहां (अमरीका) चुनावों में नैतिक मूल्यों पर काफी जोर दिया जाता है और वे भी अपना महत्त्व रखते हैं।'

स्त्री

'स्त्री का स्थान अमरीका में जीवन के सभी क्षेत्रों में और सभी पहलुओं में बराबरी का है, लेकिन सक्रिय राजनीति में भारत की अपेक्षा बहुत कम है। अमरीका की स्त्री से बात करने से मुझे लगा कि मैं ठेठ अपने देश देहात में पहुंच गया, जहां स्त्री एक पुरुष से बिल्कुल सहज और स्वाभाविक रूप से बात करती है।'

पुराण-शास्त्र | जीवन के प्रति समग्र दृष्टि के प्रतिपादक हैं हमारे वेद-पुराण

वैदिक आलेखों में किया शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा का विवेचन

वेदों में छिपे गूढ़ रहस्यों को जनसाधारण तक पहुंचाने के प्रयासों के तहत कुलिश जी ने वेद-विज्ञान श्रृंखला के तहत पत्रिका में जो आलेख लिखे, उनके चुनिंदा अंश...

आश्रम का स्वरूप

वैदिक ऋषियों ने मानव के सामाजिक जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए वर्ण व्यवस्था प्रदान की थी, वैसे ही व्यक्तिगत अभ्युदय के लिए आश्रम व्यवस्था का विधान किया था। वेद विद्या का विलोप हो जाने के साथ-साथ वर्ण व्यवस्था का भी लोप हो गया। वर्ण व्यवस्था को हमने जातिवाद बना दिया और आश्रम को झोंपड़ी का रूप दे दिया। हमने अपनी आश्रम व्यवस्था को नितांत भुला दिया। आश्रम को हमने आश्रय बना दिया जिसका तस्वीरों में झोंपड़ा नजर आता है। जबकि आश्रम का अर्थ है, सबके लिए श्रम करना। **(22 मार्च 1995 के अंक में)**

यज्ञ श्रेष्ठ कर्म

वेद विज्ञान के अनुसार यज्ञ को अतीव श्रेष्ठ कर्म माना गया है और सृष्टि को ही यज्ञ स्वरूप माना गया है। यज्ञ को वेद विज्ञान की प्रयोगशाला कहा गया है जो सैद्धांतिक ज्ञान की परीक्षा करता है। आज भी हम देखते हैं कि यज्ञ के नाम पर गांव-गांव में अपरिमित मात्रा में अन्न-घृति का होम किया जा रहा है परंतु इन यज्ञों को अग्नि होत्र ही कहा जाएगा। यज्ञ की श्रेणी में इन्हें कदापि नहीं रखा जा सकता। अग्नि होत्र को वायु शुद्धि का माध्यम भी बताया जा रहा है। **(24 मई 1986 के अंक में)**

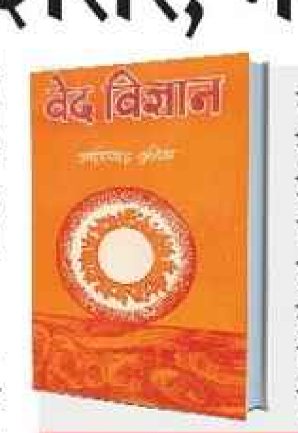

वेद में संपूर्ण सृष्टि के उद्भव, स्थिति और लय का संपूर्ण विवेचन किया है।

चार पुरुषार्थ दुनिया के सबसे बड़े आविष्कार

वेद में संपूर्ण सृष्टि के उद्भव, स्थिति और लय का संपूर्ण विवेचन किया गया है। दुर्भाग्य से वेद का यह स्वरूप हमारे देश से लुप्त हो गया और सदियों से लुप्त पड़ा है। वेद के विषय में हम जो कुछ पढ़ते हैं उसको देखकर-पढ़कर हम यह अर्थ नहीं निकाल सकते कि वेद क्या कहता है? उसमें क्या लिखा है? वेद जीवन के प्रति समग्र दृष्टि का प्रतिपादक है अतः वेद में मानव को शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा की समष्टि माना है। इन चारों पक्षों का निर्वाह करने के लिए ही धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष जैसे चार पुरुषार्थों का आविष्कार किया गया। सृष्टि के सुचारु संचालन के लिए चार पुरुषार्थों से बड़ा आविष्कार मानव सभ्यता ने आज तक नहीं किया। **(7 सितबर 1991 को वियना में)**

वैज्ञानिक हैं हमारे पुराण

भारतीय पुराण-शास्त्र कपोल कल्पित नहीं हैं। उनमें मिथक, रहस्य या कौतुक जैसी भी कोई बात नहीं है। हमारे पुराण विशुद्ध वैज्ञानिक आधार पर रचे हुए हैं। उनमें जो विचित्र, विलक्षण पात्र देखने को आते हैं वे सृष्टि के महान मौलिक तत्त्वों का प्रतीक हैं। वास्तविकता तो यह है कि पुराण ही वेदशास्त्र की पूंजी है। **(1 मार्च 1986 के अंक में)**

मेरी भोली भूलों को...

कुलिश जी अपने आत्मकथ्य 'धाराप्रवाह' में कहते हैं कि न तो मेरी कविताएं किसी प्रेरणा या संदर्भ की उपज हैं और न ही मेरे मन में कोई असाधारण चीज उपजती है लेकिन उनकी कविताओं का संसार असाधारण रहा...

मेरी भोली भूलों को अपराध न समझो।
मेरा आना-जाना जग में बन जाता है गाना-रोना।
मेरी सांसों के स्वर से, भर जाता जग का कौना-कौना।
दिल की धीमी धड़कन को उत्पात न समझो ॥
तुमने मांगे गीत सुरीले, मैंने कह दी राम कहानी,
नित-नूतन है मांग तुम्हारी, मैं दुहराता बात पुरानी।
मेरे शाश्वत स्वर को व्यर्थ विवाद न समझो ॥
दो पल हिल-मिलकर अपनों से कौन यहां मन की कह पाया।
अपनी वशता पर बोलो, किस का कण्ठ नहीं भर आया?
मेरे गीले गीतों को अपवाद न समझो॥ (कुलिश जी के काव्य संकलन से)

मूंडे नांव गरीब को, हिरदै वोट पुकार।
कूद चुनावां में पड़ो, भवसागर हो पार॥
-कर्पूर चन्द्र कुलिश की सात सैंकड़ा पुस्तक से

#Alarming Fact 78 दिन में 10262 बार लगी जंगल में आग, आर्गेनिक कार्बन एक बड़ी वजह

फोटो: त्रिलोचन मानिकपुरी।

हवा में नमी कम, इसलिए धधक रहे छत्तीसगढ़ के जंगल

एक्सक्लूसिव

देवेंद्र गोस्वामी
patrika.com

भिलाई. छत्तीसगढ़ के जंगल अचानक से धधक उठे हैं। मंगलवार को सिरपुर वन परिक्षेत्र में भयावह आग लगी थी। एक घंटे तक कोई बुझाने वाला नहीं आया। आसपास मिले ग्रामीणों से पूछने पर कि आग किसने लगाई, उन्होंने कहा जानकारी नहीं है। सिर्फ मंगलवार को पूरे छत्तीसगढ़ के जंगलों में आगजनी के 528 मामले हुए। बुधवार को 709 फायर कॉल आए। इस तरह वर्ष 2025 में अब तक 5997 मामले आगजनी के हो चुके हैं। जंगलों में आग लगने की तीन कारण बताए जाते हैं लेकिन वैज्ञानिकों ने इसकी एक नई वजह भी बताई है। उनका कहना है कि ऑर्गेनिक कार्बन के कारण हवा में नमी की मात्रा कम हो गई, इसलिए जंगलों में आग लग रही है।

पारिस्थितक तंत्र को नुकसान, रेंगने वाले जीवों पर असर

एक्सपर्ट से समझिए ऐसा क्यों? लॉस एंजिलिस व उत्तराखंड के जंगलों में आग के लिए यही जिम्मेदार

डॉ. शम्स परवेज, पर्यावरणविद और रसायनशास्त्री

ये है आर्गेनिक कार्बन

आर्गेनिक कार्बन अपूर्ण दहन की वजह से आता है। लो ग्रेडेड कोयला पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट और घरों में जलाया जा रहा है। कचरा जलाया जा रहा है। इनकी वजह से ऑर्गेनिक कार्बन आ रहा है। प्रदेश के में अभी भी गैस की जगह पारंपरिक तरीके से भोजन बनाया जाता है।

धूल में 55 से 60% कार्बन

जंगलों में आग की वजह जो पिछले दो-तीन सालों में देखने में आ रही है वह है हवा में नमी खत्म हो जाना। अभी 35 से 38 डिग्री तापमान में नमी का खत्म होना बहुत ही खतरनाक संकेत है। छत्तीसगढ़ समेत मध्य भारत में बड़ी मात्रा में वायुमंडल में ऑर्गेनिक कार्बन है।

पत्तों में रगड़ से भी लगती है आग

वायुमंडल में जो धूल है, उसमें 55 से 60 प्रतिशत तक कार्बन है। आर्गेनिक कार्बन हाइड्रोस्कॉपिक होता है। इससे हवा में नमी खत्म हो जाती है। ऐसे में पत्तों में रगड़ से आग लग जाती है। लॉस एंजिलिस में और उत्तराखंड में भी नमी खत्म होने के कारण ही आग लगी थी।

भूमिगत जल में कमी

सबसे अधिक नुकसान पारिस्थितिक तंत्र को है। इससे ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा और बढ़ रही है। पत्ती जलती है तब सफेद धुआं निकलता है। यही ऑर्गेनिक कार्बन है। इसी तरह नमी कम होती रही तो जमीन में वाष्पीकरण बढ़ेगा और भूमिगत जल का स्तर और नीचे जाएगा। इससे फसल की पैदावार और कम हो जाएगी।

इन तीन कारणों से भी लगती है आग

1. **तेंदूपत्ता तोड़ने वाले:** तेंदूपत्ता छोटे पौधों से तोड़ते हैं। इसके **लिए पौधों को छांटना** होता है। क्योंकि नए पौधे के पत्तों की गुणवत्ता अच्छी होती है। सभी पौधों को काटना संभव नहीं है, इसलिए जंगलों में आग लगा दी जाती है।
2. **महुआ बीनने वाले:** महुआ बीनने वाले भी जंगल में आग लगाते हैं। महुआ जमीन पर गिरता है तो पत्तों के कारण नहीं दिखता है। ऐसे में पत्तों को जलाने के लिए आग लगाई जाती है। आग लगाने से महुआ बीनने में ग्रामीणों को आसानी हो जाती है।
3. **शिकारी भी बड़ी वजह:** बस्तर और गरियाबंद के जंगलों में शिकार के लिए भी आग लगाते हैं। शिकारी एक तरफ हथियार लेकर इंतजार करते हैं और दूसरी तरफ आग लगाई जाती है। जिससे जानवर शिकारियों के निशाने पर आ जाते हैं।

जैसा नोवा वेलफेयर सोसायटी के एम. सूरज ने बताया

प्राचार्य बनने के लिए बीएड अनिवार्य या नहीं, हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर

बिलासपुर @ पत्रिका. प्रदेश में प्राचार्य प्रमोशन का मामला एक बार फिर हाईकोर्ट पहुंच गया है। इस बार प्राचार्य बनने के लिए बीएड की डिग्री अनिवार्य करने की मांग की गई है। वहीं, प्राचार्य पदोन्नति फोरम की तरफ से इस मामले में हस्तक्षेप याचिका दायर की गई है, जिसमें प्रशासनिक पद होने के कारण प्राचार्य के लिए बीएड को जरूरी नहीं माना गया है।

लेक्चरर अखिलेश त्रिपाठी ने प्राचार्य प्रमोशन को लेकर अपने वकील के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें कहा है कि जिस तरह से प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों के लिए डीएलएड डिप्लोमा अनिवार्य है। उसी तरह हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल शिक्षकों के लिए बीएड की डिग्री को अनिवार्य किया गया है। ऐसे में प्राचार्य प्रमोशन के लिए भी बीएड डिग्री को अनिवार्य किया जाए। याचिका में बताया गया है कि शिक्षकों की भर्ती के लिए न्यूनतम योग्यता राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने तय की है। लेक्चरर पद पर प्रमोशन के लिए बीएड की योग्यता भी एनसीटीई के तहत तय की गई है। इसी तरह प्राचार्य प्रमोशन के लिए भी योग्यता तय करने की मांग की गई है।प्राचार्य पदोन्नति फोरम की ओर से व्याख्याता लूनकरण ठाकुर ने अपने वकील के माध्यम से हस्तक्षेप याचिका दायर की है।

सीजीएमएससी: डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही का परिणाम

अस्पतालों-गोदामों में हर वर्ष 15 करोड़ की दवा हो रही एक्सपायर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर . सीजीएमएससी में हर साल 12 से 15 करोड़ रुपए की दवा एक्सपायर हो रही है। ये सीजीएमएससी, अस्पतालों में डॉक्टर, फार्मासिस्ट व नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही का नतीजा है। एक्सपायर होने वाली दवा प्रदेश के सबसे बड़े आंबेडकर अस्पताल में दवा के लिए स्वीकृत बजट का आधा है। यानी इतने रुपए में आंबेडकर अस्पताल आने वाले मरीजों को 6 माह तक दवा दी जा सकती है। वहां दवा का सालाना बजट 29 करोड़ रुपए है।

हाल में डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 40 से 50 हजार रुपए प्रति डोज वाला थक्का हटाने वाले इंजेक्शन टेनेक्टेज 20 मिग्रा एक्सपायर हुआ है। आरोप है कि ब्रेन स्ट्रोक के महिला मरीज को दो दिन पहले एक्सपायर इंजेक्शन लगा दिया गया। अस्पताल प्रबंधन इसकी पड़ताल कर रहा है कि आखिर किस स्तर पर लापरवाही हुई है। सीजीएमएससी के अधिकारी एक्सपायर दवा को आदर्श स्थिति बताते हैं। उनका दावा है कि सालाना 350 से 400 करोड़ रुपए की दवा खरीदी जाती है। एक्सपायर होने वाली दवा कुल बजट का 5 फीसदी भी नहीं है। पिछले साल जुलाई मे डीकेएस में 26 लाख रुपए का आईवी फ्लूड एक्सपायर हुआ था। पत्रिका की इस पड़ताल में पता चला कि दवा कॉर्पोरेशन के गोदामों व अस्पतालों में हर साल करोड़ों की दवा कालातीत हो जाती है। डीकेएस में जो आईवी फ्लूड एक्सपायर हुआ था, वह कैल्शियम मिक्स वाला था। ये आईसीयू में भर्ती मरीज व ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी के दौरान मरीजों को लगाया जाता है। एक्सपायर बोतलों की संख्या 30 हजार है। पत्रिका ने 30 जून के अंक में मरीजों को लगानी थी स्लाइन, पड़े-पड़े लाखों की ग्लूकोज की बोतल एक्सपायर शीर्षक से समाचार भी प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मामले में संज्ञान लिया है और प्रदेशभर से एक्सपायर होने वाली दवाओं की जानकारी मांगी थी।

पत्रिका लगातार आंबेडकर अस्पताल के सालाना बजट से आधी है राशि

एक्सपायर्ड इंजेक्शन लगाकर कहा- दो दिन ही हुए हैं, कुछ नहीं होता; इसके बाद मरीज को मार गया लकवा

7 मार्च 2025 को प्रकाशित

महंगी दवाइयों में लापरवाही, इसलिए हो रही एक्सपायरी...

8 मार्च 2025 को प्रकाशित

मई 2024 में हो गया था एक्सपायर

डीकेएस में जो आईवी फ्लूड एक्सपायर हुआ था, उसका बैच नंबर बी22एफ058ई है। यह जून 2022 में बना था और मई 2024 तक उपयोग किया जा सकता था। यह भिवाड़ी की फार्मास्युटिकल कंपनी में बनी है। दवा कॉर्पोरेशन ने आईवी फ्लूड डीकेएस समेत दूसरे अस्पतालों में भी सप्लाई किया है। चूंकि ये कैल्शियमयुक्त स्लाइन है तो इसे मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल व कुछ बड़े सीएचसी में उपयोग किया जा सकता है। 2012 में दवा कॉर्पोरेशन का गठन हुआ था। इसके बाद से दवाएं एक्सपायर होने की फेहरिस्त लंबी है।

इंजेक्शन नहीं होने पर बाहर से मंगाने की मजबूरी

डॉक्टरों की लापरवाही से यहां महंगा इंजेक्शन एक्सपायर हो रहा है। इधर, इंजेक्शन नहीं होने का हवाला देकर स्टाफ मरीज के परिजनों से बाहर से इंजेक्शन मंगाने पर मजबूर करते हैं। दूसरी ओर, सीजीएमएसी में ऑनलाइन सिस्टम डेवलप करने का दावा तो अधिकारी करते हैं, लेकिन नियर एक्सपायरी या एक्सपायरी होने वाली दवाओं को मरीजों को देने में नाकाम है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसा सिस्टम डेवलप किया जाना चाहिए, जो एक्सपायर होने से पहले सिस्टम अलर्ट कर दे। इससे दवाएं एक्सपायर नहीं होंगी और जनता की गाढ़ी कमाई बच जाएगी।

कैग रिपोर्ट: वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने सदन के पटल पर रखी

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में फिजूल खर्च हुए 369.98 लाख रुपए

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. विधानसभा में बुधवार को वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (कैग) से प्राप्त स्थानीय निकायों की रिपोर्ट सदन के पटल में रखी। कैग ने शहरी स्थानीय निकायों के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर अपनी रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट के मुताबिक योजना और आवश्यकता के बिना बुनियादी ढांचे, मशीनों और वाहनों की खरीदी गई है। इसके कारण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर 369.98 लाख रुपए का फिजूल खर्च हुआ है। कैग ने स्थानीय निकायों पर प्रतिवेदन मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए जारी किया है।

कैग ने छत्तीसगढ़ के 169 शहरी स्थानीय निकायों में से 16 शहरी स्थानीय निकायों को निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए चुना था। इसमें नमूने जांच के लिए 5 नगर निगम, 6 नगर पालिका परिषद और 5 नगर पंचायत शामिल थे। लेखापरीक्षा के दौरान यह पाया गया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए शहरी स्थानीय निकाय के आवश्यकता के अनुसार डीपीआर तैयार नहीं किया गया था। वर्ष 2017-22 के दौरान निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संचालन व्यय की तुलना में संचालन राजस्व 57 फीसदी कम था। इससे सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सेवा के लिए वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित नहीं किया जा सका।

अनाधिकृत डंपिंग

रिपोर्ट के मुताबिक एसएलआरएम और गोधन न्याय योजना को जोड़ने से कचरे के संग्रहण, पृथक्करण और प्रसंस्करण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इसके कारण कचरे को खुले में डंप किया जा रहा था। लेखापरीक्षा में नौ शहरी स्थानीय निकायों में 12 अनाधिकृत डंपिंग स्थल मिले। छह परंपरागत डंप स्थलों का उपचार भी नहीं किया गया था।

कॉलोनाइजर को 1.54 करोड़ का अनुचित लाभ

नगर पालिका परिषद कांकेर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए कम मूल्य वाली भूमि का हस्तांतरण किया गया। इसके कारण कॉलोनाइजर को 1.54 करोड़ रुपए का अनुसूचित वित्तीय लाभ पहुंचा। वहीं नगर निगम कोरबा में भूमि की अनुचित दर उपयोग किए जाने के कारण तीन कॉलोनाइजरों को 76 लाख रुपए के कम की वसूली हुई। कोरबा में ही ठेकेदार को कार्य में प्री-स्ट्रेस्ड सीमेंट कंक्रीट पाइप का उपयोग किए जाने पर प्री-कास्ट कंक्रीट पाइप के लिए लागू उच्च दरों पर भुगतान किया गया।

बिलासपुर-कवर्धा-बगीचा पर 164 करोड़ का कर्ज: राज्य सरकार विभिन्न विकास कार्यों के लिए स्थानीय निकायों को कर्ज देती है। 31 मार्च 2022 को नगर निगम बिलासपुर, नगर पालिका परिषद कवर्धा और नगर पंचायत बगीचा पर 164. 86 करोड़ का कर्ज बकाया था। वर्ष 2021-22 के दौरान 2.94 करोड़ के मूलधन और 0.55 करोड़ के ब्याज का भुगतान किया गया था।

रायगढ़: हाथियों ने सब्जी की फसल को पहुंचाया नुकसान

रायगढ़ @ पत्रिका. रायगढ़ वन मंडल में फिर से जंगली हाथियों का आतंक शुरू हो गया है। जिससे रात होते ही ग्रामीणों की परेशानी बढ़ जाती है, ऐसे में इन दिनों अब किसानों के सब्जी फसल को नुकसान पहुंचाने लगे हैं, जिससे जुनवानी क्षेत्र के करीब दर्जनभर किसानों के मुंगफली व सब्जी के फसल को हाथियों ने रौंद दिया है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से लगे जुनवानी सर्किल में इन दिनों 6 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। जो आए दिन जंगल से निकल कर कभी सड़क में तो कभी सब्जी फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे अब ग्रामीण जानमाल को लेकर काफी चिंतित है। ऐसे में विगत दो दिनों से दो हाथी जंगल से निकलकर किसानों के बाड़ी में पहुंच जा रहे हैं, जो फसल को खाने के साथ-साथ पैरों तले रौंद दे रहे हैं। वहीं बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात भी दो हाथी जंगल से निकल कर जुनवानी बस्ती में पहुंच गए थे और किसानों के सब्जी बाड़ी व मुंगफली की फसल को नुकसान पहुंचा रहे थे। ऐसे में जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को लगी तो इसकी सूचना वन विभाग को देते हुए उसे भगाने की जुगत में लग गए, लेकिन जब तक वे हाथी को भगा पाते तब तक काफी फसल को रौंद चुके थे।

विपक्ष ने विद्यार्थियों की मौत का आंकड़ा छिपाने का लगाया आरोप

आश्रम-छात्रावासों में हुई मौतों पर सदन में हंगामा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. विधानसभा के बजट सत्र में बुधवार को बस्तर संभाग में संचालित आश्रम व छात्रावासों में विद्यार्थियों की हुई मौत का मुद्दा उठा। इस दौरान विपक्ष ने आरोप लगाया कि मौत के आंकड़ों को छिपाया जा रहा है। मंत्री से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए बहिर्गमन कर दिया।

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल ने इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा, पिछले तीन वर्ष में 40 बच्चों की मौत हुई है। जबकि सदन में 17 मौतों की जानकारी दी जा रही है। शीतकालीन सत्र के दौरान भी गलत जानकारी दी गई थी। इस पर मंत्री रामविचार नेताम की अनुपस्थिति में मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि आपने सिर्फ ट्राइबल विभाग की जानकारी मांगी थी। उसके हिसाब से जानकारी दी गई है। वर्ष 2023-24 में दो मौतें हुई। इस पर विधायक बघेल ने कहा, मेरी जानकारी में अकेले बीजापुर में 10 मौतें हुई हैं। इसे छिपाया गया है। मंत्री के पास मृतकों की जानकारी नहीं है। पिछली बार गलत जानकारी देने वाले अफसरों पर कार्रवाई की बात कहीं गई थी। उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई। सभापति धर्मजीत सिंह ने कहा कि आपके पास जो तथ्य हैं दे दे मंत्री परीक्षण करवा लेंगे। बघेल ने कहा, दिखवा लेने से काम नहीं चलेगा। बच्चों की मौत का गंभीर मामला है। इस पर कांग्रेस के अन्य विधायक भी खड़े होकर आरोप लगाने लगे। मंत्री केदार कश्यप ने नाराजगी जताते हुए विपक्ष से ये सवाल पूछ लिया कि, कांग्रेस सरकार में जगरगुंडा में राशन किसने खाया? इस टिप्पणी पर विपक्ष ने की सदन में नारेबाजी की और फिर बहिर्गमन कर दिया।

नलकूप खनन में धांधली, मंत्री ने दिया जांच का आश्वासन: प्रश्नकाल में भाजपा विधायक भावना बोहरा ने कबीरधाम जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति के खेतों में ट्यूबवेल खनन का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा, पीएम जनमन योजना के तहत बहुत सारे कार्यक्रम चलते हैं। लगातार योजना बनाकर काम कर रहे हैं।

मंत्री बोले- पिछली सरकार ने सिर्फ कॉलेज खोले, भर्ती नहीं की

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने उद्यानिकी और वानिकी कॉलेजों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 15 महाविद्यालय के नाम में अनुसंधान केंद्र का नाम जुड़ा है। उन्होंने पूछा क्या अनुसंधान होता है। इस पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा, वर्तमान में अनुसंधान नहीं हो रहे हैं। विधायक चंद्राकर ने कॉलेजों में स्वीकृत और रिक्त पदों की जानकारी पूछी। मंत्री कश्यप ने बताया कि 692 रिक्त पदों में से 69 पद भरे हैं और 623 पद रिक्त है। इस पर विधायक ने पूछा, कॉलेजों में पढ़ाई कैसे होती है। मंत्री ने बताया 50 नियमित स्टॉफ है। 41 पार्ट टाइम और 62 अतिथि के तौर पर काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने सिर्फ कॉलेज खोले थे, लेकिन भर्ती नहीं की थी। मौजूदा सरकार में 181 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। विश्वविद्यालय में भर्ती के मामले में राज्यपाल से शिकायत हुई है।

30 फीट ऊंचा नक्सल स्मारक ध्वस्त

बीजापुर . जिले के धुर नक्सल प्रभावित उसूर थाना क्षेत्र के पूजारी कांकेर इलाके में नक्सलियों के बनाए 30 फीट ऊंचे स्मारक को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया। इन दिनों सुरक्षाबल नक्सलियों के खात्मा के लिए संकल्प मार्च 2026 के तहत कार्य कर रहे हैं। वे नक्सलियों के आधार इलाके में दबिश दे रहे हैं। यह स्मारक भीमाराम-पुजारीकांकेर एक्सेस पर बनाया गया था।

हाईकोर्ट: दायर अवमानना याचिका पर आदेश

शिक्षिका को 23 अप्रैल तक क्रमोन्नत वेतनमान दें

बिलासपुर @ पत्रिका . क्रमोन्नत वेतनमान के लिए शिक्षिका सोना साहू की अवमानना याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने 23 अप्रैल तक याचिकाकर्ता को क्रमोन्नत वेतनमान के एरियर्स का भुगतान करने के निर्देश शिक्षा विभाग को दिए हैं। उल्लेखनीय है कि क्रमोन्नति के मामले में सुप्रीम कोर्ट से राज्य शासन की एसएलपी खारिज होने हो चुकी है। शिक्षिका सोना साहू ने पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उस पर कोर्ट द्वारा दिए आदेश का पालन न होने पर उसने अवमानना याचिका दायर की थी। बता दें कि लंबे समय तक प्रमोशन न मिलने पर शिक्षकों ने 2013 में सरकार से मांग की थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने 10 साल की सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों को क्रमोन्नत वेतनमान देने का ऐलान किया था। शिक्षकों के लगातार विरोध को देखते हुए सरकार ने एक साल बाद समतुल्य वेतनमान देने का निर्णय लिया, और इसके साथ ही क्रमोन्नति वेतनमान का आदेश रद्द कर दिया।

लगातार

पत्रिका
18 मार्च 2025 को प्रकाशित

धरोहर: विश्व गौरव बनाने का मुद्दा लोकसभा में उठाया

महासमुंद सांसद ने की सिरपुर के लिए ठोस योजना बनाने की मांग

रायपुर @ पत्रिका . सिरपुर को विश्व धरोहर बनाने की मुहिम को लेकर महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने लोकसभा में आवाज उठाई। शून्य काल के दौरान सिरपुर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक धरोहर को उजागर करते हुए केंद्र और राज्य सरकार से इसके उत्खनन और संरक्षण के लिए ठोस योजना बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सिरपुर न केवल 5वीं से 8वीं शताब्दी के दौरान दक्षिण कोसल की राजधानी रहा, बल्कि यह बौद्ध, जैन और हिंदू संस्कृति के समन्वय का जीवंत उदाहरण भी है। यहां लक्ष्मण मंदिर, राम मंदिर, गंधेश्वर महादेव मंदिर सहित कई ऐतिहासिक धरोहर हैं, जो भारतीय स्थापत्य और मूर्तिकला की उत्कृष्ट कृतियां हैं। सांसद ने केंद्र सरकार से यह भी अनुरोध किया कि सिरपुर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

लगातार

विश्व धरोहर की सूची में सिरपुर नहीं, क्योंकि नहीं जुटा पाए पर्यटन सुविधाएं

पत्रिका
19 मार्च 2025 को प्रकाशित

दीखै नाँही नाक सूँ, आगै की तसवीर।
डींगा हाँकै देस की, बणा रह्या तकदीर॥
-कर्पूर चन्द्र कुलिश की सात सैंकड़ा पुस्तक से

ईओडब्ल्यू ने धान खरीदी घोटाले में दर्ज कीं 20 से ज्यादा एफआइआर

भोपाल @ पत्रिका. प्रदेश की धान उपार्जन समितियों द्वारा किए 33000 क्विंटल की हेराफेरी के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की टीम की कार्रवाई जारी है। जानकारी के मुताबिक मामले में ईओडब्ल्यू ने 20 से ज्यादा एफआइआर दर्ज की हैं। विभिन्न जिलों के उपार्जन समितियों के 100 से ज्यादा पदाधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। ईओडब्ल्यू की प्रदेशभर में 25 टीमें मामले की पड़ताल कर रही हैं। अभी एफआइआर और आरोपियों की संख्या और बढ़ेगी। क्योंकि लगातार इस घोटाले से जुड़ी कड़ियां खुलती जा रही हैं।

घोटाले को लेकर ईओडब्ल्यू ने 14 से ज्यादा जिलों में छापेमारी की हैं। इसमें 170 से ज्यादा उपार्जन समितियों और 140 से ज्यादा वेयरहाउस में कार्रवाई की गई है। ज्यादा गड़बड़ी बालाघाट, जबलपुर, डिंडोरी, रीवा, सतना, मैहर, सागर, पन्ना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, श्योपुर सहित अन्य जिलों में पाई गई है।

विधानसभा में भी उठा धान घोटाले का मुद्दा: यह मुद्दा विधानसभा में जबलपुर के पाटन से भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने हाल ही में उठाया था। सदन में कहा था कि पांच करोड़ से ज्यादा का घोटाला हुआ। यह भी कहा कि फर्जी आरओ जारी किए गए। जांच में देरी पर भी सवाल खड़े किए। कहा कि एक माह से ज्यादा समय में भी अब तक जांच पूरी नहीं हो पाई।

न्यूज विंडो

हैप्पीनेस पर नेशनल सेमिनार आज से भोपाल में

भोपाल @ पत्रिका. राज्य आनंद संस्थान की ओर से दो दिवसीय नेशनल सेमिनार ऑन हैप्पीनेस का आयोजन गुरुवार से किया जाएगा। सुबह 10 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 5.45 बजे शामिल होंगे। आनंद दिवस पर हो रहे कार्यक्रम के बारे में संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि आनंद के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान एवं परिचर्चा होगी। पहले दिन प्रो. रजनीश अरोड़ा, स्वामी समर्पणानंद, डॉ. एन. रविचंद्रन, रिटायर्ड आईपीएस मुकेश जैन आदि के व्याख्यान होंगे। बच्चों में मानवीय मूल, आंतरिक आनंद की अनुभूति विषय पर भी परिचर्चा होगी।

विधानसभा में आज होली और फाग महोत्सव

भोपाल @ पत्रिका. मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा गुरुवार को विधानसभा के मानसरोवर सभागार में फाग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह शाम 7 बजे से शुरू होगा। सीएम के मुख्य आतिथ्य में होने वाले कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। इसमें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सरकार के मंत्री, विधायक उपस्थित रहेंगे। आयोजन संस्कृति विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। मुख्य आकर्षण दिल्ली का लोकप्रिय पॉप ग्रुप साधो बैंड रहेगा। संगीतमय प्रस्तुतियां भी होंगी। ये समूह लोक-पॉप शैली के संयोजन के अभिनव प्रयोग के लिए जाना जाता है।

बुंदेलखंड में पलायन का दंश: सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ में हालात खराब

पंचमी के परिंदे हैं

10 से 12 लाख लोग रोजी-रोटी की तलाश में जाते हैं दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, नागपुर, मुंबई, सूरत, हरियाणा और जम्मू तक

दाना चुगने फिर घर-द्वार छोड़ जाएंगे

पत्रिका बिग इश्यू

प्रवेंद्र तोमर
patrika.com

सागर. बुंदेलखंड की माटी में जन्मे 10-12 लाख लोग अब वहीं के प्रवासी 'परिंदे' बनकर रह गए हैं। होली, दीपावली त्योहारों पर ये घर लौटकर आशियाने रोशन करते हैं। त्योहार खत्म होते ही दाने की तलाश में चले जाते हैं। ऐसे ही होली त्योहार पर इस बार भी घर लौटे। चिड़िया के घोंसले की तरह घर आबाद किया। पांच दिवसीय त्योहार पर अलग-अलग रंगों से घर में जान डाली। मिल-जुलकर फाग गाए। चंद दिन बाद ये लोग अब फिर घर-द्वार छोड़ जाएंगे।

खूब बरसा रंग

छतरपुर के झमटुली गांव के काफी लोग पलायन करते हैं। होली पर घर लौटे इन लोगों ने होलिका दहन के बाद से ही फाग की महफिल सजाई। यह रंगपंचमी तक चली। गांव के गणेश पाल, संतोष पाल, प्रकाश मजदूरी करने के लिए जम्मू जाते हैं। त्योहार बाद फिर ये पलायन कर जाएंगे।

गांवों में सन्नाटा

दमोह के वर्धा गांव में 40 वर्ष से भी ज्यादा समय से लोग पलायन कर रहे हैं। त्योहार के समय गांव आबाद रहे। गुरुवार से सूने होने लगेंगे। मई-जून में गांवों की ऐसी स्थिति हो जाती है मानो कोई महामारी फैल गई हो। आधार सेंटर भी इन लोगों के लौटने पर खुलते हैं।

रंग साफ कर जाते हैं: त्योहार बाद घर को झाड़ते-पोंछते हैं। रंग समेटकर ताला डालकर चले जाते हैं। वर्धा गांव में अभी से पलायन शुरू हो गया है। वजह, ऐन मौके पर ट्रेनों में जगह न मिलना है। नमई आदिवासी बताते हैं कि अब दिल्ली जाएंगे।

पांच पीढ़ियों से चला आ रहा पलायन

कई गांव ऐसे हैं जहां पांच पीढ़ियों से पलायन हो रहा है। उदाहरण गांव दमोह, छतरपुर और टीकमगढ़ जिले के हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में पानी की काफी कमी है। भीषण गर्मी में पीने के लिए पानी तक नहीं होता। कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है। ये पलायन रबी की फसल और त्योहार के बाद ज्यादा होता है।

सबसे ज्यादा पलायन

दमोह: जबेरा, तेंदूखेड़ा, हटा, पटेरा, वर्धा, बटियागढ़, रोंढ़ा, खेजरा, बोरी, सिकरदा, सगरोन बछामा कल्कुआं, चौरईया दमोतीपुरा, रजपुरा क्षेत्र

टीकमगढ़: जतारा, खरगापुर, खरगापुर, बल्देवगढ़।

छतरपुर: चंदला, लवकुशनगर, राजनगर, नौगांव, महाराजपुर, बिजावर तहसील के गांव।

सागर: बंडा, सुरखी, देवरी तहसील से ज्यादा पलायन।

विशेषज्ञ बोले- दो तरह से रुक सकता है पलायन

बुंदेलखंड मध्यप्रदेश का ऐसा क्षेत्र है, जहां से सबसे ज्यादा पलायन होता है। इसे रोकने के लिए दो प्रयास असरदार साबित हो सकते हैं। पहला लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएं और दूसरा स्वास्थ्य व शिक्षा की व्यवस्था स्तरीय हो। कोरोना काल में जब लोग बाहर थे तो उनके सामने समस्या थी कि उनके साथ वहां कोई नहीं था। इस वजह से लोग अपने जिले और गांव में रहना तो चाहते हैं, लेकिन जब उन्हें रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य की सही सुविधा नहीं मिल पाती तो वे पलायन कर जाते हैं।

-**प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत,** एचओडी, समाजशास्त्र विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर

गांव में रोजगार नहीं है। पिता के समय से ही हमारा पूरा परिवार मजदूरी करने के लिए दिल्ली जा रहा है। पंचमी के बाद अब वापस जाने की तैयारी है।

प्रीतम अहिरवार, ग्राम इमलिया

35 साल से मजदूरी के लिए हरियाणा जाते हैं। बच्चों के जन्म से लेकर विवाह तक मजबूरी से किया है। होली पर रिश्तेदारों से मिलना हो जाता है। नवरात्र में देवी दिवालों की पूजा कर फिर मजदूरी के लिए निकल पड़ते हैं।

गोमती, वर्धा गांव

पुलिस प्रशासन को हाई अलर्ट के निर्देश

सीएम की सख्ती, बोले- फिर न हो ऐसी घटना

मऊगंज हिंसा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मऊगंज घटनाक्रम के मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया है। ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं हों, इसे लेकर भी तैयारी की जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के वरिष्ठ अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा है कि भविष्य में ऐसी कोई भी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने मऊगंज के कलेक्टर और एसपी को हटाने की जानकारी दी। कहा, घटना स्थल पर प्रभारी मंत्री को भेजा गया है।

कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री अधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं। उन्होंने प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं, क्योंकि पिछले एक सप्ताह से लगातार पुलिसकर्मियों पर हमले और कानून व्यवस्था को लेकर सड़क से लेकर सदन तक सवाल खड़े हो रहे हैं।

रीवा रेंज आइजी की तैनाती जल्द

विवादों में रहने वाले पुलिस अफसरों की हो रही लिस्टिंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. पुलिस मुख्यालय ने फील्ड में तैनात उन अफसरों की सूची तैयार करवाई है, जहां कानून व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं या उन जिलों के एसपी जिनका विवादों से जुड़ाव रहा है। अब कभी भी पुलिस अधिकारियों की तबादला सूची जारी हो सकती है।

हाल ही में कटनी एसपी अभिजीत रंजन को लेकर काफी विवाद हुआ। दमोह में पदस्थ तहसीलदार ने एसपी पर परिवार विखंडित करने और पत्नी को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया। इसका सीएसपी पत्नी ने खंडन किया। उसके बाद चंद दिनों बाद बच्ची में बैठकर एसपी का होली खेलने का फिर वीडियो वायरल हुआ। ऐसे अफसरों की रिपोर्ट तैयार की गई है।

उधर, मऊगंज घटनाक्रम के बाद से रीवा रेंज पुलिस महानिरीक्षक की तैनाती की कवायद भी तेज हो गई है। जानकारी के मुताबिक पहली सूची में ही आइजी की तैनाती भी की जाएगी। क्योंकि महेंद्र सिकरवार के सेवानिवृत्त होने के करीब ढाई माह से आइजी का पद खाली है।

अब तक 29 आरोपियों को दबोचा

दो महिलाएं खेत से गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रीवा. मऊगंज जिले के गड़रा कांड के आरोपी खड़ी फसल के बीच छिपकर पुलिस को चकमा दे रहे हैं। हाल ही में नईगढ़ी थाने के नईदिल्ली प्लाट में कुछ महिलाओं के छिपे होने की सूचना मिली। पुलिस ने दबिश दी। भनक पाते ही महिलाएं पास के गेहूं के खेत में घुस गईं। पुलिस काफी देर तक तलाश करती रही, बाद में खेत से गिरफ्तार कर लिया गया। महिलाओं से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने जरा, महदेवन सहित अन्य गांवों में भी दबिश दी है। ज्यादातर फरार आरोपी खेतों में छिपे रहते हैं। रात को रिश्तेदारों के यहां लौट आते हैं।

आपबीती: पकड़ने लगे तो आरोपियों ने किया हमला

कमरे में युवक की मौत हो चुकी थी। आरोपियों को पकड़ने के लिए एसडीओपी ने बोला। हम लोग उनको पकड़ने लगे, तभी हमला हुआ। हमले के बाद हमारी आंखों के सामने धुंधला छाने लगा। उसी समय आरोपियों ने एएसआइ रामचरण गौतम को पकड़ लिया। हमारी आंखों के सामने हमला कर दिया। दो लोग उनके हाथ पकड़े हुए थे। एक व्यक्ति उनसे मारपीट कर रहा था।

जवाहर सिंह यादव, एएसआइ

बिजली कंपनी का मामला: संविदा नियुक्ति को लेकर हाईकोर्ट की युगलपीठ ने बदला फैसला

अदालत नहीं दे सकती सीधे नियुक्ति के आदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मप्र हाईकोर्ट ने संविदा नियुक्ति के मामले में अपना फैसला बदल दिया। एकलपीठ ने बीते साल एक फैसला दिया था। उसके मुताबिक बिजली कंपनी को संविदा नियुक्ति के लिए आदेश जारी किया था। इसकी अपील बिजली कंपनी द्वारा की गई थी, जिसकी सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अपने पुराने फैसले को बदल दिया और कंपनी को नियुक्ति के आवेदन पर विचार कर फैसला लेने के लिए कहा।

2023 में आकाश सिंह कछवाहा ने याचिका में दावा किया था कि पिता विक्रमसिंह वरिष्ठ लाइन अटेंडेंट के रूप में काम करते थे। सेवा के दौरान दुर्घटना के चलते 6 फरवरी 2016 को मृत्यु हो गई। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया, जो कंपनी ने खारिज कर दिया। कारण तय समयसीमा और तय प्रारूप में आवेदन नहीं करना बताया था। 4 सितंबर 2024 को कोर्ट ने याचिका स्वीकार करने के साथ ही कंपनी को परिणामी लाभों के साथ युवक को नियुक्ति देने के आदेश जारी किए थे।

तीन अलग-अलग किस्तों में लिया गया है कर्ज

सरकार ने छह हजार करोड़ का कर्ज और लिया, इस महीने में तीसरी बार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. रंगपंचमी के दिन सरकार ने 6 हजार करोड़ रुपए का कर्ज और ले लिया। कर्ज 2000-2000 करोड़ की तीन किस्त में लिया गया है। इसे सरकार 7 साल, 21 साल और 24 साल में चुकाएगी। 12 मार्च को सरकार ने सदन में बजट पेश किया। इसके सात दिन बाद कर्ज ले लिया गया। चालू वित्तीय वर्ष में सरकार ने 11वीं बार यह कर्ज लिया है। मार्च में ही तीसरी बार कर्ज लिया गया है।

सरकारी रिकार्ड पर नजर डाली जाए तो मार्च की शुरुआत में यानी पांच तारीख को 2000-2000 हजार करोड़ का कर्ज तीन अलग-अलग किस्तों में (14 साल, 20 साल और 23 साल के लिए) लिया गया। फिर 7 दिन बाद 12 मार्च को दो किस्तों में कर्ज लिया। अब 19 मार्च को फिर से तीन किस्तों में कर्ज लिया।

राज्य का कर्ज बजट से ज्यादा हो गया है। 2026 में कर्ज 4.99 लाख करोड़ हो जाएगा, जबकि नए वित्तीय वर्ष के लिए सरकार ने 4.21 लाख करोड़ का बजट पेश किया है।

कांग्रेस ने मनाई कर्ज की होली

बुधवार को कांग्रेस ने विरोधस्वरूप कर्ज पंचमी मनाई। वरिष्ठ नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में भोपाल में कार्यकर्ताओं ने राहगीरों को गुलाल लगाकर कर्ज के बारे में जानकारी दी। आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्टाचार करने के लिए कर्ज ले रही है। इस दौरान कार्यकर्ता तख्तियां लिए थे। इनमें कर्ज के विरोध में स्लोगन लिखे थे। उनका कहना है कि सरकार कर्ज की रकम कहां ले

पर्यावरण विभाग की रिपोर्ट: प्रदेश की वाटर बॉडीज के लिए मिले बजट में से नाममात्र खर्च

एप्को अब पर्यावरण और जल संरचनाओं के संरक्षण को पीछे छोड़ बनवा रहा भवन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में पर्यावरण सुधार और परामर्श संबंधी काम करने के लिए गठित पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) का ध्यान अब पर्यावरण संबंधी कार्यों की बजाय निर्माण संबंधी गतिविधियों पर ज्यादा है। जल संरचनाओं के संरक्षण के काम भी लगभग ठप हैं। जबकि सीएम राइज स्कूलों की डिजाइन, कॉलेज सहित अन्य भवनों के निर्माण और उसकी डीपीआर आदि पर एप्को का ज्यादा फोकस हो गया है। क्योंकि इसमें पैसा मिलता है। अर्बन वाटर बॉडीज के लिए सरकार की ओर से एप्को को मिले लगभग 9 करोड़ के बजट में से 2024-25 में केवल 13 लाख ही खर्च हो पाए। प्रदेश के विभिन्न जलाशयों के संरक्षण के लिए केन्द्र से मिली करोड़ों की राशि में से एक भी पैसा खर्च नहीं किया गया।

भोज वेटलैंड के लिए कोई खर्चा नहीं

पर्यावरण विभाग के प्रशासकीय प्रतिवेदन में बताया गया है कि अर्बन वाटर बॉडीज के लिए एप्को के पास राज्य सरकार की ओर से मिला कुल 8.76 करोड़ का फंड उपलब्ध था, लेकिन 2024-25 में 13.49 लाख ही खर्च हुए। वेटलैंड संरक्षण के लिए भी 1.42 करोड़ में से 85 लाख खर्च हुए। भोपाल के तालाबों से संबंधित भोज वेटलैंड के लिए भी अलग से 53.32 लाख में से एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ। राष्ट्रीय नदी संरक्षण स्कीम के बजट में से भी एक पैसा खर्च नहीं हुआ।

विधानसभा में पर्यावरण विभाग द्वारा पेश 2024-25 के प्रशासकीय प्रतिवेदन में यह जानकारी सामने आई है। ज्ञात रहे कि पर्यावरण विभाग द्वारा एप्को की स्थापना पर्यावरण क्षेत्र में काम करने 5 जून 1981 को की गई थी। इसके बाद से एप्को द्वारा जलस्रोतों की जांच और संरक्षण, बायोस्फीयर रिजर्व आदि की स्थापना, वेटलैंड संरक्षण, पर्यावरण संबंधी जागरूकता आदि के काम कर रहा है। 2024-25 में यह स्थिति बदल चुकी है। एप्को को नेशनल रिवर, लेक कंजर्वेशन प्लान के तहत केंद्र से भी राशि मिलती है। सीता सागर दतिया के लिए मिले 5.21 करोड़ में से 69.63 लाख खर्च हुए। सागर झील, शिवपुरी झील, सिरपुर लेक इंदौर, अमृत सागर लेक रतलाम, सिंध सागर ईसागढ़ अशोकनगर, भोज वेटलैंड भोपाल के लिए उपलब्ध 8 करोड़ से अधिक के फंड में से 2024-25 में कुछ भी खर्च नहीं हुआ।

करीला धाम में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

अशोकनगर @ पत्रिका. प्रदेश के सबसे बड़े मेले करीला धाम पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। करीब 10 किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़ ही भीड़ नजर आ रही थी। भीड़ ने पिछले वर्षों के सभी रेकॉर्ड तोड़ दिए। स्थिति यह रही कि जिसे जहां से जगह मिली वहीं से करीला पहुंचने का रास्ता बना लिया और पहाड़ियों पर ऊबड़खाबड़ रास्तों से हजारों लोग जाते दिखे। करीला में संगीत, नृत्य, साधना व श्रद्धा का अनोखा संगम नजर आया। मां जानकी के दरबार में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और लव-कुश के जन्म का उत्सव मनाया।

अनाज भंडारण नेता प्रतिपक्ष के सवाल के लिखित जवाब में खाद्य मंत्री ने दी जानकारी

निजी गोदामों का 4136 करोड़ किराया चुकाएगी सरकार

करोड़ों भुगतान के बावजूद गेहूं सड़ रहा, कहीं धान की जगह भूसा भरकर ले लिया किराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में अनाज का उत्पादन बढ़ा है। भंडारण के लिए वेयर हाउस भी बढ़ रहे हैं, लेकिन निजी। हालत यह है कि मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के केवल 1666 गोदाम हैं, जबकि निजी की संख्या 4615 हो गई है। इन गोदामों का पिछले पांच साल का किराया 4136 करोड़ रुपए बना है। यह सरकार भुगतान कर रही है। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि प्रदेश में निजी वेयरहाउस का धंधा फल-फूल रहा है। इसके बावजूद गेहूं सड़ रहा है तो कहीं धान की जगह गोदामों में भूसा भरकर लाखों रुपए किराया लिया जा रहा है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के सवाल के लिखित जवाब में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने वेयरहाउस की जानकारी दी। बताया गया है कि प्रदेश में वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के स्वनिर्मित 1593 और बीओटी वाले 73, कुल 1666 गोदाम हैं। निजी गोदाम 4615 हैं। कॉर्पोरेशन द्वारा 2008-09 से संयुक्त भागीदारी योजना के तहत निजी वेयरहाउस को अनुबंधित कर भंडारण किया जा रहा है। इस प्रकार पिछले 16 साल से निजी गोदामों में भंडारण किया जा रहा है।

4 गुना ज्यादा भंडारण

मंत्री राजपूत ने अपने लिखित जवाब में यह भी बताया है कि पिछले पांच साल में निजी गोदामों में 11 करोड़ 68 लाख 11 हजार 810 मीट्रिक टन अनाज का भंडारण किया गया है। सरकारी गोदामों में तीन करोड़ 33 लाख 44 हजार 450 मीट्रिक टन अनाज का भंडारण हुआ। इस प्रकार निजी गोदामों में सरकारी से लगभग चार गुना ज्यादा भंडारण किया गया है।

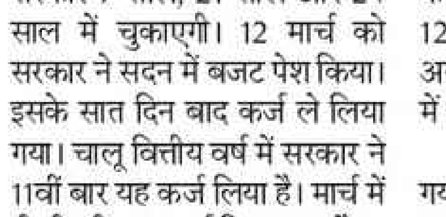

पांच वर्ष में निजी गोदामों को भुगतान

क्षेत्र	भुगतान	बाकी
ग्वालियर	69.42	10.33
भोपाल	1095.16	956.33
नर्मदापुरम	366.81	98.19
सागर	113.85	1.7
रीवा	137.31	13.04
इंदौर	148.98	64.03
उज्जैन	384.84	0.32
जबलपुर	519.76	155.94

(राशि करोड़ में)

यहां तेजी से भुगतान

सरकार पांच साल में निजी गोदाम मालिकों को 2836.13 करोड़ रुपए दे चुकी है। 1299.88 करोड़ का भुगतान बाकी है। भोपाल में ज्यादा बकाया है। सागर और उज्जैन क्षेत्रों के निजी गोदामों का बकाया नाममात्र का है। यहां सबसे तेजी से भुगतान हुआ है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि निजी वेयर हाउस का धंधा प्रदेश में फल-फूल रहा है। फिर भी पिछले साल 10 लाख टन गेहूं सड़ गया। हर साल सड़ता है।

विभागीय जांच में बरी, तभी पदोन्नति

ग्वालियर. हाईकोर्ट की युगल पीठ ने उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें एकल पीठ ने कहा था, डीपीसी के पहले कोई विभागीय जांच या आरोप पत्र जारी हुआ है तो पदोन्नति पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। कोर्ट ने कहा, डीपीसी के पहले अधिकारी व कर्मचारी की कोई विभागीय जांच लंबित है और आरोप पत्र मिला है तो लिफाफा बंद होगा। विभागीय जांच में दोषमुक्त होने के बाद ही पदोन्नति मिल सकेगी।

बच्चे के गले में अटका चना, मौत

रीवा. चने ने दो साल के बच्चे की जान ले ली। दर्दनाक घटना सगरा थाने के सराई गांव में हुई। यहां विष्णु साहू के दो वर्षीय पुत्र रौनक साहू के चना फंस गया। बुधवार शाम परिवार के सदस्य घर में चना चबा रहे थे। रौनक खेलते हुए आया और एक दाना खा लिया।

धार बस से बैग उड़ाने वाले चोर पर शिकंजा

धनबाद में 3 माह पूर्व की एक करोड़ की चोरी, धार में पकड़ाया

धार @ पत्रिका. तीन महीने पहले बिहार के मुजफ्फरपुर जा रही एक यात्री बस से एक ट्रॉली बैग में रखे एक करोड़ से अधिक के सोने-चांदी के जेवरात सहित 2 लाख रुपए चोरी कर फरार हुए बदमाश को पुलिस ने धार जिले के खेरवा जागीर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की तलाश में धनबाद (झारखंड) की पुलिस मनावर पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी अकरम (35) पिता सत्तार खान निवासी खेरवा जागीर चौकी उमरबन ने 22 दिसंबर 2024 को मुजफ्फरपुर जा रही बस से बैग चुराया था। मोतीउर्रहमान निवासी शाहपुर जुनैद थाना सकरा जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) ने की थी। मोतीउर्रहमान अपनी बेटी की शादी के लिए कपड़े, जेवरात और अन्य कीमती सामान लेकर बेटे के साथ बस से गांव आ रहा था। रात करीब 11.15 बजे धनबाद में एक रेस्टोरेंट के बाहर बस को ड्राइवर ने रोका और सभी यात्रियों को कहा कि वह खाना खा ले, क्योंकि इसके बाद बस आगे कहीं नहीं रुकेगी।

लोकल पुलिस ने इनपुट लेकर पकड़ा

आरोपी अकरम के संबंध में जानकारी मिलने पर झारखंड पुलिस उसे ढूंढते हुए मनावर पहुंची। जहां लोकल पुलिस से इनपुट लेकर गांव खेरवा पहुंची। मनावर टीआई ईश्वरसिंह चौहान की टीम ने गांव में आरोपी अकरम को धरदबोचा।

आरएसएमएम भी नहीं निकाल पा रहा इसलिए लोगों को नहीं मिल रही सस्ती बजरी

ईसी नहीं मिलने से प्रदेश में हो रहा बजरी का अवैध दोहन

सुरेश जैन
patrika.com

भीलवाड़ा. राजस्थान में ईसी (एनवायरमेंट क्लीयरेंस) न मिलने के कारण बजरी का अवैध खनन का खेल खेला जा रहा है। इससे सस्ती दर पर बजरी उपलब्ध नहीं हो पा रही। सुप्रीम कोर्ट ने बजरी खनन पर नवंबर-2017 में रोक लगाई थी। उसके बाद से बजरी खनन के लिए ईसी (पर्यावरण स्वीकृति) की प्रक्रिया लागू की। सरकार चाह कर भी लोगों को न तो सस्ती बजरी दे पा रही और ना समय पर ईसी दे पा रही है। इसके कारण राजस्थान में गुजर रही बनास नदी से बजरी का अवैध दोहन हो रहा है। इससे बजरी माफिया का बोलबाला है।

सुप्रीम कोर्ट ने बजरी खनन पर रोक के बाद लागू किया था नया नियम

किसी को नहीं मिली ईसी

प्रदेश में बजरी दोहन के लिए नीलामी के माध्यम से लीज आंवटित की है, लेकिन पर्यावरण क्लीयरेंस नहीं मिली है। इसके कारण भीलवाड़ा में 15 तथा बिजौलिया में 4 लीजें आवंटित होने के बाद भी खनन नहीं हो पा रहा है। ईसी मिलने के बाद भी लीज धारक खनन कर सकता है।
- महेश शर्मा, खनिज अभियंता भीलवाड़ा

आरएसएमएम को दी तीन लीज

राज्य सरकार ने सस्ती बजरी उपलब्ध कराने के लिए खान एवं पेट्रोलियम विभाग ने 19 जून 2024 को राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड को भीलवाड़ा में बजरी की तीन लीज आवंटित की थी। सभी लीजों के लिए 4 सितंबर 2024 को मंशा पत्र भी जारी कर दी थी। लेकिन ईसी नहीं मिलने से आरएसएमएमएल भी बजरी का खनन शुरू नहीं कर सका है। यह तीनों खान सवाईपुर क्षेत्र के सोपुरा-अडसीपुरा-आकोला। आकोला तथा एक अन्य लीज आकोला में है।

कुल 15 लीजों को भी *नहीं मिली ईसी*

आरएसएमएमएल को आवंटित तीन लीजों के अलावा 12 अन्य लीज को भी अब तक ईसी जारी नहीं हो सकी है। इनमें सवाईपुर क्षेत्र के पीथास, रेण, गेंदलियां, अमरतियां, आकोला। हुरड़ा-बिजयनगर के गुलाबपुरा , बरला, गुलाबपुरा व हरड़ा सेजा चौसला, नगर, हुरडा सेजा नगर, हुरडा सेजा व बावलो का खेड़ा, पाटियों का खेड़ा, लाम्बा। पाटियों का खेड़ा, लाम्बा बरल। जहाजपुर तहसील के अभयपुरा व बागूदार शामिल। बागूदार व केशरपुरा। तरनियांखेड़ा, ओड़ियाखेड़ा, जामोली। सवाईपुर के करेड़, भाकलियां, सोपुरा। सोपुरा, अडसीपुरा, आकोला। आकोला तथा आकोला की लीज शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2017 में नदी से बजरी खनन पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने बनास नदी में हो रहे बजरी खनन को पर्यावरण के लिए हानिकारक माना था। उसके बाद ईसी का नियम लागू किया था। लेकिन अंधाधुंध बजरी खनन होने से नदियों का जलस्तर प्रभावित हुआ। समय पर ईसी न मिलने से अवैध खनन बढ़ रहा है। ईसी न मिलने की वजह से बजरी महंगी मिल रही है।

पत्रिका ने उठाया था मामला

भाजपा नेता की 25 बीघा जमीन पर की गई अवैध प्लॉटिंग पर नौ घंटे चले आठ बुलडोजर

ग्रेवल सड़क को ध्वस्त करते बुलडोजर।

बाउंड्रीवाल व ग्रेवल सड़क ध्वस्त, शाम 6 बजे तक कार्रवाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अलवर. जयसमंद बांध के पीछे केसरपुर में भाजपा नेता की 25 बीघा जमीन पर चल रही अवैध प्लॉटिंग पर यूआईटी ने बुधवार को बुलडोजर चलाए। आठ बुलडोजर ने करीब 9 घंटे कार्रवाई कर चारदीवारी और ग्रेवल सड़कों को ध्वस्त कर दिया। बताया जा रहा है कि इस जमीन का कुछ हिस्सा मत्स्य विभाग के नाम है। कुछ भूमि चारागाह की है।

आरोप है कि भाजपा के टिकट से राजगढ़- लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे बन्ना राम मीणा इस जमीन पर पिछले छह महीने से अवैध प्लॉटिंग कर रहे थे। बाउंड्रीवाल बनाई गई थी और ग्रेवल सड़क डाली गई थी। इस जमीन को किसी दूसरे भूमाफिया के नाम करने की तैयारी थी, लेकिन सौदा नहीं बन पाया। इस जमीन पर आठ बोरवेल हैं, जो सूखे हुए हैं। इनके अलावा खटाना सिंह, भोपाल सिंह, रूप सिंह डेरा व हीरालाल गुर्जर ने भी कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग की थी। पूरे मामले को राजस्थान पत्रिका ने प्रमुखता से उठाया तो लोग जागे। उन्होंने यह प्रकरण जिला प्रभारी मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को बताया। इसके बाद सरकारी मशीनरी व प्रशासन हरकत में आया। तहसीलदार रश्मि शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को यूआईटी के अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अनिल शर्मा और पुलिस प्रशासन की टीम पहुंची और कार्रवाई की।

असर

राजस्थान पत्रिका

कुछ कार्रवाई शेष है, जो आज होगी

कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। इसके लिए भू-उपयोग परिवर्तन जरूरी था। इसी कारण यूआईटी ने यह कार्रवाई की है। कुछ कार्रवाई शेष है, जो गुरुवार को होगी।
-अनिल शर्मा, अतिक्रमण निरोधक अधिकारी, यूआईटी

इस जमीन का 11 बीघा हिस्सा हमारे पास है। 5 बीघा पत्नी के नाम है और बाकी 6 बीघा जमीन निजी खातेदार के पास है। हमने बाउंड्रीवाल करवाई थी, इसके अलावा कोई निर्माण नहीं किया है। जमीन सरकारी नहीं है। आसपास आबादी बसी हुई है। भू-रूपांतरण नहीं करवाया गया था।
- बन्नाराम मीणा, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी

पोलमपोल भायो

बजरी ज्यूँ भूजळ रह्यो,
बड़ो कमाऊ काम।
मुरधर काचा सूत की,
कसती रहै लगाम!!

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका

1. अयोध्या में राम मंदिर के पास बिल्डिंग में लगी आग

2. इजरायल का गाजा पर भीषण हमला: 400 से अधिक की मौत

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

1911 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए सफल घोषित

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सहायक आचार्य इतिहास परीक्षा-2023 का परिणाम जारी किया है। इसके तहत 1911 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल घोषित किया है। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि इतिहास के प्रथम और द्वितीय पेपर पिछले वर्ष 17 मई और तृतीय पेपर की परीक्षा 7 जनवरी को आयोजित की गई थी। साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल घोषित किए गए अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन पत्र की दो प्रतियां सभी शैक्षणिक / प्रशैक्षणिक, जाति एवं अन्य वांछित प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रति आयोग कार्यालय में भेजनी होंगी।

एमबीएम विवि में अनिवार्य सेवानिवृत्ति आदेश लागू

जोधपुर @ पत्रिका. एमबीएम विश्वविद्यालय में राज्य सरकार का राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1996 के नियम 53 (1) के तहत अनिवार्य सेवानिवृत्ति आदेश मंगलवार से लागू हो गया। कुलपति प्रो. अजय कुमार शर्मा ने अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करते हुए इसे एडॉप्ट किया है। मंगलवार को पहले ही दिन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रामप्रसाद चौधरी को एपीओ कर दिया गया। उनका मुख्यालय डीन ऑफिस रहेगा। उनके विरुद्ध एचओडी के नाते कक्षाओं का संचालन नहीं करने सहित चार आरोप लगाकर चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है।

बीकानेर: आठवीं बोर्ड परीक्षा आज से

बीकानेर @ पत्रिका. प्रदेश में आठवीं बोर्ड की परीक्षा गुरुवार से शुरू होगी। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। प्रदेश के 12 लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं। परीक्षा केन्द्र वाले स्कूल के नजदीकी पुलिस थानों में प्रश्न पत्र सील कर रखे गए हैं। जो परीक्षा शुरू होने से पहले परीक्षा केन्द्र को सौंपे जाएंगे।बोर्ड परीक्षा का आयोजन शिक्षा विभागीय परीक्षाएं पंजीयक बीकानेर करवा रहे हैं। 2 अप्रेल तक चलने वाली इस परीक्षा में सरकारी एवं निजी स्कूलों के 12 लाख 77 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट में राज्य सरकार ने दी जानकारी

अब बचेंगी अरावली पहाड़ियां, संरक्षण को मिलेगी नई दिशा

एक माह में लागू होगी नई हिल पॉलिसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. अब एक माह में नई हिल पॉलिसी लागू हो जाएगी। इससे अरावली की पहाड़ियां बचेंगी, वहीं संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। यह जानकारी राज्य सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट में दी है। राजस्थान पत्रिका की ओर से अरावली संरक्षण को लेकर लगातार चलाई गई मुहिम को बड़ी सफलता मिली है। जोधपुर हाईकोर्ट में राज्य सरकार ने कहा कि नई हिल पॉलिसी को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधीश चंद्र प्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने 18 मार्च को सुनवाई की। झील संरक्षण समिति की ओर से दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता शरद कोठारी ने मौजूदा स्थिति को लेकर अपना पक्ष रखा था। इसका आदेश बुधवार को सामने आया है।

उदयपुर क्षेत्र में छलनी की गई अरावली की पहाड़ियां।

पत्रिका मुहिम को मिली सफलता

लगातार अरावली पर्वत श्रृंखला को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इसको लेकर राजस्थान पत्रिका ने लगातार समाचार प्रकाशित कर अरावली पर्वतमाला को बचाने की मुहिम छेड़ी। विभिन्न समाज संगठन भी आगे आए और अरावली संरक्षण की बात रखी। लिहाजा अब नई हिल पॉलिसी बन रही है।

इस मामले में की गई सुनवाई: जोधपुर उच्च न्यायालय डिवीजन बेंच ने सिविल रिट याचिका संख्या 1374/2019 झील संरक्षण समिति बनाम राजस्थान राज्य में सुनवाई की थी। नीति का मसौदा अंतिम चरण में है और एक माह में पॉलिसी जारी कर दी जाएगी। न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेंद्रसिंह भाटी और न्यायमूर्ति चंद्रप्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने अगली सुनवाई 21 अप्रेल को तय की। तय समय तक 63 आपत्तियां मिली, जिनका निस्तारण 6 मार्च को हुई बैठक में किया। इसे लेकर कोर्ट ने अगली सुनवाई तक स्पष्ट किया है कि अरावली पर्वत श्रृंखला में नियमों का उल्लंघन करके हो रही निर्माण गतिविधियों पर रोक जारी रहेगी।

असर

राजस्थान पत्रिका

होगा अरावली संरक्षण

वर्ष 2018 के ड्राफ्ट में पहाड़ों को बचाने के बजाय नुकसान पहुंचाने की व्यवस्था कर दी गई थी। अब हम ये विश्वास करते हैं नई हिल पॉलिसी आएगी, वो पहाड़ों की सुरक्षा करने के लिए उपयोगी होगी। यह अरावली संरक्षण के लिए बड़ा कदम होगा।
- अनिल मेहता, पर्यावरणविद

घर में घुसकर महिला की हत्या, युवक घायल

कोटा @ पत्रिका. भीमगंजमंडी थाना क्षेत्र के तेलघर हुसैनी नगर में मंगलवार देर रात घर में सो रही 42 वर्षीय महिला सुमित्राबाई मेहर की धारदार हथियार से हत्या कर दी। महिला का 17 वर्षीय भांजा अरविंद भी हमले में घायल हो गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी पुरानी रंजिश के चलते महिला की हत्या की गई। इस मामले में एक जने को हिरासत में लिया गया। सीआई रामकिशन गोदारा ने बताया कि वारदात रात करीब 2-3 बजे के बीच हुई। सुमित्राबाई घर के बरामदे में सो रही थीं। पास में ही उनकी बहन का बेटा अरविंद भी सो रहा था। देर रात किसी बदमाश ने घर में घुसकर हथियार से सुमित्रा पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर अरविंद की नींद खुली, तो बदमाश ने उस पर भी हमला कर दिया। सुमित्राबाई पर चाकू से दो वार किए गए। जितेंद्र उर्फ जीतू की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने संदिग्ध आमिर उर्फ शिबू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सुमित्राबाई

30 हजार के इनामी जगदीश को दबोचा

3 बार कसमें खाई, हर बार कसम तोड़कर तस्करी करने लग जाता

दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाहन।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. मादक पदार्थ तस्करी के मामले में तीस हजार के इनामी तस्कर बाड़मेर के धोरीमन्ना निवासी जगदीश को जोधपुर रेंज पुलिस की साइक्लोनर टीम ने ऑपरेशन विश्वव्यंजन के तहत पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस का कहना है कि जगदीश ने राजकपूर की फिल्म 'तीसरी कसम' की तरह तीन बार तस्करी नहीं करने की कसमें खाई। पहला मुकदमा दर्ज होने पर 2012 में पहली कसम, छह साल जेल में रहने के बाद 2018 में बाहर आने पर दूसरी बार और तीसरी कसम जब तस्कर का भांजा ही मादक पदार्थों के सेवन से काल के ग्रास में समा गया था, लेकिन तीनों बार जगदीश ने अपनी कसमें तोड़कर वापस मादक पदार्थों की तस्करी में कदम रखा। साइक्लोनर टीम ने जगदीश से जालोर के बागोड़ा से आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा जाने की योजना के दौरान दबोच लिया। वह तीन साल से फरार चल रहा था। जोधपुर रेंज के आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी ने मात्र आठवीं कक्षा तक पढ़ाई के बाद पिताजी व बड़े भाइयों के साथ खेती के कार्य में मदद के लिए स्कूल छोड़ी, पर कड़ी मेहनत रास नहीं आई। पहले ड्राइविंग का कार्य किया, फिर स्वयं की गाड़ी खरीदी और अपनी गाड़ी में ही मादक द्रव्यों की बड़ी खेप सप्लाई करने का कार्य करने लगा। परिवार एवं रिश्तेदार जगदीश को मादक द्रव्यों के अवैध व्यापार से तौबा करने की समझाइश करते रहे, लेकिन वह नहीं माना।

तैयारियां आखातीज की....

फोटो स्टोरी

जोधपुर. अगले माह से शुरू होने वाले सावों की धूम को देखते हुए मारवाड़ सहित देश भर में जोधपुरी साफों की मांग बढ़ने लगी है। मांग की पूर्ति के लिए साफा तैयार करने वाले रंगाई कारीगर भी इन दिनों साफों को तैयार करने में व्यस्त है। नागोरीगेट के बाहर कागा क्षेत्र में रंगाई कारीगरों की ओर से तैयार किए जा रहे साफों से कागा मेले के मैदान में इन दिनों इन्द्रधनुषी रंग की छटा नजर आती है। फोटो: *एसके मुन्ना*

आंखों में मिर्च डाल व्यापारी से लूटे 1.65 लाख

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

परबतसर (नागौर). देवली फांटा मोड़ पर मंगलवार रात को कपड़े के व्यापारी की आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर बदमाश 1 लाख 65 हजार रुपए लूट ले गए। पीड़ित चारणवास निवासी कुम्भाराम ने थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि मंगलवार को रात करीब 9 बजे वह कुचामन से कपड़े खरीद कर अपनी कार में वापस गांव आ रहा था। करीब 10:25 बजे हाइवे से गांव जाने वाले रास्ते पर मुड़ा, तभी एक लोडिंग गाड़ी आई और चालक ने कार के आगे गाड़ी लगा दी। उसमें से दो- तीन व्यक्ति नीचे उतरे। एक व्यक्ति ने लाठी के वार से कार के शीशे फोड़ दिए। दो लोगों ने कार का फाटक खुलवाकर उसकी आंखों में लाल मिर्च पाउडर डाल दिया और जेब में रखे 1 लाख 65 हजार रुपए और मोबाइल लूट ले गए। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

होमवर्क पूरा नहीं होने पर रची अपहरण की झूठी कहानी

बांदीकुई (दौसा) @ पत्रिका. दिनदहाड़े कार सवार बदमाशों के स्कूली छात्र के अपहरण के प्रयास की घटना की सूचना ने पुलिस की मशक्कत कराई। छात्र को जांच के बाद खुलासा हुआ कि छात्र ने होमवर्क पूरा नहीं होने के कारण अपहरण की झूठी कहानी रची थी। नवीं कक्षा के छात्र ने सुबह 6.50 बजे स्कूल जाने के दौरान दो बदमाशों द्वारा वैन में डालकर अपहरण के प्रयास करने की सूचना दी। पुलिस उपाधीक्षक रोहिताश देवंदा, थाना प्रभारी जहीर अब्बास ने मौका मुआयना किया और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि सभी स्थानों के सीसीटीवी फुटेज चैक किए। जहां वैन तो दूर, छात्र तक नजर नहीं आया। जांच में सामने आया कि छात्र कई दिनों से स्कूल नहीं गया था। उसका होमवर्क अधूरा रहता था। छात्र ने टीचर के मोबाइल नंबर भी माता के फोन की ब्लैक लिस्ट में डाल रखे थे। शिक्षकों व परिजनों की डांट से बचने के लिए अपहरण की झूठी कहानी रच डाली। देर शाम परिजनों ने थाने आकर परिवाद वापस ले लिया।

एनजीटी के निर्देश पर कार्रवाई

भीलवाड़ा नगर निगम पर 4.87 करोड़ रुपए का जुर्माना

तालाब को स्वच्छ रखने के लिए परिषद ने स्लोगन भी लिख रखा है।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल बोर्ड (आरपीसीबी) ने नगर निगम भीलवाड़ा पर पर्यावरण की पालना नहीं करने पर 4 करोड़ 87 लाख 50 हजार का जुर्माना लगाया। बोर्ड ने नोटिस जारी कर 26 मार्च तक जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि निगम पर पहले भी 4 करोड़ 15 लाख 25 हजार का जुर्माना लगाया था। इस पर निगम ने स्थगन ले रखा है। आरपीसीबी ने नोटिस में कहा कि शहर का गंदा व सीवरेज का पानी कोठारी नदी, गांधी सागर और नेहरू तलाई में जा रहा है। गत 4 नवंबर 2024 को गठित टीम ने निरीक्षण किया था। उस समय एक से डेढ़ एमएलडी गंदा पानी जा रहा था। निगम को जल प्रदूषण अधिनियम के तहत 27 नवंबर 2024 को भी नोटिस जारी किया था। निगम पर 14 जून 2022 से 28 फरवरी 2025 तक की अवधि के लिए एनजीटी के निर्देशों की पालना में 4 करोड़ 87 लाख 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने एनजीटी में वाद दायर कर रखा है। एनजीटी के आदेशों की पालना न होने पर जाजू ने पुनः अवमानना लेकर अपील की है। इसकी सुनवाई के बाद एनजीटी ने आरपीसीबी को जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

फॉलोअप

राजस्थान पत्रिका

अनूठी मुहिम — शादी-ब्याह से स्कूलों तक जागरूकता अभियान, बच्चों और शिक्षकों ने लिया संकल्प

भोजन की बर्बादी रोकने को 50 हजार लोगों ने लिया संकल्प

पोती ने प्लेट में भोजन छोड़ा तो लिया संकल्प

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

झुंझुनूं. शादी समारोह, दशोटन, सवामणी सहित अन्य कार्यक्रमों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए झुंझुनूं शहर के हाउसिंग बोर्ड निवासी सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य पितारामसिंह गोदारा ने एक अनूठी मुहिम शुरू की है। 18 जनवरी को 'अन्न बचाओ, व्यर्थ नाली में न बहाओ, समृद्धि लाओ' के स्लोगन के साथ इस अभियान ने पड़ोसी राज्यों तक अपनी पहुंच बना ली है। गोदारा अब तक 125 से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से 50 हजार से अधिक लोगों को संकल्प दिला चुके हैं। झुंझुनूं के पेंशनर भवन में साहित्य स्पंदन, जयपुर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में साहित्यकारों ने जूठन के खिलाफ कविताएं, कहानियां, लेख और गीत लिखने का संकल्प लिया।

पितारामसिंह गोदारा

झुंझुनूं. सरकारी स्कूलों में जूठन नहीं छोड़ने का संकल्प लेते बच्चे।

ऐसे मिली प्रेरणा

गोदारा ने यह मुहिम तब शुरू की, जब 17 जनवरी को झुंझुनूं के बंधे का बालाजी मंदिर परिसर में आयोजित एक शादी समारोह में उनकी पोती ने प्लेट में अधिक भोजन ले लिया और आधा भी नहीं खा पाई। उस समय उन्होंने सोचा कि ऐसे लाखों लोग भोजन की बर्बादी कर रहे होंगे।

उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में

गोदारा जहां जाते हैं, पांडाल में बैनर लगा देते हैं, लोगों को इस पर ध्यान जाए। स्लोगन हैं 'खाओ चाहे मण-थाली में, न छोड़ो कण' और 'उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में'। इसके अलावा, शादी कार्डों पर भी ऐसे संदेश लिखवाने की अपील करते हैं।

छात्र-छात्राओं को भी किया जागरूक

पिछले दो महीनों में गोदारा 30 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को शपथ दिला चुके हैं कि वे जूठन नहीं छोड़ेंगे। वे लगातार स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक कार्यक्रमों में जाकर इस संदेश का प्रचार कर रहे हैं।

घरणी फकत गिरस्थ में, तीन्यूँ आस्त्रम सूण ।
घरणी ही तो स्त्रस्टि छै, ईं सूँ ऊँचो कूँण।।
-कर्पूर चन्द्र कुलिश की सात सैंकड़ा पुस्तक से

शेयर बाजार			सोना		चांदी		बिटकॉइन	इथर	बिनेंस	डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
सेंसेक्स	भारत	निफ्टी	स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)							
75,449 (+147.79)		22,908 (+73.30)	₹90,200 (प्रति 10 ग्राम)(-300)	₹88,511 (प्रति 10 ग्राम) (-50)	₹10,1500 (प्रति किग्रा)(-200)	₹10,0890 (प्रति किग्रा) (-379)	$ 84,945 (+1.60)	$ 2,027 (+7.08)	$ 618.5 (-2.01%)	₹86.36 (प्रति 1 डॉलर)	₹94.16 (प्रति यूरो)	₹106.45 (प्रति लीटर)	₹91.85

जैकेट से जारी...

संस्कृति संरक्षण का लक्ष्य

समाचारों की पवित्रता में उसी निर्णय की गंध महकती है।

पाठकों के हाथ हल्के स्तर की सामग्री न पहुंचे, इसके लिए कहानी-कविता के प्रकाशन को पुरस्कारों से जोड़ा। यही स्थिति अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई गई। बाबूसा की स्मृति (केसीके अवॉर्ड) में 11-11 हजार डालर के पत्रकारिता और सामाजिक विज्ञापनों के पुरस्कार आज भी सबसे बड़े हैं। पत्रकारिता ही मीडिया की आत्मा है। वाल्टेयर का यह ध्येय वाक्य हमेशा कानों में गूंजता है। 'हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा।' यह प्रण आज भी पत्रिका में जीवित है। देश के विकाऊ मीडिया जहां अपने बड़े होने पर सीना फुलाते हैं, पत्रिका अपने गुरुत्व-दायित्व-बोध के साथ गर्व से खड़ा है।

समाचारों के साथ जन सरोकार, देश के विकास में भूमिका और संस्कृति संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्य लेकर चले। 'मैं देखता चला गया' उनकी माटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आज भी अधिकांश गांवों की स्थिति मिलाकर देख लें तो धरातल की तस्वीर दिखाई देगी। जल, भूमि, हरियाली संरक्षण के साथ अन्न-वाणी-ज्ञान की परम्परा पर उनके लेखन अति गहन है। नीति-निर्माण में, कानूनों में विदेशी दृष्टि का दंश उन्हें सदा पीड़ित करता रहा।

पत्रिका में भी भाषा की शुद्धता और एकरूपता को सदा ही महत्वपूर्ण माना। भाषा सुधार के लिए तो भगवान सहाय त्रिवेदी को वर्षों इसी कार्य में लगाए रखा। आज पत्रिका में भाषा की एकरूपता के लिए स्टाइल बुक तैयार है जिसमें हजारों शब्दों का स्वरूप दिया है। अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग उन्हें कतई स्वीकार नहीं था। आज तो सीमा ही टूट रही है।

पत्रिका कर्मचारी उनके शरीर के अंग थे। वे उनको कर्मचारी नहीं, परिवार का अंग मानते थे। उनका यह उद्घोष आज भी चर्चा में है कि 'जब तक मेरे सभी साथियों का अपना मकान नहीं बन जाएगा, मैं अपना मकान नहीं बनाऊंगा।' और उन्होंने ऐसा ही किया। वार्षिक लाभ-हानि के लेखा-जोखा में यदि कभी हानि हुई, तब भी उन्होंने किसी का बोनस कम नहीं करने दिया। 'उनकी तरफ से कोई कमी नहीं थी' दो बार मैंने घाटे के बावजूद 20 प्रतिशत बोनस जारी करते देखा है। उनका एक निश्चित मत था कि संस्थान सब मिलकर चलाते हैं। संस्थान का हर व्यक्ति समृद्ध नजर आएगा, तभी संस्थान का यश बढ़ेगा। हमारा कार्य खुद को बड़ा करना नहीं है। कर्मचारी-वितरक आदि जैसे-जैसे बड़े होंगे, संस्थान स्वतः बड़ा होता जाएगा। सारा जोर उनको बड़ा होने पर लगाना होगा।

कर्मचारियों के परिवार की देखभाल की भी कुछ निश्चित जिम्मेदारी हमें उठानी चाहिए। ताकि व्यक्ति काम पर निश्चिन्त रह सके। माता-पिता का स्वास्थ्य और बच्चों के विकास के मुद्दे। छुट्टियों में उनके बच्चों को घूमने भेजना परिवार (पत्रिका) की जड़ों को गहरा करता गया। आज तो कुछ सदस्यों की तीसरी पीढ़ी कार्य संभाल रही है। कुछ बच्चों के आपस में विवाह भी हो चुके हैं।

व्यापार में सिद्धान्त पक्के हों और जुबान भी पक्की हो। उन्होंने किसी किस्त की तारीख नहीं टलने दी। एक बार तो कठिनाई आने पर उन्होंने अपनी जमीन खड़े-खड़े बेच दी। उधार देने वालों के पास रेल में बैठकर गए, वहां पहुंचकर किस्त पहुंचाई। एक बार जब उनके पास कागज छुड़ाने को पैसे नहीं थे, तब उनके एक सहयोगी 'मनोहर प्रभाकर ने रात को अपनी पत्नी के गहने लाकर सौंपे।' कल अखबार छपना चाहिए। शहर में जब भी नई कॉलोनी कटती थी-गृह निर्माण समितियों की-तो श्रद्धेय बाबूसा 8-10 पट्टे खरीदकर रख लेते थे। कर्मचारियों को बांटते रहे, समय पर मदद करते रहे। हॉकर्स भले ही भूल गए हों, उनके लिए सांगानेर हवाई अड्डे के पास भूमि आवंटन करवाया-उनके मकान बने।

एक बात सदा कहते थे कि कभी भी कोई सहयोगी मदद मांगने आ जाए, उसे मना मत करो। किसी को उधार दो, तो यह सोचकर दो कि मैं वापस नहीं मांगूंगा। मैंने 15-20 साल बाद भी लोगों के पैसे चुकाते देखा है। इंसान काम से छोटा-बड़ा नहीं होता। उसका सदा सम्मान होना चाहिए। पत्रिका की 15 अगस्त को होने वाली वार्षिक गोठ सम्मान का सबसे बड़ा प्रमाण था, जहां बाबूसा शहर के सभी हॉकर्स के साथ, राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत एवं गणमान्य लोगों के साथ जमीन पर बैठकर खाना खाते थे।

श्रद्धेय बाबूसा. प्रबन्ध को तंत्र नहीं मानते थे। मानवीय संवेदना और आत्मीयता का पहलू मानते थे। यदि व्यक्ति आपका है तो भविष्य आपका है।

वायरल : पाकिस्तान में गूंजा

'प्यार किया तो डरना क्या'

लाहौर @ पत्रिका. के. आसिफ की मुग़ल-ए-आजम ने सलीम-अनारकली की प्रेम-कथा को जिस भव्यता के साथ पर्दे पर जीवंत किया, उसकी चमक आज भी फीकी नहीं पड़ी। अब, इसी जादू को पाकिस्तान के गवर्नमेंट कॉलेज यूनिवर्सिटी, लाहौर के छात्रों ने एक बार फिर जीवंत कर दिया है। यूनिवर्सिटी के ड्रैमेटिक्स क्लब ने अपनी वार्षिक प्रस्तुति 'अनारकली' में उस ऐतिहासिक गीत 'प्यार किया तो डरना क्या' को मंच पर उतारा, जिसे मूल फिल्म में मधुबाला ने अमर कर दिया था। प्रस्तुति सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

शेयर बाजार : लगातार तीसरे दिन तेजी, रियल्टी-डिफेंस स्टॉक्स चमके

बाजार में रिकवरी, पर मल्टीबैगर शेयरों की संख्या 12 गुना घटी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. मल्टीबैगर स्टॉक्स से पैसा बनने की कहानियां जितनी हसीन और सुहानी लगती हैं, मल्टीबैगर स्टॉक्स की तलाश करना उतना ही मुश्किल काम है। मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में तो मल्टीबैगर स्टॉक्स की संख्या में 12 गुना कमी आई है। मल्टीबैगर स्टॉक ऐसे शेयर होते हैं, जो एक साल में 100% से अधिक रिटर्न देते हैं। बाजार में आई हालिया गिरावट से अब मल्टीबैगर स्टॉक्स खोजना और मुश्किल हो गया है। पिछले वित्त वर्ष 2023-25 में 5000 करोड़ से अधिक मार्केट कैप वाली 207 कंपनियां थीं, जिनके स्टॉक्स ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया। लेकिन 2024-25 में मल्टीबैगर स्टॉक्स की संख्या घटकर 17 रह गई है।

अप्रेल, 2024 में जारी विभिन्न देशी-विदेशी ब्रोकरेज फर्म्स की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 700 से ज्यादा ऐसे स्टॉक्स थे, जिनमें वर्ष 2024-25 में मल्टीबैगर बनने की संभावना थी, लेकिन इनमें से सिर्फ 17 ही मल्टीबैगर बने। मल्टीबैगर बनने की क्षमता आमतौर पर मिड या स्मॉल कैप में रहती है, जो हाल में लुढ़के हैं। हालांकि पिछले 3 दिन में बीएसई मिडकैप-स्मॉलकैप इंडेक्स में 5% से अधिक तेजी आई है।

148 अंक चढ़कर सेंसेक्स 75,449 पर बंद, निफ्टी 73 अंक चढ़ 22,907 पर रहा, *मिडकैप-स्मॉलकैप व माइक्रोकैप इंडेक्स में 2% से अधिक तेजी आई*

05 लाख करोड़ बढ़ी निवेशकों की संपत्ति बुधवार को, कंपनियों की *बाजार पूंजी बढ़कर 405 लाख करोड़ रुपए*

वर्ष 2024-25 के मल्टीबैगर स्टॉक्स

कंपनी	2025 में	इतना दिया रिटर्न एक साल में
पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट	-12.8%	415%
शक्ति पंप्स	-10.5%	338%
वी2 रिटेल	0.5%	312%
शैली इंजीनियरिंग	25%	272%
जेएसडब्ल्यू होल्डिंग्स	34%	237%
सारदा एनर्जी	12.5%	175%

बाजार में लौटी तेजी

विदेशी निवेशकों के लौटने और कंपनियों की आय बढ़ने के साथ डॉलर में जारी गिरावट से बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी रही। मिडकैप, स्मॉलकैप व माइक्रोकैप शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली और इंडेक्स 2% से अधिक चढ़े। वहीं सेंसेक्स 148 अंक चढ़कर सेंसेक्स 75,449 पर बंद, निफ्टी भी 73 अंक की तेजी के साथ 22,907 पर रहा।

कैबिनेट फैसले

राष्ट्रीय गोकुल मिशन का बजट बढ़ाया

नई दिल्ली @ पत्रिका. केंद्र सरकार ने दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए दो योजनाओं का बजट बढ़ाकर 6,190 करोड़ रुपए कर दिया है। सरकार को उम्मीद है कि इससे पशुपालकों को फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को मंजूरी दी है और इनका बजट आवंटन बढ़ाया है। संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के लिए 1,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि दी गई है। राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम का बजट भी ₹1,000 करोड़ बढ़ा है।

फिच रेटिंग्स

2025-26 में 6.5% रहेगी जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली @ पत्रिका. ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5% पर बरकरार रखा है। रेटिंग एजेंसी ने मार्च ग्लोबल इकोनॉमी आउटलुक रिपोर्ट में भारत के लिए वित्त वर्ष 2027 के लिए ग्रोथ अनुमान को 10 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 6.3% कर दिया है। एजेंसी ने कहा, हालांकि अमरीका की ज्यादा आक्रामक टैरिफ पॉलिसी बड़ा जोखिम है, लेकिन बाहरी डिमांड पर कम निर्भरता को देखते हुए भारत काफी हद तक अप्रभावित है।

गोल्ड : हर चौथे दिन बनाया नई ऊंचाई का रेकॉर्ड

सोने की खरीदारी से आरबीआइ ने खींचे हाथ, फिर भी बढ़े दाम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. सोने की कीमतों में रेकॉर्ड तेजी के बीच आरबीआइ ने फरवरी में सोने की खरीद से परहेज किया। जनवरी में आरबीआइ ने 2.8 टन सोना खरीदा था। इससे देश के गोल्ड रिजर्व में फरवरी में कोई बदलाव नहीं आया और 879.01 टन पर बना रहा, लेकिन कीमतों में तेजी के दम पर आरबीआइ के कुल विदेशी मुद्रा भंडार फॉरेक्स रिजर्व में इस बेशकीमती धातु की हिस्सेदारी बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 11.5% पर पहुंच गई। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले यह 4% ज्यादा है। वहीं इचीन के केंद्रीय बैंक ने फरवरी में लगातार चौथे महीने सोने की खरीदारी की। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने 5 टन सोने की खरीद की, जिससे कीमतों को सपोर्ट मिला।

नए ऑल टाइम हाई पर सोना...

ब्याज दरों पर अमरीकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले सोने ने लगातार दूसरे दिन घरेलू और ग्लोबल मार्केट में नया ऑल टाइम हाई बनाया। घरेलू मार्केट में सोना इस साल अब तक 12,500 रुपए यानी 16% मजबूत हुआ है। गोल्ड में किस कदर तेजी है, इसका अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि ग्लोबल मार्केट में इसने 2025 अब तक 15 बार रेकॉर्ड हाई बनाया है। यानी हर चौथे दिन गोल्ड नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट रेकॉर्ड 89,014 रुपए तक ऊपर गया। ग्लोबल बाजार में 3,052 डॉलर पर पहुंच गया।

ईएलएसएस : बजट के बाद टैक्स सेविंग्स के लिए खत्म हो रहा क्रेज

नई दिल्ली @ पत्रिका. वित्त वर्ष 2024-25 समाप्त होने को है। टैक्स बचाने को लेकर किए जाने वाले निवेश के कारण जनवरी से मार्च के बीच इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में निवेश बढ़ता है, पर इस बार इनफ्लो सुस्त है। फरवरी में ईएलएसएस में सिर्फ ₹615 करोड़ निवेश आया। जबकि जनवरी में 797 करोड़ का निवेश आया था। एक्सपर्ट निवेश में सुस्ती की वजह नए टैक्स रिजीम मान रहे हैं। नए टैक्स रिजीम में 12 लाख तक आय टैक्स-फ्री है, जिससे न्यू टैक्स सेविंग के लिए निवेश की प्रवृत्ति घट रही है।

एफएंडओ : करेक्शन से छोटे निवेशकों की ऑप्शंस ट्रेडिंग में दिलचस्पी घटी

खुदरा निवेशकों की ऑप्शंस ट्रेडिंग 82% घटी, कैश मार्केट वॉल्यूम भी घट गया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग को लेकर बाजार नियामक सेबी के सख्त नियमों और भारतीय शेयर बाजार में पिछले 6 महीने से चली आ रही करेक्शन के कारण खुदरा निवेशकों और रिटेल ट्रेडर्स की ऑप्शंस में दिलचस्पी काफी कम हो रही है। पिछले कुछ महीनों में रिटेल ट्रेडर्स का ऑप्शंस ट्रेडिंग वॉल्यूम 82% तक सितंबर 2024 में रिटेल ऑप्शन का वॉल्यूम 1204 करोड़ कॉन्ट्रैक्ट और एवरेज डेली टर्नओवर 5 लाख करोड़ रुपए था, जो फरवरी 2025 में घटकर 230 करोड़ कॉन्ट्रैक्ट और टर्नओवर 64% घटकर 1.84 लाख करोड़ रुपए रह गया।

ऐसे घटा रिटेल ऑप्शन ट्रेडिंग वॉल्यूम

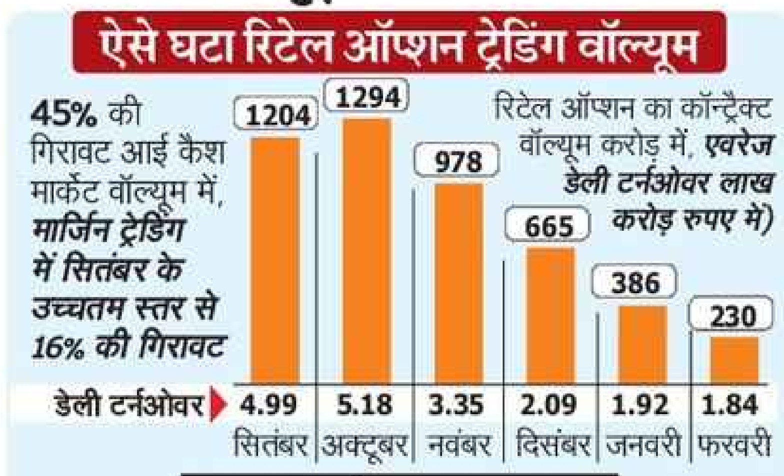

45% की गिरावट आई कैश मार्केट वॉल्यूम में, *मार्जिन ट्रेडिंग में सितंबर के उच्चतम स्तर से 16% की गिरावट*

नकद कारोबार इतना घटा

हालिया गिरावट से निवेशकों का मनोबल कमजोर होने के कारण नकदी बाजार की मात्रा और मार्जिन ट्रेडिंग खातों में लगातार गिरावट आई है। जून 2024 में अपने सर्वोच्च स्तर से कैश मार्केट वॉल्यूम में 45% की गिरावट आई और यह 90,283 करोड़ रुपए रहा, जो जून में 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक था। एनएसई में नकदी में कारोबार का घटना जारी है और मार्च के पहले दो सप्ताह में रोजाना का औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम 5.7% घटा है, जबकि बीएसई में वॉल्यूम स्थिर रहा।

ऑटोमोबाइल : बिक्री की रफ्तार घटने पर कंपनियों ने बढ़ाए डिस्काउंट ऑफर्स

ई-कारों पर अब मिल रहा 1 लाख रुपए से 15 लाख रुपए तक का बंपर डिस्काउंट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की रफ्तार सुस्त पड़ी है। फरवरी में सभी तरह की ईवी की बिक्री में जहां सालाना आधार पर 1.9% की गिरावट आई, वहीं इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री जनवरी 2025 के मुकाबले फरवरी में 20% से अधिक घटकर 8968 यूनिट रह गई। बिक्री में आई गिरावट और इलेक्ट्रिक कारों की मांग घटने के कारण लगभग सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों ने अपनी ई-कारों पर डिस्काउंट को बढ़ा दिया है। वर्ष 2024 और 2025 में लॉन्च ईवी पर अब कंपनियां कम से कम 1 लाख रुपए का डिस्काउंट दे रही हैं। वहीं अधिकतम डिस्काउंट किआ ईवी6 मॉडल पर 15 लाख रुपए है।

किस ईवी पर कितना डिस्काउंट

77 लाख है किआ ईवी6 की कीमत, *जो अभी 62 लाख में मिल रही।*

तीन महीने में दोगुना हुआ डिस्काउंट: इलेक्ट्रिक कारों पर ऑटोमोबाइल कंपनियों ने दिसंबर 2024 में भी डिस्काउंट दिया था, लेकिन तीन महीने यानी मार्च 2025 में यह डिस्काउंट राशि दोगुनी हो गई है। कंपनियां कैश डिस्काउंट के साथ स्कैपेज और एक्सचेंज बोनस, फ्री एसेसरीज और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे कई आकर्षक ऑफर दे रही हैं।

आध्यात्मिक यात्रा पर तमिलनाडु आई फ्रांसीसी महिला का यौन शोषण, गाइड को किया गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तिरुवण्णमलै. तमिलनाडु में 40 वर्षीय फ्रांसीसी महिला के साथ उसके ही गाइड ने कथित रूप से यौन शोषण किया है। पुलिस ने आरोपी गाइड वेंकटेशन को गिरफ्तार कर लिया। महिला ने चेन्नई स्थित फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास में इसकी शिकायत की थी। दूतावास के अधिकारियों ने तिरुवण्णामलै जिला पुलिस

दूतावास में शिकायत

अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद जिला पुलिस ने कार्रवाई की।

पीड़िता फ्रांसीसी महिला जनवरी में आध्यात्मिक यात्रा के लिए तिरुवण्णामलै आई थी। उसने तिरुवण्णामलै के चेंगम रोड पर एक होटल में कमरा बुक कराया था। उसने तिरुवण्णामलै के बेगोपुरम के 6 वीं स्ट्रीट के निवासी वेंकटेशन को तिरुवण्णामलै घूमने और इस जगह की पौराणिक कहानियों के बारे में जानने के लिए गाइड के रूप में रखा था।

ईसी नियुक्तियों पर सुनवाई 16 अप्रेल को

नई दिल्ली@ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रेल को सुनवाई करेगा। इनमें से एक याचिका एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर की गई है।

मिनी बस में आग, 4 कर्मी जिंदा जले

पुणे@ पत्रिका. महाराष्ट्र के पुणे के पास एक प्राइवेट फर्म की मिनी बस में आग लगने से ऑफिस जा रहे 4 कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसा हिंजेवाड़ी में हुआ। आग लगने के बाद बस का इमरजेंसी गेट खुल नहीं पाया और 12 कर्मचारी गाड़ी के अंदर फंस गए। इनमें से आठ को बचा लिया गया।

आप विधायक की गिरफ्तारी का वारंट

जम्मू@पत्रिका. जम्मू की एक कोर्ट ने मानहानि के मामले में आप विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

सेबी का फैसला : निवेशकों को होगी आसानी

डिजीलॉकर में डीमैट, म्यूचुअल फंड स्टोरेज व एक्सेस को मंजूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. बिना दावे वाली वित्तीय संपत्तियों के मसले के समाधान के लिए बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को डिजीलॉकर के साथ साझेदारी का ऐलान किया। इस साझेदारी के तहत निवेशक अपने डीमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स की जानकारी सुरक्षित और सुगम तरीके से डिजीलॉकर में स्टोर और एक्सेस कर पाएंगे। यानी निवेशक अपने डिमैट खातों में मौजूद शेयर्स और म्यूचुअल फंड यूनिट्स की होल्डिंग स्टेटमेंट्स को भी डिजीलॉकर में स्टोर कर पाएंगे। साथ ही डिजीलॉकर से ही यूजर डीमैट खातों के कंसोलिडेटेड अकाउंट स्टेटमेंट देख पाएंगे। यह डिजीलॉकर सेवाओं का विस्तार है, जिसमें पहले से ही बैंक खाते, बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र और एनपीएस खाते के विवरण शामिल हैं।

नॉमिनी नियुक्त करने में भी होगी आसानी...

सेबी के इस प्रस्ताव के तहत निवेशक डिजीलॉकर में अपने वित्तीय दस्तावेजों के लिए नॉमिनी नियुक्त कर पाएंगे। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि सिर्फ कानूनी वारिस ही ऐसी अहम वित्तीय जानकारी एक्सेस कर पाएंगे। निवेशक की मौत के बाद डिजीलॉकर सिस्टम नॉमिनी को सूचित करेगा, जिससे नॉमिनी निवेशक की वित्तीय जानकारी तक पहुंच पाएंगे और एसेट्स ट्रांसफर कर पाएंगे। सेबी ने डीमैट और म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनेशन से संबंधित नियमों में भी बदलाव किए हैं। अब निवेशक अधिकतम 10 व्यक्तियों को नॉमिनी नियुक्त कर सकता है। इसके लिए नॉमिनी की विस्तृत जानकारी, जैसे फोन, ईमेल, पता, आधार, पैन देना जरूरी है।

एस जयशंकर बोले...

टैरिफ, एक्सपोर्ट कंट्रोल... आज के दुनिया की सच्चाई

नई दिल्ली @ पत्रिका. ग्लोबल स्तर पर टैरिफ, एक्सपोर्ट कंट्रोल... चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, ये एक सच्चाई हैं। रायसीना डायलॉग 2025 में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनियाभर के देश अब अपनी आर्थिक ताकत का इस्तेमाल हथियार की तरह कर रहे हैं। इसमें वित्तीय लेनदेन, ऊर्जा सप्लाई और टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

विदेश मंत्री ने कहा, अगर हम पिछले दस साल को देखें तो पाएंगे कि देशों ने अपनी ताकत का इस्तेमाल सिर्फ अपने फायदे के लिए किया है। यही आज की दुनिया की सच्चाई है। आज अंतरराष्ट्रीय संबंध पहले से कम संयमित हैं। अमरीका की ओर से भारत पर 2 अप्रेल से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने पर जयशंकर ने कहा कि ट्रेड वॉर के बीच भारत को सबसे अच्छा रास्ता निकालना होगा। सरकार का काम है कि वह अपने बिजनेस, रोजगार और देश की ताकत के लिए लड़े। बिजनेस देश की तरक्की में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राणा की अर्जी की हो सकती है समीक्षा

वॉशिंगटन @पत्रिका. अमरीकी सुप्रीम कोर्ट मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की भारत प्रत्यर्पण रोकने की अर्जी पर विचार कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट के जज 4 अप्रेल को विचार करेंगे। हालांकि 21 जनवरी को अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने राणा की ओर से दायर समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया था।

पेज तीन का शेष

सरिस्का टाइगर...

सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएसी) शिव मंगल शर्मा ने कोर्ट को बताया कि प्रतिबंधित एक किलोमीटर क्षेत्र में कोई खनन गतिविधि नहीं हो रही है। सख्त प्रवर्तन उपाय लागू किए गए हैं। जनता की शिकायतों को सुनने और उनका समाधान करने के लिए सरकार एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगी।

इस पर कोर्ट ने निर्देश दिया कि राज्य सरकार अलवर जिला खनन कार्यालय में नोडल अधिकारी की नियुक्ति करे। नोडल अधिकारी को अवैध खनन से संबंधित शिकायतों को सुनने और उनका निपटारा करने का अधिकार होगा। यदि कोई शिकायत दर्ज होती है तो इसे दो सप्ताह के भीतर हल करना होगा। सुप्रीम कोर्ट के नए आदेश का मकसद सरिस्का टाइगर रिजर्व के आसपास प्रभावी निगरानी और अवैध खनन को रोकने के लिए अपने पूर्व आदेशों को लागू कराना है। यह स्थानीय निवासियों और अन्य हितधारकों के लिए शिकायत निवारण की प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।

200 किसान...

हम पंजाब, हरियाणा के किसानों से कहना चाहते हैं कि एक-एक ट्रॉली यहां लेकर आ जाओ, यह मसला किसी न किसी ओर जाएगा। अंतिम सांस तक लड़ेंगे। सरकार बड़ी है, लेकिन जनता से बड़ी नहीं हो सकती है।

राजनीति गरमाई: एक-दूसरे के सिर फोड़ा ठीकरा

- बेदखली के बाद, प्रदर्शनकारी किसानों ने राज्य सरकार पर उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने बातचीत का वादा करके उन्हें अपनी भूख हड़ताल खत्म करने के लिए गुमराह किया, लेकिन बाद में किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया।
- पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'पंजाब की जीवनरेखा इन दो राजमार्गों के बंद होने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आप सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है और व्यापार को सुचारू रूप से चलना चाहिए।'
- कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा, 'किसानों को बातचीत का आश्वासन दिया गया था, लेकिन चर्चा के बाद पंजाब पुलिस ने उनके नेताओं को हिरासत में ले लिया। यह पंजाब के किसानों को अलग-थलग करने की कोशिश है।'
- शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने दावा किया कि सीएम भगवंत मान 'अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं', उन्होंने कहा कि मान ने चुनावों के दौरान किसानों की मांगों को पूरा करने का वादा किया था, लेकिन अब वह उन्हें धोखा दे रहे हैं।
- केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भी पुलिस कार्रवाई की निंदा की और लुधियाना पश्चिम उपचुनाव से पहले राजनीतिक लाभ के लिए आप सरकार पर किसानों को हिरासत में लेने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि बैठक के तुरंत बाद किसान नेताओं को हिरासत में क्यों लिया गया?

सबसे प्रभावशाली...

इनके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड फेडरेशन के अध्यक्ष जोहान एलियाश (ब्रिटेन-स्वीडन), आइओसी कार्यकारी बोर्ड के सदस्य प्रिंस फैसल अल हुसैन (जॉर्डन), अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग संघ के अध्यक्ष डेविड लैपर्टिएंट (फ्रांस), आइओसी के उपाध्यक्ष जुआन एंटोनियो समारांच जूनियर (स्पेन) और अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ के अध्यक्ष मोरिनारी वतनबे (जापान) भी दावेदार हैं।

'देश में...

यह अवधारणा यूनिफाइड एनर्जी इंटरफेस (यूईआइ) जैसे प्रयासों से मेल खाती है, जिसके तहत ईवी चार्जिंग को कारगर बनाने के लिए पिछले साल 20 ऊर्जा कंपनियों ने एक ओपन नेटवर्क लॉन्च किया था। नीलेकणि ने कहा, पुराने जमाने में लोग छोटी-छोटी मात्रा में ऊर्जा खरीदते थे, चाहे वह ईंधन हो, लकड़ी के रूप में, कोयले के रूप में हो या एलपीजी सिलेंडर के रूप में। लेकिन बिजली हमेशा ऐसी चीज थी जिसे हम ग्रिड या जनरेटर से प्राप्त करते थे। अब यह बदलने वाला है।

खुलासा : राज्यसभा में पूछे सवाल के जवाब में सरकार ने दिए आंकड़े

देश में बढ़ रहीं हेपेटाइटिस-बी से मौतें!

नवनीत मिश्र
patrika.com

नई दिल्ली. देश में हेपेटाइटिस यानी लिवर में सूजन की बीमारी से मौतें बढ़ रहीं हैं। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में इस बात का खुलासा हुआ है। हेपेटाइटिस बी से वर्ष 2023-24 में 972 लोगों ने जान गंवाई। सरकार ने बताया है कि देश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर इस बीमारी का मुफ्त इलाज होता है। दरअसल, राज्यसभा में बुधवार को एक लिखित सवाल में पूछा गया था कि देश में हेपेटाइटिस-बी के कारण होने वाली मौतों में क्या हर साल वृद्धि हो रही है? यदि हां तो गत पांच वर्षों के दौरान देश में वर्षवार मौतों की संख्या का ब्योरा क्या है? स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जवाब देते हुए कहा कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वर्ष 2018 में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया।

वर्षवार मौतों का आंकड़ा

वर्ष	मौत
2019-20	173
2020-21	139
2021-22	323
2022-23	515
2023-24	972
2024*	607

(*अप्रेल-दिसंबर तक)

क्या है हेपेटाइटिस बी

एचबीवी वायरस के कारण हेपेटाइटिस बी बीमारी होती है। एचबीवी के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एचबीवी के संपर्क में आने वाले लगभग 95 प्रतिशत वयस्क बिना दवा के 6 महीने (तीव्र एचबीवी) के भीतर पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं। हेपेटाइटिस बी वायरस से संक्रमित व्यक्ति के रक्त या शारीरिक तरल पदार्थ के संपर्क में आने से लोग संक्रमित हो सकते हैं।

इच्छा मन को धरम छै, पूरी होनी चाय।
इच्छा मारया मन मरै, मन मारया बस हाय ! ।।
-कर्पूर चन्द्र कुलिश की सात सैंकड़ा पुस्तक से

शतरंज: हंगरी की दिग्गज खिलाड़ी जुडिथ पोल्गर पहले भी उठा चुकी हैं आवाज, भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने भी किया समर्थन

फिर उठी महिला शतरंज खिताबों को खत्म करने की मांग

फिडे ने खारिज की मांग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा की कमी के कारण एक बार फिर महिला शतरंज खिताबों को खत्म करने की मांग उठ रही है। हंगरी की दिग्गज शतरंज खिलाड़ी जुडिथ पोल्गर ने यह मांग की है, जिसका समर्थन भारत की आर वैशाली ने किया है। उनका कहना है कि महिला शतरंज लगभग 15 साल पीछे चल रहा है। पहले 15 से 17 वर्ष की उम्र में 2500 की रेटिंग वाली खिलाड़ी मिल जाती थीं, लेकिन आज 17 से 18 वर्ष में 2400 की रेटिंग वाली दो खिलाड़ी हैं।

जुडिथ पोल्गर

खिलाड़ियों को मिलेगी प्रेरणा: वैशाली

वैशाली

पोल्गर का समर्थन करते हुए भारत की स्टार खिलाड़ी वैशाली ने कहा, महिला ग्रैंडमास्टर व महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर जैसे खिताबों को हटाने से खिलाड़ियों को सीधे ग्रैंडमास्टर खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने को प्रेरित किया जा सकता है।

नहीं छीन सकते महिलाओं का अधिकार: फिडे ने साफ कर दिया है कि उसका महिलाओं के खिताब (महिला ग्रैंडमास्टर व अन्य खिताब) हटाने का कोई इरादा नहीं है। फिडे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एमिल सुतोवस्की का कहना है कि ऐसा करना महिलाओं से उनके अधिकार छीनना है। इससे महिला प्रतिभाओं के साथ अन्याय होगा।

- प्रतिस्पर्धा की कमी का दिया हवाला
- ओपन टूर्नामेंटों में पुरुषों के विरुद्ध खेलती हैं महिला ग्रैंडमास्टर

खिलाड़ियों की रेटिंग में आई गिरावट

सुतोवस्की ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में शीर्ष पर मौजूद महिला शतरंज खिलाड़ियों की रेटिंग में काफी गिरावट आई है, इसलिए उन्हें महिलाओं की इवेंट की जरूरत है, जिसमें खेल कर वह अपने खेल में सुधार कर सकें। महिला शतरंज में पुरस्कार राशि बढ़ाए जाने के बावजूद महिला शतरंज पुरुषों की तुलना में पीछे चल रहा है। ओपन वर्ग में महिला ग्रैंडमास्टर पुरुषों के विरुद्ध खेलकर अपनी रेटिंग सुधार सकती हैं। लेकिन ग्रैंडमास्टर नॉर्म तक पहुंचने के लिए महिला टूर्नामेंट बेहद जरूरी हैं।

ऐसे तो खत्म हो जाएगा महिला शतरंज: ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से का कहना है कि महिलाओं के खिताब हटाने से महिला शतरंज खत्म हो जाएगी। जुडिथ पोल्गर पुरुषों के साथ खेलती थीं। लेकिन उनकी बहन सुसान ने महिलाओं के साथ खेलना नहीं छोड़ा। वैशाली को जितने भी पुरस्कार मिले हैं, उनमें महिला शतरंज के खिताबों का योगदान है।

अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच: मालदीव को 3-0 से हराया

छेत्री की दमदार वापसी

भारत ने तोड़ा हार का सिलसिला

शिलॉन्ग @ पत्रिका. स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करते हुए हेडर से शानदार गोल दागा जिससे भारत ने बुधवार को यहां मैत्री फुटबॉल मैच में मालदीव को 3-0 से हरा दिया। मेजबान ने 12 मैच के हार के सिलसिले को तोड़ दिया।

12 मैच बाद भारतीय टीम को मिली जीत

भारत के सुनील छेत्री गोलपोस्ट की ओर बढ़ते हुए।

40 साल के छेत्री ने दागा 95वां गोल: पिछले मई में संन्यास लेने के बाद में वापसी करने वाले 40 वर्षीय छेत्री ने 77वें मिनट में हेडर से भारत के लिए तीसरा गोल करके अपना 95वां अंतरराष्ट्रीय गोल दाग दिया। उनके अलावा राहुल भेके ने 35वें मिनट में और कोलाको ने 66वें मिनट में गोल किए।

16 महीनों में पहली जीत: यह 16 महीनों में भारत की पहली जीत है और मानोलो मार्केज के मार्गदर्शन में भी पहली जीत है। भारत को इससे पहले आखिरी जीत 16 नवंबर 2023 को 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग दौर के मैच में कुवैत (1-0) के खिलाफ मिली थी। 25 मार्च को मेजबान बांग्लादेश से मैच खेलेगा।

आज का पोल

क्या मुंबई इंडियंस हार्दिक पांड्या की कप्तानी में चैंपियन बन पाएंगे?

YES / NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

बुधवार का जवाब

हां **85%** नहीं **15%**

पिछला सवाल: क्या महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपरकिंग्स का इस सत्र में चैंपियन बना पाएंगे?

आइपीएल-2025: लीग के पिछले सीजन में पांड्या पर लगा था एक मैच का प्रतिबंध

पहले मैच में हार्दिक नहीं सूर्यकुमार यादव होंगे मुंबई इंडियंस के कप्तान

23 मार्च को चेन्नई में भिड़ेंगे मुंबई इंडियंस और मेजबान सुपरकिंग्स

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल 2025) में मुंबई इंडियंस की टीम 23 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। हालांकि इस मैच में टीम की कमान हार्दिक पांड्या नहीं बल्कि सूर्यकुमार यादव संभालेंगे।

हार्दिक पर पिछले आइपीएल के अंतिम मैच में धीमी ओवर रेट के कारण एक मैच का प्रतिबंध लगा था। इसलिए अब सूर्यकुमार इस सीजन के पहले मैच में कप्तानी करेंगे। इस बारे में हार्दिक ने बुधवार को कहा, यह मेरे नियंत्रण से बाहर है। पिछले साल आखिरी मुकाबले में हमने अंतिम ओवर 1.5 या दो मिनट देरी से किया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन यही नियम है। हमें प्रक्रिया के अनुसार ही चलना होगा। सूर्या भारत के टी-20 कप्तान हैं और जब मैं नहीं हूं, तो वह आदर्श विकल्प हैं।

खलेगी बुमराह की कमी: जयवर्धने

इस दौरान मुंबई के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि टीम को स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। बुमराह पीठ की चोट से उबर रहे हैं। जयवर्धने ने कहा, बुमराह अभी बेंगलूरु में बीसीसीआइ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। वे ठीक हो रहे हैं। उम्मीद है कि वे जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। महेला ने कहा, पिछले सीजन हमें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। हम नई शुरुआत करेंगे।

बचाव में उतरे

सूर्या की फॉर्म को लेकर हमें चिंता नहीं

पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे सूर्यकुमार का बचाव करते हुए हार्दिक ने कहा, हम उनकी फॉर्म को लेकर चिंतित नहीं हैं। हार्दिक ने कहा, मेरे लिए वे एक शानदार बल्लेबाज हैं। वे भारतीय टीम और मुंबई टीम के लिए मैच विनर हैं। उनकी मौजूदगी टीम में ऊर्जा भर देती है। इसलिए हम उन्हें लेकर किसी तरह की टेंशन में नहीं हैं। गौरतलब है कि इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में सूर्या बुरी तरह से फ्लॉप रहे थे।

भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं: हार्दिक

हार्दिक 29 मार्च को गुजरात टाइटंस के साथ अहमदाबाद में होने वाले दूसरे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। मुंबई का घरेलू मैदान में दो दिन बाद 31 मार्च को कोलकाता नाइटराइडर्स से मैच है। सूर्या ने 2023 में भी आइपीएल के एक मैच में मुंबई की कप्तानी की थी। हार्दिक ने इस पर कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं- रोहित, सूर्या और बुमराह। जब भी मुझे किसी मदद की जरूरत होती है, तो वे हमेशा मौजूद रहते हैं। सूर्यकुमार मुंबई टीम के उपकप्तान हैं। पिछले सीजन हार्दिक ने तीन बार धीमे ओवर रेट के लिए सजा भुगती थी।

बुधवार को मुंबई इंडियंस के कार्यक्रम के दौरान हार्दिक पांड्या पोज देते हुए।

ओपनिंग सेरेमनी में श्रेया घोषाल और दिशा पटानी करेंगी परफॉर्म

कोलकाता के ईडन गार्डंस में मेजबान कोलकाता नाइटराइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के बीच 22 मार्च को होने वाले मुकाबले के साथ ही आइपीएल 2025 का आगाज हो जाएगा। आइपीएल के 18वें सीजन की ओपनिंग सेरेमनी भी खास होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान मशहूर गायिका श्रेया घोषाल और अभिनेत्री दिशा पटानी परफॉर्म करेंगी। इन दोनों के अलावा गायक और रैपर करण औजला भी प्रस्तुति देंगे। यह सेरेमनी 35 मिनट तक चलेगी। वहीं रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस सीजन बीसीसीआइ योजना बना रहा है कि हर टीम के पहले घरेलू मैच से पूर्व सभी आयोजन स्थलों पर एक विशेष समारोह आयोजित किया जाए। इससे सभी 13 आयोजन स्थलों पर दर्शकों को कुछ खास देखने को मिलेगा। हालांकि बोर्ड ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि इन समारोह में कौनसे कलाकार प्रस्तुति देंगे।

केकेआर-लखनऊ मैच की तारीख में हो सकता है बदलाव: ईडन गार्डंस में कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के बीच मुकाबला छह अप्रेल को प्रस्तावित है। लेकिन अब इस मैच की तारीख में बदलाव किया जा सकता है। दरअसल कोलकाता पुलिस ने इस मैच में सुरक्षा देने से इनकार कर दिया है। छह अप्रेल को देशभर में रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। पुलिस ने उस दिन शहर में होने वाले आयोजनों के कारण मैच में सुरक्षा देने से इनकार कर दिया है।

हाईकोर्ट का आदेश

धनश्री को 4.75 करोड़ रुपए गुजारा भत्ता देंगे चहल

मुंबई@ पत्रिका. बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई के फैमिली कोर्ट को आदेश दिया है कि भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक पर गुरुवार, 20 मार्च को फैसला करें। आइपीएल 2025 को ध्यान में रखते हुए, हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि चहल के आगामी टूर्नामेंट को देखते हुए गुरुवार तक तलाक की याचिका पर फैसला सुनाया जाए। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में खुलासा किया गया है कि चहल को धनश्री को गुजारा भत्ते (एलिमनी) के रूप में 4.75 करोड़ रुपए देने होंगे, जिसमें से 2.37 करोड़ रुपए का भुगतान भारतीय गेंदबाज पहले ही कर चुके हैं।

कूलिंग ऑफ पीरियड माफ: इस बीच हाईकोर्ट ने तलाक की कार्यवाही में छह महीने के कूलिंग ऑफ पीरियड को माफ करने की याचिका भी स्वीकार कर ली है।

आइसीसी टी-20 रैंकिंग: हार्दिक शीर्ष पर कायम

अभिषेक शर्मा और वरुण दूसरे नंबर पर बरकरार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुबई. भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) की ताजा टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में क्रमशः बल्लेबाजों और गेंदबाजों की सूची में करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान कायम रखा। हार्दिक पंड्या 252 अंक से ऑलराउंडर्स की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं, जिसमें नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी (233 अंक) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस (210 अंक) तीसरे स्थान पर हैं।

तिलक व सूर्यकुमार भी शीर्ष-10 में: तिलक वर्मा और भारत के टी-20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी इस रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड 856 रेटिंग अंक लेकर बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7287...

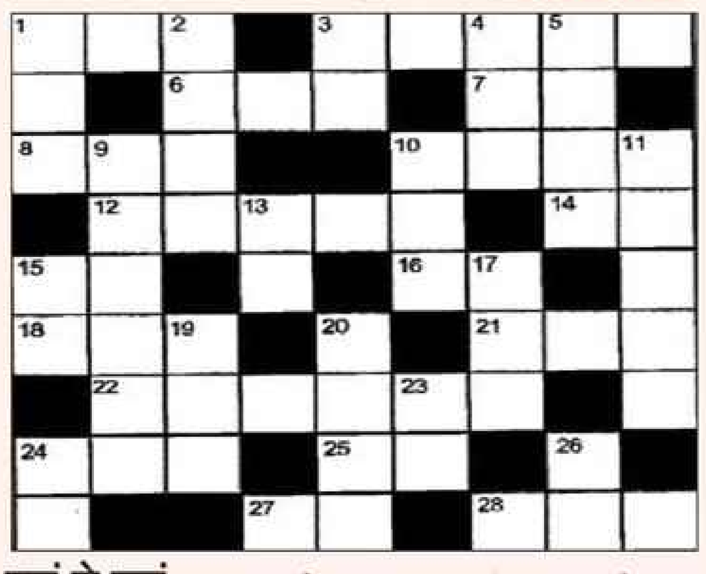

बाएं से दाएं... 1. परन्तु, किन्तु, मगर (3), 3. बेमुरव्वत, दु:शील (5), 6. ढेर, कोष (3), 7. मैं का बहुवचन (2), 8. कड़ा, तेज, कुरकुरा (3), 10. मुकटधारी, नरेश (2-2), 12. मान्यवर, महोदय (3-2), 14. स्वाद, शोरबा (2), 15. मां के पिता (2), 16. अल्प, थोड़ा (2), 18. दही बिलौने का उपकरण (3), 21. बाजार (3), 22. पुन: दृष्टिपात करना, सिंह की तरह पीछे देखते हुए आगे बढ़ना (6), 24. तीन घंटे का समय (3), 25. चंचल, गतिमान (2), 27. ना, इनकार (2), 28. निरस्त (3)

ऊपर से नीचे... 1. रचयिता, लेखन कार्य करने वाला (3), 2. अग्रिम भुगतान (4), 3. उद्घोष (2), 4. केवल, मात्र (3), 5. ताकतवर, शक्तिशाली (4), 9. वर्तमान में केन्द्रीय रक्षा मंत्री (4-2), 10. लटकाना (3), 11. रस्सी पर कलाबाजियां खाने वाला, नट, छली (5), 13. वल्लरी, लता (2), 15. ख्याति, प्रसिद्धि (2), 17. कामदेव (3), 19. तुषार, कोहरा (3), 20. गुण-दोष निरूपण या विवेचना (4), 23. आने वाला व बीता हुआ दिन (2), 24. मार्ग, रास्ता (2), 26. पानी, जल (2)

हल 7286

स्विस ओपन बैडमिंटन: पहले दौर में 32 मिनट में 21-16, 21-17 से जीतीं

त्रिशा और गायत्री की जोड़ी दूसरे दौर में पहुंची

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बासेल (स्विट्जरलैंड). भारत की गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल वर्ग के अंतिम-16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने स्विट्जरलैंड की एलाइन मुलर और नीदरलैंड्स की केली वैन ब्यूटेन को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 21-17 से हराया। अब अगले दौर में उनका मुकाबला जर्मनी की सेलिन हब्सच और एमिली लेहमैन से होगा।

गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली मैच के दौरान।

आयुष और शंकर मुख्य ड्रॉ में: इस बीच, भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने क्वालीफायर में दमदार प्रदर्शन के साथ पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया है। आयुष ने फ्रांस के राफेल गेवियोस को 23 मिनट में 21-6, 21-8 से हराया।

सऊदी अरब टी-20 लीग

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड नहीं है समर्थन में

नई दिल्ली @ पत्रिका. इंडियन प्रीमियर लीग की लोकप्रियता को देखते हुए सऊदी अरब भी जल्द ही एक मेगा टी-20 लीग शुरू करने पर विचार कर रहा है। हालांकि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड सऊदी अरब की इस लीग के समर्थन में नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार इंग्लैंड बोर्ड अपने द हंड्रेड लीग को बचाने के लिए सऊदी लीग का समर्थन नहीं कर रहा है। हालांकि उसने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम को इसका बड़ा कारण बताया है।

मुक्केबाजी: अध्यक्ष पद का नामांकन भी खारिज

बीएफआइ ने महासचिव हेमंत कलिता को निलंबित किया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) के महासचिव हेमंत कलिता को एक जांच में वित्तीय अनियमितताओं का दोषी पाए जाने के बाद निलंबित कर दिया और इसके बाद आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए उनका नामांकन भी खारिज कर दिया गया। जैन को जांच के लिए बीएफआइ ने नियुक्त किया था।

हेमंत कलिता

सत्ता के दुरुपयोग का आरोप: यह जांच उस शिकायत के बाद की गई जिसमें कलिता व कोषाध्यक्ष दिग्विजय पर अनधिकृत धन निकासी, फर्जी बिलिंग और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप था।

पीटीपीए का आरोप... // खेलों का संचालन करने वाले संगठन कर रहे खिलाड़ियों का शोषण, जिससे कमाई भी हुई कम

टेनिस में बवाल: जोकोविच द्वारा स्थापित खिलाड़ियों के संघ ने आयोजकों पर ठोका मुकदमा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मियामी. सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक द्वारा स्थापित पेशेवर टेनिस खिलाड़ी संघ (पीटीपीए) ने प्रतिस्पर्धा विरोधी प्रथाओं व खिलाड़ियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आइटीएफ), एटीपी टूर, डब्ल्यूटीए टूर व अंतरराष्ट्रीय टेनिस अखंडता एजेंसी (आइटीआइए) के विरुद्ध अमरीका की एक अदालत में मुकदमा ठोका है। पीटीपीए ने हवाला दिया कि खेल का संचालन करने वाले संगठनों ने खिलाड़ियों का शोषण किया है और उनके नियंत्रण से कमाई भी कम हुई है।

अधिकारों से कर रहे वंचित

1. 163 पन्नों की रिपोर्ट में पीटीपीए ने कहा कि खेल का संचालन करने वाले संगठनों ने ***खिलाड़ियों के भुगतान और खेलने के हालात पर पूरा नियंत्रण कर लिया है।***
2. उनकी व्यवस्था राज्य और संघीय कानून का सरासर उल्लंघन है जो पेशेवर टेनिस ***खिलाड़ियों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के उनके अधिकार से वंचित करती है। इससे खिलाड़ियों को सीधे तौर पर काफी नुकसान हो रहा है।***

2020 में की थी पीटीपीए की स्थापना: पीटीपीए की स्थापना 2020 में जोकोविच ने कनाडा के वासेक पोस्पिसील के साथ मिलकर की थी, जिसे 250 से ज्यादा शीर्ष पुरुष व महिला खिलाड़ियों का समर्थन प्राप्त है। पीटीपीए ने कहा कि पेशेवर टेनिस में सुधार के लिए कई वर्षों से जारी प्रयास के बावजूद खेल को चलाने वाली संस्थाओं ने कुछ नहीं किया। ऐसे में उसके पास कानूनी कार्रवाई के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

250 से ज्यादा खिलाड़ियों का ***समर्थन प्राप्त है पीटीपीए को***

अनुचित व्यवस्था में फंसे हैं खिलाड़ी

पीटीपीए के कार्यकारी निदेशक अहमद नासर ने कहा, टेनिस टूट चुका है। खिलाड़ी एक अनुचित व्यवस्था में फंसे हुए हैं, जो उनकी प्रतिभा का शोषण कर रही है। यह व्यवस्था उनकी कमाई को कम कर रही है और उनके स्वास्थ्य व सुरक्षा को खतरे में डालती है। उन्होंने कहा कि हमने बातचीत से मामले को सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन खेल को चलाने वाली शीर्ष संस्थाओं ने हमारे पास कोई विकल्प नहीं छोड़ा है। यह प्रयास टेनिस को बाधित करना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों व उनके प्रशंसकों को बचाने के बारे में है।

SUDOKU 7022...

2			3					1
1								
	4				1	8		9
				5	2		8	
			4	3				
	7		6		8	4		2
4		9	8				2	
	1					7		
		7						6

हल 7021

4	2	1	3	7	9	8	6	5
5	8	3	1	4	6	2	9	7
6	7	9	5	2	8	3	4	1
9	5	7	2	6	3	1	8	4
2	1	6	8	5	4	7	3	9
8	3	4	9	1	7	5	2	6
7	4	5	6	8	2	9	1	3
1	9	2	4	3	5	6	7	8
3	6	8	7	9	1	4	5	2

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

दुनियाँ भर की पोथियों, पुरुस नहीं समझाय।
तीन आखरों के बिचै, ईस्वर-जीव समाय।।
-कर्पूर चन्द्र कुलिश की सात सैंकड़ा पुस्तक से

लापता: भारतीय छात्रा सुदीक्षा की गुमशुदगी, साथी रिहा

सैंटो डोमिंगो @ पत्रिका. डोमिनिकन रिपब्लिक में लापता भारतीय छात्रा सुदीक्षा कोनांकी के साथ आखिरी बार देखे गए साथी जोशुआ स्टीवन रीबे को हिरासत से रिहा कर दिया गया है। सुदीक्षा के माता-पिता ने अधिकारियों से उनकी बेटी को आधिकारिक रूप से मृत घोषित करने की मांग की है। वह यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग की छात्रा थीं और जोशुआ के साथ समर ब्रेक पर गई थीं, जहां दो हफ्ते पहले वे लापता हो गईं।

होगी जांच: चैटबॉट ग्रोक का गालियां देने का मामला

नई दिल्ली@ पत्रिका. सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक्स के एआइ चैटबॉट ग्रोक द्वारा हिंदी में अपशब्दों व गालियों का उपयोग करने की हालिया घटना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के संपर्क में है। सूत्रों के अनुसार आइटी मंत्रालय मामले की जांच कर रहा है। हाल में एक यूजर के उकसाने के बाद ग्रोक ने अपशब्दों और गालियों से भरी प्रतिक्रिया दी। बिना फिल्टर किए गए जवाबों ने यूजर को हैरान कर दिया और एआइ के भविष्य को लेकर बहस छिड़ गई।

सीजफायर: यूक्रेनी राष्ट्रपति से ट्रंप ने की बात

युद्ध विराम पर बन गई बात अब जेद्दा में होगी शांति वार्ता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कीव. वाशिंगटन. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई एक घंटे लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों में आंशिक युद्ध पर सहमति बन गई है। यूक्रेन ने कहा है कि वह रूस से नागरिक और ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर हमले नहीं करेगा। साथ ही यूक्रेन ने भी अपने बुनियादी ऊर्जा और नागरिक ढांचों की सूची अमरीका को सौंपी है, जिन पर वह चाहता है कि हमले नहीं किए जाएं।

दोनों नेताओं में बातचीत के बीच इस पर भी सहमति बनी है कि अमरीका युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के जापोरिजिया समेत अन्य अहम न्यूक्लियर पावर प्लांट अपने कब्जे में लेकर उनकी देखरेख करेगा, जिससे यहां किसी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके। बातचीत के बाद ट्रंप ने बताया कि बातचीत अनुमान के मुताबिक हुई। वहीं जेलेंस्की ने कहा है कि ट्रंप यूक्रेन को आश्वासन दिया है कि यूरोप की मदद से बेहतर रक्षा उपकरण कीव को मिलेंगे।

ट्रंप से फोन पर बातचीत करते जेलेंस्की।

जेलेंस्की से चर्चा में सब कुछ ट्रैक पर... पुतिन-ट्रंप की बातचीत के अनुसार, रूस और यूक्रेन ने यूएई की मध्यस्थता में 372 युद्धबंदी सैनिकों की अदला-बदली की। इसमें दोनों देशों ने 175-175 बंदी एक दूसरे को सौंपे। वहीं, रूस ने यूक्रेन के 22 अतिरिक्त ऐसे सैनिक कीव को सौंपे जो गंभीर रूप से घायल थे।

दोनों देशों ने किए हवाई हमले

इससे पूर्व, दोनों पक्षों ने युद्ध विराम तोड़ने का आरोप लगाए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन ने पांच टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और तीन विध्वंसक वाहनों के साथ लगभग 200 ड्रोन के जरिए बेलगोरद समेत अन्य इलाकों में हमले की असफल कोशिश की है। वहीं, यूक्रेन ने कहा है कि रूस ने यूक्रेनी ऊर्जा ढांचे पर 137 ड्रोन हमले किए। इनमें अधिकांश नाकाम रहे।

अगले दौर की वार्ता रविवार से: जेलेंस्की ने कहा कि वह रविवार को जेद्दा में होने वाली वार्ता में भाग लेने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को सुलझा हुआ वार्ताकार बताते हुए जेलेंस्की ने कहा है कि ट्रंप यूक्रेन में हो रहीं मौतों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन अब अगले कदम पर चर्चा करने के लिए अपनी टीम भेजेगा।

डब्ल्यूएमओ रिपोर्ट: सबसे गर्म वर्ष रहा 2024

ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से निपटने में लानी होगी तेजी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. साल 2024 में रिकॉर्ड ग्रीनहाउस गैस स्तरों ने वैश्विक तापमान को अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया, ग्लेशियरों और समुद्री बर्फ के पिघलने की गति बढ़ी और समुद्र का स्तर नई ऊंचाई पर पहुंच गया। संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) की बुधवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ क्लाइमेट 2024' में यह खुलासा किया गया है।

रिपोर्ट पुष्टि करती है कि रिकॉर्ड रखे जाने के बाद से 2024 सबसे गर्म वर्ष है, जिसमें वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से अधिक 1.55 डिग्री सेल्सियस रहा, यानी पहली बार 1.5 डिग्री सेल्सियस की वार्मिंग सीमा पार हो गई है। हालांकि, 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का एक वर्ष पेरिस समझौते के दीर्घकालिक लक्ष्यों (1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे का दीर्घकालिक औसत) नहीं तोड़ता है, फिर भी यह उत्सर्जन में तत्काल कमी करने की एक स्पष्ट चेतावनी देता है। वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर 80,0000 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर है।

समुद्र का तापमान रेकॉर्ड ऊंचाई पर

रिपोर्ट में कहा गया है कि तापमान वृद्धि में योगदान देने वाले कारकों में मौसम चक्र, सौर चक्र में बदलाव, ज्वालामुखी विस्फोट, और कूलिंग एयरोसोल में कमी शामिल हैं। महासागर का तापमान भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है, जिससे अम्लता बढ़ रही है। 2015 से 2024 के बीच समुद्र का स्तर औसतन 4.7 मिमी प्रति वर्ष बढ़ा है, 1993 से 2002 के बीच यह दर 2.1 मिमी प्रति वर्ष थी। ग्लेशियर द्रव्यमान का सबसे बड़ा नुकसान पिछले तीन वर्ष में हुआ।

पिछले 10 साल रहे धरती पर सबसे गर्म... डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के अनुसार 2024 के साथ बीते 10 साल, पिछले 200 वर्षों में सबसे गर्म साबित हुए हैं। यह पहली बार है जब रिकॉर्ड रखने की शुरुआत से लेकर अब तक 10 सबसे गर्म वर्ष एक ही दशक में आए हैं।

इजरायल: दूसरे दिन भी गाजा में हमले, अब ग्राउंड ऑपरेशन भी शुरू

गाजा. दूसरे दिन भी इजरायल के हमलों के बीच पलायन करते लोग।

गाजा @ पत्रिका. युद्धविराम टूटने के बाद बुधवार को इजरायली सेना ने कहा कि उसने गाजा में 'टारगेटेड ग्राउंड एक्टिविटीज (हमले)' भी शुरू कर दी हैं। इसके तहत मध्य व दक्षिणी गाजा में सुरक्षा जोन बढ़ाने के साथ उत्तर व दक्षिण गाजा के बीच एक बफर जोन बनाया जा रहा है। साथ ही नेटजारिम कॉरिडोर के केंद्र में सेना ने नियंत्रण मजबूत किया है। इजरायल में खुफिया एजेंसी शिन बेट के चीफ रोनेन बार की बर्खास्तगी के विरोध में हजारों लोग तेल अवीव में सड़कों पर उतर आए। उधर, भारत के विदेश मंत्रालय ने गाजा की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी बंधकों की रिहाई का आह्वान किया।

नवरोज आज: नए साल में आगे बढ़ने की छलांग

वैंकूवर. नवरोज की पूर्व संध्या पर अग्नि के ऊपर से छलांग लगातीं एक ईरानी महिला। यह नए साल में आगे बढ़ने का प्रतीक है।

फ्यूचर टेक

एनवीडिया का 'ग्रूट एन1' देगा ह्यूमनाइड रोबोट को ताकत

सैन जोस @ पत्रिका. एनवीडिया ने ह्यूमनॉइड रोबोट्स को शक्ति देने के लिए अपना ओपन-सोर्स, प्री-ट्रेंड एआइ मॉडल सार्वजनिक कर दिया है। इसे 'एनवीडिया आइजैक ग्रूट एन1' या 'ग्रूट एन1' नाम दिया गया है। एनवीडिया के जीटीसी 2025 सम्मेलन में सीईओ जेनसन हुआंग ने यह घोषणा की। ग्रूट एन1 को मौजूदा और कृत्रिम डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है।

टेस्ला को मिली कैलिफोर्निया में रोबोटैक्सी की पहली मंजूरी

सैन फ्रांसिस्को @ पत्रिका. एलन मस्क की टेस्ला को कैलिफोर्निया में रोबोटैक्सी सेवा शुरू करने के लिए पहली मंजूरी मिल गई है। कैलिफोर्निया पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन (सीपीयूसी) ने टेस्ला को ट्रांसपोर्टेशन चार्टर-पार्टी कैरियर परमिट (टीसीपी) जारी किया। हालांकि, यह परमिट ड्राइवरलेस टैक्सी सेवा की अनुमति नहीं देता।

मस्क ने इस साल कैलिफोर्निया व टेक्सास में ड्राइवरलेस सेवा शुरू करने का वादा किया है।

पत्रिका पोल

Q जम्मू-कश्मीर की फिजां में क्या फिर से जहर घोलने की कोशिश की जा रही है?

कल का सवाल

वोटर आइ कार्ड और आधार की अनिवार्य लिंकिंग से क्या गड़बड़ियां कम होंगी?

जवाब

87% हां | 13% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

'हम लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला...' लैंड फॉर जॉब मामले में तेजस्वी यादव का भाजपा पर निशाना

बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

मेरठ हत्याकांड: 'लड़की ही बदतमीज थी हमारी', सौरभ की हत्या पर मुस्कान के लिए मां-बाप ने मांगी मौत

उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

कोर्ट न्यूज

ऊंची प्रति व्यक्ति आय के साथ 75% आबादी बीपीएल कैसे: कोर्ट

नई दिल्ली@ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि राज्यों ने एक ओर विकास सूचकांकों को रेखांकित करने के लिए उच्च प्रति व्यक्ति आय दर्शाई लेकिन सब्सिडी की बात आने पर 75 प्रतिशत आबादी के गरीबी रेखा (बीपीएल) से नीचे होने का दावा किया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, सब्सिडी का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचना चाहिए। हमारी चिंता यह है कि क्या वास्तविक गरीबों के लिए निर्धारित लाभ इनके हकदारों तक पहुंच रहे हैं?

वकील के रूप में द. कोरियाई नागरिक के नामांकन का निर्देश

नई दिल्ली@ पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआइ) को दो दिनों के भीतर दक्षिण कोरियाई नागरिक डेयॉन्ग जंग को वकील के रूप में नामांकित करने का निर्देश दिया है। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस रजनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने कहा कि नामांकन रोकना स्वीकार्य नहीं होगा, क्योंकि एकल जज के आदेश पर कोई रोक नहीं है, जिसने जंग को वकील के रूप में नामांकन के लिए योग्य मानने से इनकार करने वाला बीसीआइ का फैसला रद्द कर दिया था।

बच्चों के नाम की गई गिफ्ट डीड रद्द कर सकते हैं माता-पिता

चेन्नई @ पत्रिका. मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों या करीबी रिश्तेदारों के नाम की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड रद्द कर सकते हैं, यदि वे उनकी देखभाल करने में असफल रहते हैं। दो जजों की बेंच ने दिवंगत एस. नागलक्ष्मी की पुत्रवधू एस. माला की अपील को खारिज कर दिया। बेटे की मृत्यु के बाद बहू एस. माला के भी बुरे व्यवहार से तंग आकर नागलक्ष्मी ने डीड रद्द करवाई थी।

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ: अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक कल से

बांग्लादेश में अत्याचार पर होगा प्रस्ताव पारित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की तीन दिवसीय बैठक यहां 21 मार्च से होगी, जिसमें बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार पर प्रस्ताव पारित किया जाएगा। संघ के 100 साल पूरे होने पर शताब्दी समारोह पर भी एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा।

यहां बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में संघ के राष्ट्रीय प्रचार प्रभारी सुनील आंबेकर ने बताया कि अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा तीन दिवसीय बैठक के दौरान दो प्रस्ताव पारित करेगी। पहला प्रस्ताव बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और आगे की राह पर होगा। दूसरा प्रस्ताव पिछले 100 वर्षों में आरएसएस की यात्रा, शताब्दी वर्ष के दौरान की गई गतिविधियां और आगे की राह पर होगा। प्रतिनिधि सभा का उद्घाटन 21 मार्च को जनसेवा विद्या केंद्र, चन्नेहल्ली में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले संयुक्त रूप से करेंगे। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष, विश्व हिंदू परिषद के आलोक कुमार और मिलिंद परांडे समेत संघ से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

रानी अब्बक्का पर वक्तव्य भी... प्रतिनिधि सभा योद्धा रानी अब्बक्का के 500 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष वक्तव्य भी जारी करेगी। अब्बक्का का जन्म 1525 में हुआ था और वे कर्नाटक की रहने वाली थीं। वक्तव्य में रानी अब्बक्का के अद्वितीय योगदान को मान्यता दी जाएगी।

कर्नाटक: भाजपा ने किया सदन से बहिर्गमन

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित

बेंगलूरु @ पत्रिका. राज्य विधानसभा ने मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा के बहिर्गमन के बीच बुधवार को केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तावित वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया। प्रस्ताव को राज्य के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने पेश किया। पाटिल ने एक बयान में कहा कि सदन ने सर्वसम्मति से वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को खारिज कर दिया क्योंकि यह राज्य के लोगों की सार्वभौमिक आकांक्षाओं के खिलाफ है और उन्होंने केंद्र से इस कानून को वापस लेने का आग्रह किया है।

इससे पहले पाटिल ने कहा, यह विधेयक देश के सभी वर्गों के लोगों की आकांक्षाओं और अवसरों को प्रतिबिंबित नहीं करता है। यह सदन सर्वसम्मति से वक्फ अधिनियम में संशोधन को अस्वीकार करता है। यह कर्नाटक के लोगों की सार्वभौमिक आकांक्षाओं और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों के पूरी तरह से खिलाफ है।

तुर्की: इस्तांबुल के मेयर की डिग्री रद्द करने के बाद गिरफ्तारी

इस्तांबुल @ पत्रिका. तुर्की में राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर आतंकवादियों से संबंध व भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। एक दिन पहले ही इस्तांबुल विश्वविद्यालय ने इमामोग्लू की ग्रेजुएशन डिग्री को 34 साल बाद रद्द कर दिया था। इससे वह राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो गए। इमामोग्लू ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया था।

गुड शॉट: कीवी पीएम ने दिल्ली में बच्चों संग खेला गली क्रिकेट

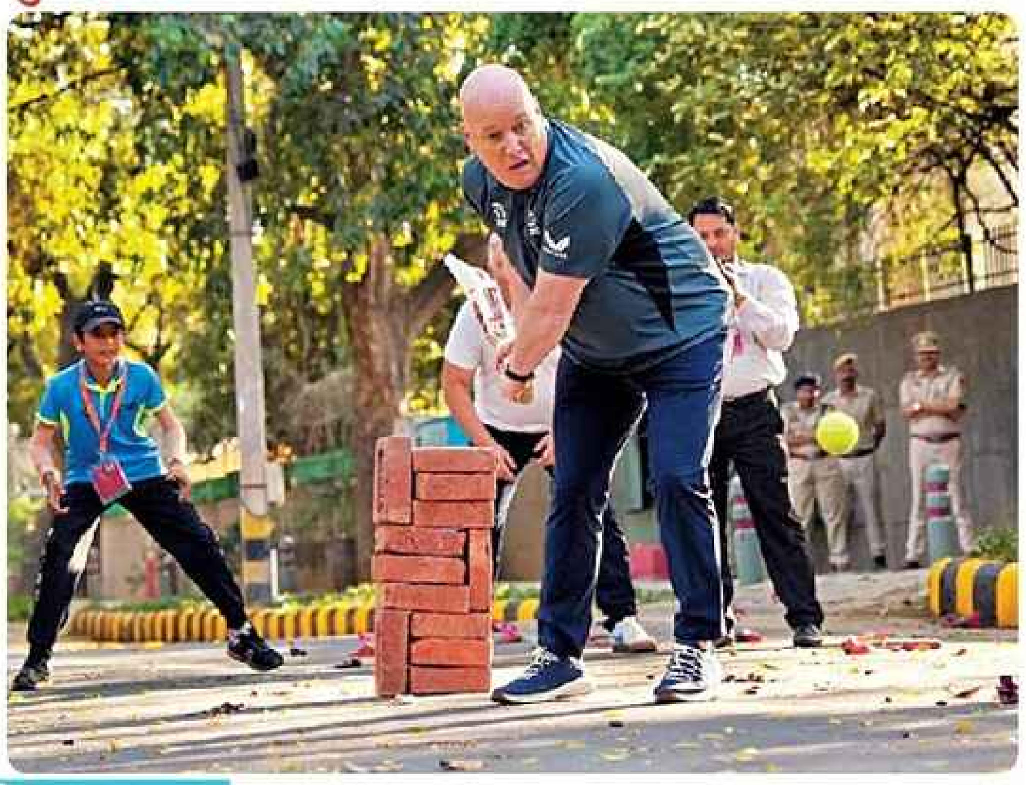

दिल्ली. न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन अपने भारत दौरे के बीच दिल्ली में बच्चों के साथ गली क्रिकेट खेलते हुए। उन्होंने इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत-न्यूजीलैंड को एक करता है क्रिकेट के लिए साझा प्रेम।

दस्तावेज जारी: अब उठेगा कैनेडी की हत्या से परदा!

वाशिंगटन@ पत्रिका. *अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी की हत्या से जुड़े 63,400 पन्नों के 2,182 दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए। यह नेशनल आर्काइव्स की वेबसाइट पर दो चरणों में जारी किए गए। इनमें सीआइए मेमो, एफबीआइ रिपोर्ट्स और राजनयिक केबल शामिल हैं। हाल में एफबीआइ ने 2,400 नए दस्तावेज खोजे हैं, जो जल्द जारी होंगे।*

दस्तावेज क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

कैनेडी की हत्या अमरीकी इतिहास की सबसे रहस्यमयी घटनाओं में से एक है। कई अमरीकी मानते हैं कि हत्या में केवल एक शख्स शामिल नहीं था, बल्कि यह बड़ी साजिश थी। दशकों तक दस्तावेज गोपनीय रखना भी संदेह पैदा करता है।

हत्या कब और कैसे हुई, आरोपी कौन?

22 नवंबर 1963 को टेक्सास में यात्रा के दौरान कैनेडी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। टेक्सास के गवर्नर जॉन कॉनली भी इस हमले में घायल हुए थे। पूर्व मरीन और कम्युनिस्ट समर्थक ली हार्वे ओसवाल्ड को आरोपी ठहराया गया। गिरफ्तारी के दो दिन बाद ही जैक रूबी नामक नाइटक्लब मालिक ने ओसवाल्ड की हत्या कर दी, जिससे मुकदमा नहीं चल सका।

साजिश की आशंका क्यों?

'मैजिक बुलेट' थ्योरी... जांच कहती है कि एक ही गोली कैनेडी और गवर्नर कॉनली को लगी, जिसे कई लोग असंभव मानते हैं।

ओसवाल्ड का बयान... शीत युद्ध के चरम पर हुई हत्या में ओसवाल्ड ने खुद को 'बलि का बकरा' बताया था, खुफिया एजेंसी सीआइए पर भी सवाल उठे।

सीआइए का हाथ?... हत्या से जुड़े 60 लाख से अधिक पन्ने, ऑडियो-वीडियो पहले ही सार्वजनिक हो चुके हैं। नई फाइलों से निष्कर्ष आने में कई महीने या साल लग सकते हैं। कुछ रिपोर्ट के अनुसार संकेत मिला है कि कैनेडी पर किसी दूसरे शूटर ने गोली चलाई होगी। वहीं, कथित रूप से अमरीकी खुफिया एजेंसी सीआइए के एजेंट गैरी अंडरहिल का उल्लेख है, जो मित्रों को यह बताने के कुछ दिनों बाद मृत पाया गया कि हत्या में सीआइए जिम्मेदार थी!

अमरीका: डिपोर्टेशन पर न्यायपालिका के साथ बढ़ रहा ट्रंप का टकराव

वाशिंगटन @ पत्रिका. डिपोर्टेशन को लेकर अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का न्यायपालिका के साथ टकराव बढ़ता जा रहा है। बुधवार को न्यूयॉर्क के एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया जिसमें फिलीस्तीनी समर्थक छात्र महमूद खलील की हिरासत को दी गई चुनौती को खारिज करने की मांग की गई थी। दूसरी ओर ट्रंप ने जज पर दूसरे दिन भी हमला बोला। ट्रंप ने कहा, अपराधी प्रवासियों की रक्षा करने वाले जजों के रहते हुए देश का आगे बढ़ना मुश्किल है।

भारतवंशी वकील करेंगे ट्रंप प्रशासन की पैरवी: ट्रंप प्रशासन ने अमरीका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को निर्वासित करने वाले मामलों पर अदालत से तनातनी के बीच भारतवंशी वकील अभिषेक कांबली को नियुक्त किया है।

ट्रेंडिंग न्यूज

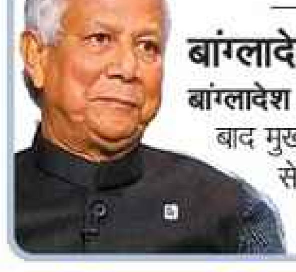

बांग्लादेश: यूनुस को सेना पर भरोसा

बांग्लादेश में सेनाध्यक्ष वकार उज जमां से मुलाकात के बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि उन्हें सेना पर पूरा भरोसा है। सेना में तनाव के बीच दोनों की मुलाकात अहम माना जा रही है।

बीएनपी ने कहा, अंतरिम सरकार निष्पक्ष रहे

बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने कहा है कि यदि अंतरिम सरकार की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगता है और इसकी गतिविधियों में जनता का विश्वास डगमगाता है, तो देश में लोकतंत्र वापसी मार्ग में गंभीर बाधाएं आ सकती हैं।

मुझे 'मारना' चाहते हैं लोग: मस्क

टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी हत्या और टेस्ला को नष्ट करने की साजिश हो रही है। मस्क ने कहा, उन्होंने सरकारी धन की बर्बादी को रोका है। इसलिए इससे लाभ उठा रहे बुरे लोग कुछ भी बुरा काम कर सकते हैं।

इंटरनेशनल हैप्पीनेस डे आज | रस्म अदायगी तक सीमित हुए मध्य प्रदेश सरकार के आनंद विभाग के काम

आनंद, आनंदक, आनंदम... कागजों में सिमटा विभाग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. आज इंटरनेशनल हैप्पीनेस डे है यानी आनंद का दिन। मध्यप्रदेश में इस पर पूरा एक विभाग है जो कि अगस्त 2016 में बनाया गया था। 20 व 21 मार्च को हालांकि विभाग आनंद सेमिनार का भव्य आयोजन कर रहा है, पर सृजन से लेकर अब तक आनंद के प्रयासों की पटरी पर आनंद विभाग डगमग चल रहा है। दस्तावेज पर उत्सवों के आंकड़े खूब हैं, पर धरातल पर असर कम है। आनंदम (क्लब, दल, केंद्र), आनंदकों (ट्रेनर) के पंजीयन, आनंद उत्सव, आनंद दल व आनंद सूचकांक, सबकी रफ्तार सुस्त है।

2025 में अब तक

- 7289 आनंद उत्सव
- 24 अल्पविराम कार्यक्रम
- 02 आनंद सभा

प्रदेश में

- 174 मास्टर ट्रेनर
- 308 आनंदम दल
- 172 आनंदम केंद्र
- 400 आनंदम दल सहयोगी
- 570 आनंदम क्लब

ठंड में मौतें, नेकी की दीवार पर सवाल

पिछले सालों में जिस तरह नेकी की दीवारें बढ़ी थीं वे इस बार नजर नहीं आई। भोपाल में वीर सावरकर सेतु के करीब लगने वाली नेकी की दीवार इस बार नहीं दिखी। बाकी जगह से भी नेकी की दीवार इस बार नदारद रही। आनंद उत्सव भी सीमित हो गया। आनंद शिविर, आनंद सभा और आनंद क्लब के सम्मेलन सीमित रहे। अभी 86 हजार वालंटियर जुड़े हुए हैं। वहीं 78 से ज्यादा ऑनलाइन कार्यक्रम हुए।

सियासी खींचतान ने किया नुकसान... गतिविधियों पर सियासी खींचतान का भी असर पड़ा। शिवराज सरकार के समय विभाग बना था। कमलनाथ सरकार ने अध्यात्म विभाग में मर्ज कर दिया। फिर शिवराज सरकार ने दोबारा अलग किया।

बजट ऊंट के मुंह में जीरा... बीते साल आनंद विभाग के पास महज सात करोड़ का बजट रहा, जो बाद में 15 करोड़ हुआ। इस साल कोई परिवर्तन नहीं हुआ। विभाग के पास कार्यबल भी बहुत कम है। अधिकांश काम सामाजिक क्षेत्र के लोगों के भरोसे हुए।

एक्सपर्ट व्यू

खुद को जानने से ही आनंद की राह

भारतीय दर्शन का आनंद स्वयं की खोज पर केंद्रित है। हमारी शिक्षा व्यवस्था स्वयं को जानने की नहीं, संसार को जानने की है। संसार को जानने की बजाय खुद को जानने की व्यवस्था ही सुख देती है, इसलिए इस व्यवस्था को संसार को जानने के साथ खुद को जानने पर भी मोड़ने की जरूरत है।

-मनोहर दुबे, पूर्व आइएएस (आनंद विभाग के पहले पीएस)

रामनाथ गोयनका अवार्ड्स से सम्मानित प्रिंट, डिजिटल व प्रसारण के पत्रकार

नई दिल्ली @ पत्रिका. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को 13 श्रेणियों में प्रिंट, डिजिटल और प्रसारण पत्रकारों को रामनाथ गोयनका अवार्ड्स दिए। रामनाथ गोयनका फाउंडेशन द्वारा स्थापित ये पुरस्कार खोजी पत्रकारिता, खेल, राजनीति और सरकार, पुस्तकें, फीचर लेखन और क्षेत्रीय भाषाओं सहित 13 श्रेणियों में पत्रकारों के 20 उत्कृष्ट योगदानों को मान्यता देते हैं और उन्हें सम्मानित करते हैं। इन पुरस्कारों के 19वें संस्करण के निर्णायक मंडल में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी.एन. श्रीकृष्ण, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर सी राज कुमार, भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर के.जी. सुरेश, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, रोहिणी नीलेकणी फिलाथ्रोपीज की अध्यक्ष रोहिणी नीलेकणी और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. एस.वाइ. कुरैशी शामिल रहे।

Parul® University
Vadodara, Gujarat
NAAC A++ ACCREDITED UNIVERSITY
careers@paruluniversity.ac.in | www.paruluniversity.ac.in
REGIONAL HEAD
BUSINESS DEVELOPMENT MANAGER
SENIOR CAREER EXPERT (COUNSELLOR)
Applications are invited for the above positions in the marketing vertical of OL and ODL Courses programs.
Job Opening Locations: Jaipur & Udaipur
Interested candidates can apply through www.paruluniversity.ac.in/careers within 10 days of this ad. - Registrar

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।